UPRTOU

वार्षिक प्रतिवेदन

2024 - 2025

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

सेक्टर-एफ, शान्तिपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज
पिन कोड- 211021, उत्तर प्रदेश
वेबसाईट : www.uprtou.ac.in

(01 अगस्त, 1882 - 01 जुलाई, 1962)

भारत रत्न, हिन्दी के प्रबल समर्थक, स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, ओजस्वी वक्ता, सत्यपरायण अधिवक्ता, भावुक हृदय, किसान आन्दोलन के अग्रदूत, उ0 प्र0 विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष, नैतिकता की प्रतिमूर्ति

राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन

"हमारा जीवन सादा और विचार स्तर उच्च होना चाहिए। हमारी आवश्यकताएँ सीमित होनी चाहिए और ईमानदारी के साथ अपने भाइयों की सेवा करने का आदर्श हमें सदा अपने सामने रखना चाहिए।"

"छात्रों में जो आवश्यक तप का अंग है, वह विद्योपार्जन के साथ जीवन के मौलिक आदर्श को ऊँचा करने में लगे। विद्यार्थी जीवन की उपयोगिता और उसकी शोभा जीवन स्तर को ऊँचा करने में ही है। भारतीय संस्कृति के स्थाई आदर्श के अनुरूप हमारे छात्रों का जीवन हो, यह मेरे हृदय की पुकार है।"

"शिक्षा पद्धति में मैं यह देखना चाहता हूँ कि उसका बल केवल जानकारी के उपार्जन पर न हो किन्तु इन दो सिद्धान्तों पर हों - 1. चरित्र निर्माण और 2. वस्तु उत्पादन कला द्वारा आत्म निर्भरता। शिक्षा पद्धतियाँ, विद्यार्थियों का रहन-सहन, भोजन, खेलकूद सब इस प्रकार के हों जो इन दो आदेशों की पूर्ति में सहायक बने। इन सब कामों में हमारा ध्येय यह होगा कि हमारा सामाजिक जीवन अधिक पूर्ण और अधिक ऊँचे स्तर का हो। इसके लिए आयोजन करना होगा और वस्तु उत्पादन इस आयोजन का मुख्य अंश होगा। देशभर में कोई बेकाम न रहे, हर एक अपने समय का उचित उपयोग करें और अपने साधारण काम से जो समय बचे उसमें उपयोगी वस्तु उत्पादन करें, इसके लिए देश भर में उत्साह फैलाना हमारा कर्तव्य होगा।"

पुण्य श्लोक राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन

वार्षिक प्रतिवेदन

2024-2025

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज–211021

प्रमुख दूरभाष

कुलपति सचिवालय (प्रशासनिक भवन, गंगा परिसर)	0532–2447032 0532–2447028
कुलपति कैम्प कार्यालय (गंगा परिसर)	0532–2447033 (फैक्स) 0532–2447034
कुलसचिव कार्यालय (प्रशासनिक भवन, गंगा परिसर)	0532–2447035 0532–2447036 (फैक्स)
परीक्षा नियंत्रक कार्यालय (प्रशासनिक भवन, गंगा परिसर)	0532–2447038 (फैक्स)

कुलगीत

सद्ज्ञान तीर्थ पावन नगरी यही सुहाती।
सबके लिए सुशिक्षा संकल्प शुभ सुनाती।।

शिक्षा जगत् पुरोधा आदर्श राष्ट्र-नायक।
हिन्दी प्रबल समर्थक सद्भावना विधायक।।
यह मुक्त पीठ अनुपम राजर्षि जिसकी थाती।
सबके लिए सुशिक्षा ....।।

संगम मनीषियों की चिन्तन धरा मनोहर।
भगवान राम अपने दीक्षित हुए यहीं पर।।
विज्ञान, धर्म, दर्शन के मंत्र को जगाती।
सबके लिए सुशिक्षा ....।।

गंगा, सरस्वती माँ, यमुना की वाग्धारा।
स्वाध्याय, स्वावलम्बन, मंथन पुनीत नारा।।
मंगलमयी उषा से सबका हृदय खिलाती।
सबके लिए सुशिक्षा ....।।

उत्तर प्रदेश व्यापी अध्ययन केन्द्र न्यारे।
दूरस्थ ज्ञान पद्धति आधार हैं हमारे।।
विद्या प्रसार माध्यम संचार तंत्र पाती।
सबके लिए ....।।

सत्कर्म, मुक्त चिंतन, आदर्श पथ चलें हम।
ज्ञानी बनें, गुणी हों, मंजिल पहुँच के लें दम।।
जीवन जगत् समुज्ज्वल का सूत्र नित सिखाती।
सबके लिए सुशिक्षा संकल्प शुभ सुनाती।

सम्पादक मण्डल

सम्पादक

प्रो0 आशुतोष गुप्ता — निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा

सह–सम्पादक मण्डल

प्रो0 विनोद कुमार गुप्त — प्रोफेसर, संस्कृत/ उपनिदेशक, मानविकी विद्याशाखा

प्रो0 श्रुति — प्रोफेसर, सांख्यिकी, विज्ञान विद्याशाखा

सम्पादक मण्डल सदस्य

डॉ. साधना श्रीवास्तव — असिस्टेंट प्रोफेसर, मानिविकी विद्याशाखा

डॉ. त्रिविक्रम तिवारी — असिस्टेंट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा

डॉ. अतुल कुमार मिश्रा — असिस्टेंट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा

डॉ. गौरव संकल्प — असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा

बौद्धिक प्रेरणा एवं प्रकाश पुंज

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

मानननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति

आचार्य सत्यकाम

कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

विकास की प्रवृत्तियाँ

(Trends of Growth)

Session wise students Enrollment

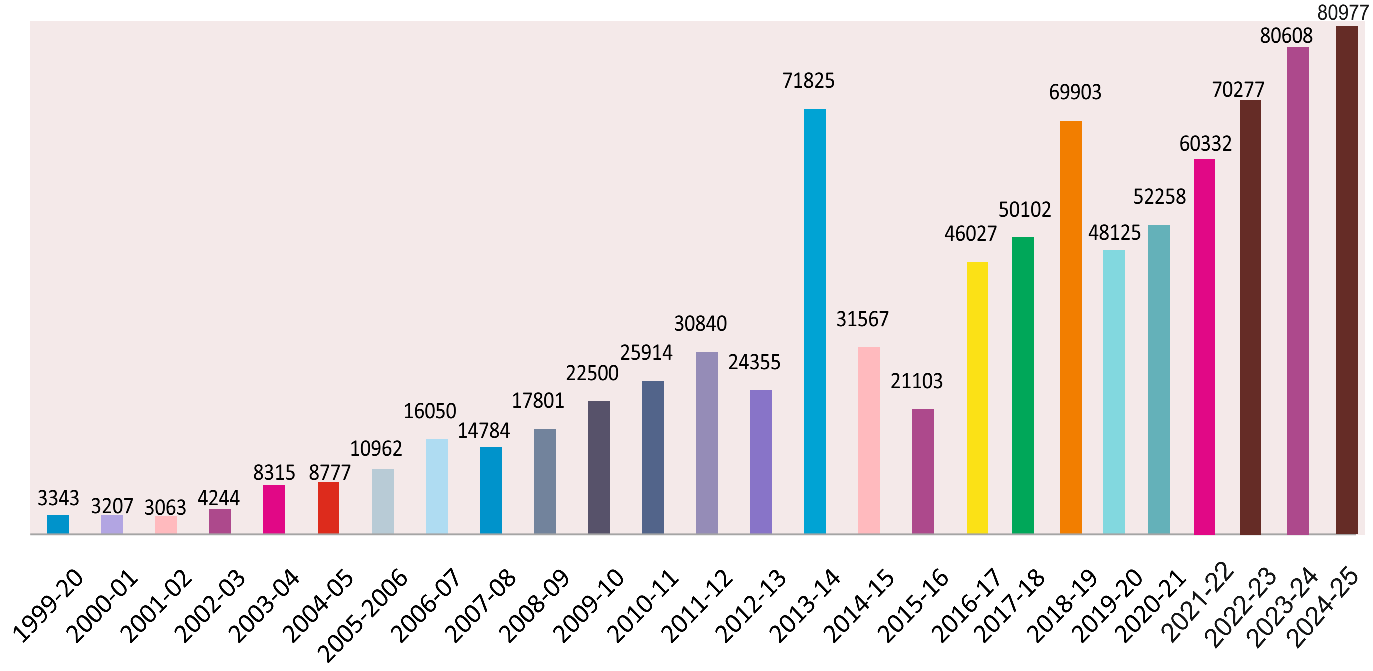

Session wise Number of Study Centres

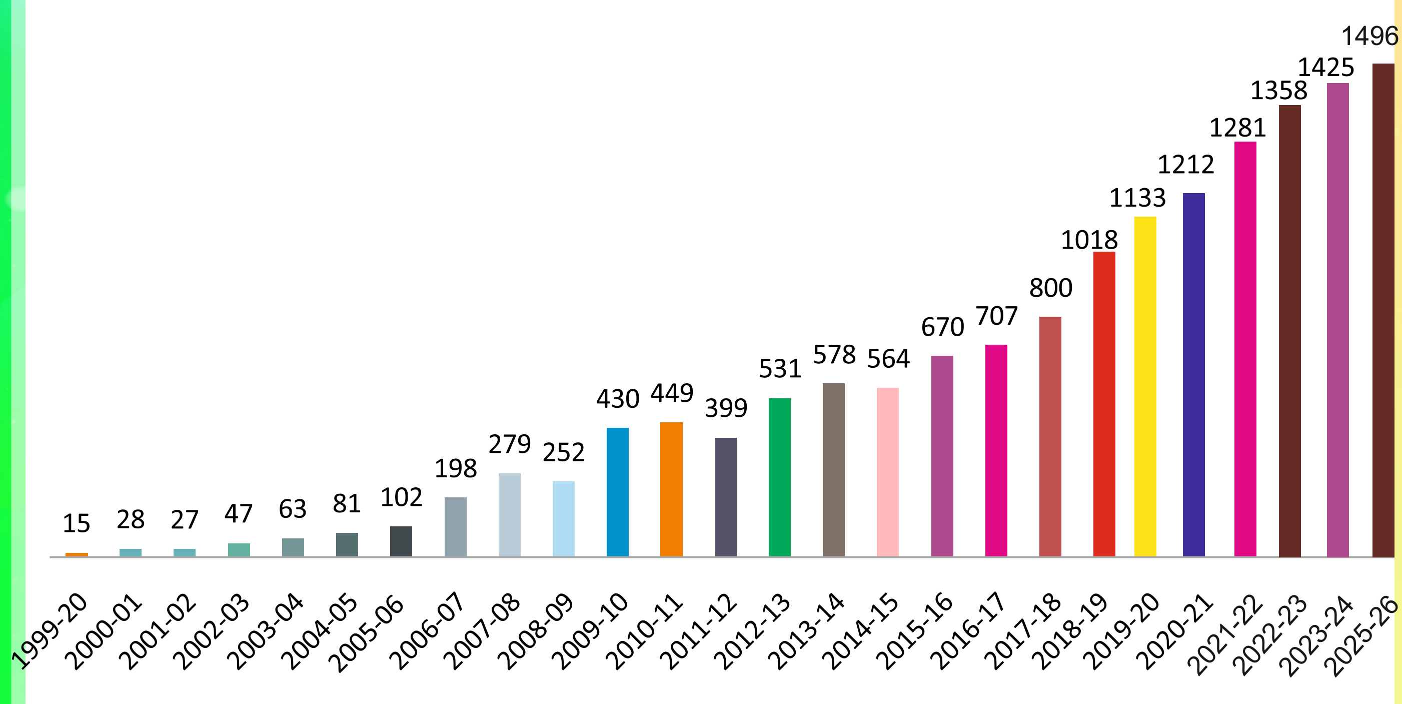

Session wise Number of Programmes

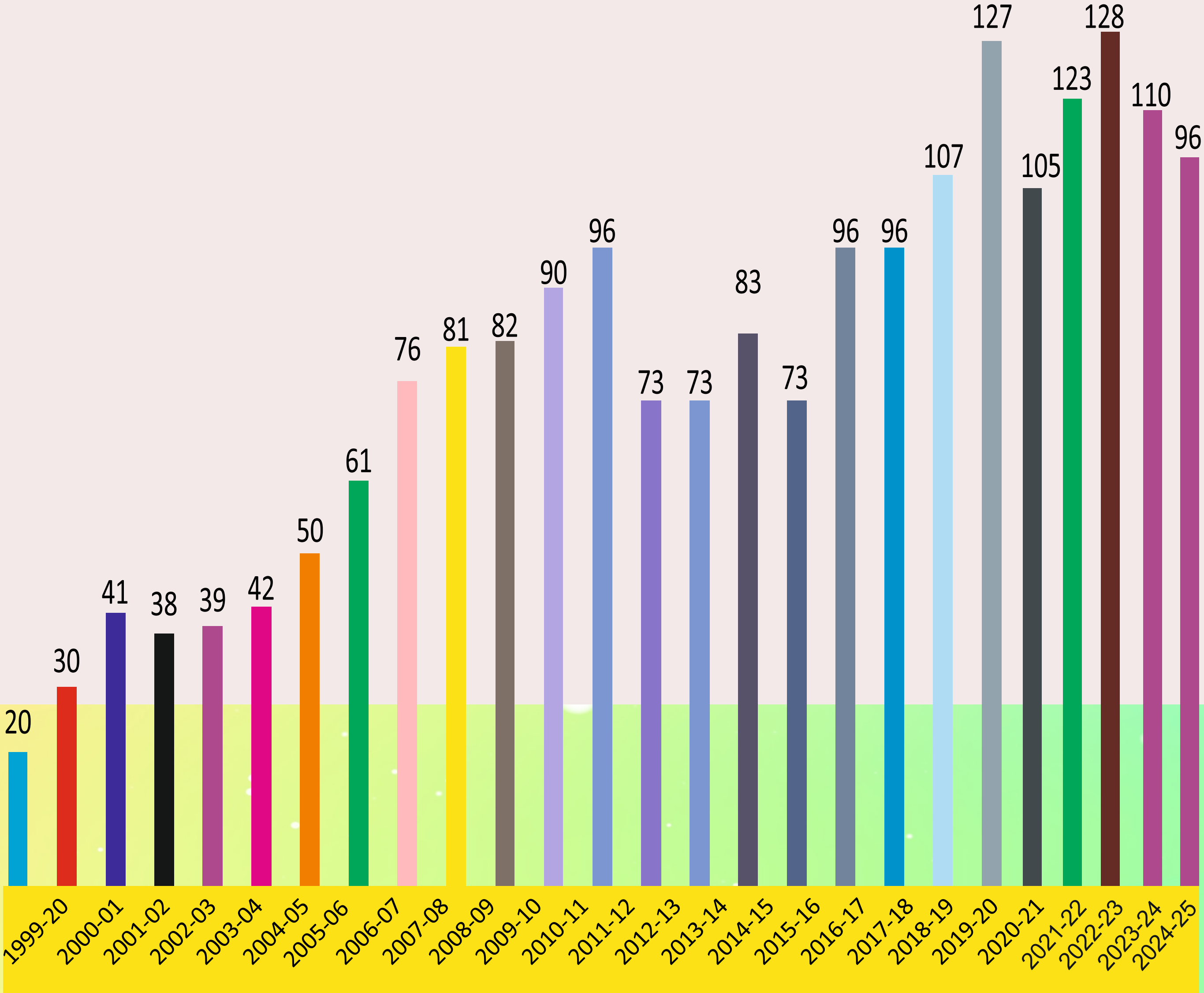

प्रमुख सूत्र वाक्य

''हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ''

''गुरुकुल से छात्र कुल तक''

''शिक्षा शिक्षार्थी के द्वार तक''

''सबको शिक्षा, सबको ज्ञान''

''जब भी चाहें प्रवेश पाएँ,
घर बैठे अध्ययन सामग्री पाएँ''

''स्टूडेन्ट इज द किंग''

''क्लीन कैम्पस, ग्रीन कैम्पस''

प्राक्कथन
Foreword

महान स्वतंत्रता सेनानी, भारत रत्न राजर्षि पुरुशोत्तम दास टण्डन जी की स्मृति में स्थापित 'उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज' उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य का एकमात्र प्रादेशिक मुक्त विश्वविद्यालय है। पतित–पावनी गंगा, श्याम सलिला यमुना तथा अन्तः सलिला सरस्वती के संगमस्थल प्रयागराज में 1998 ई0 में स्थापित यह विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा में शैक्षिक गुणवत्ता को सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान प्रदान करते हुए निरन्तर उच्च शिक्षा की प्रचार–प्रसार के लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है। क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़े एवं सर्वाधिक आबादी वाले राज्य के हर वर्ग और सुदूर क्षेत्रों तक उच्च शिक्षा को सुलभ कराने तथा अपने लक्ष्य को कार्यान्वित करने के लिये विश्वविद्यालय द्वारा 96 शैक्षणिक कार्यक्रमों का 12 क्षेत्रीय केन्द्रों तथा 1496 सक्रिय अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से संचालित कर उच्च शिक्षा को जन–जन तक पहुँचाने के अपने लक्ष्य को मूर्त रूप दिया जा रहा है। साथ ही शिक्षार्थियों में शोध की प्रवृत्ति एवं अभिरुचि को उत्पन्न करने हेतु पूर्णरूपेण कटिबद्ध है। श्री राज्यपाल एवं मा0 कुलाधिपति जी की सद्प्रेरणा एवं अनुमति से यू0जी0सी0 रेग्यूलेशन के अनुसार 13 विषयों में पी0एच0डी0 कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है। पाठ्यक्रमों में कौशल आधारित विषय वस्तुओं को समवेशित कर विश्वविद्यालय में सत्र 2023–24 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को किया गया है।

राष्ट्र के विकास में महिलाओं की अहम् भूमिका को स्वीकार करते हुए उनकी क्षमताओं एवं योगदान का सम्मान किया जाना आवश्यक है, जिसके लिए समाज में महिलाओं के स्थान को सुदृढ़ करने के लिये उन्हें स्वावलंबी और शिक्षित बनाना शिक्षण संस्थाओं का उत्तरदायित्व है। मा0 कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल आदरणीया श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के मार्गदर्शन पर महिलाओं को सामाजिक एवं राजनीतिक अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने तथा उनमें वित्तीय एवं न्यायिक सुरक्षा प्राप्त करने की सामर्थ्य विकसित करने हेतु विश्वविद्यालय में 'महिला अध्ययन केन्द्र' की स्थापना की गयी है। यह केन्द्र विशेष रुप से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को जागरूक बनाने एवं प्रेरित करने हेतु प्रयासरत है। इससे निःसंदेह महिलाओं में आत्मविश्वास एवं स्वावलम्बन की भावना का विकास हो रहा है। साथ ही कतिपय गांवों को गोद लेना, सजायाफ्ता कैदियों के निःशुल्क शिक्षा हेतु प्रदेश परिधि के अंदर स्थित कारागारों में विशेष अध्ययन केन्द्रों की स्थापना करना, ट्रांसजेंडर शिक्षार्थियों हेतु निःशुल्क प्रवेश व्यवस्था तथा गोद लिये गये गांवों की महिलाओं को अर्धशुल्क मुक्ति के आधार पर प्रवेश देना आदि कुछ ऐसे अभिनव प्रयोग हैं जो विश्वविद्यालय के सामाजिक दायित्वों को रेखांकित करते हैं। माननीय कुलाधिपति जी की सदप्रेरणा से विश्वविद्यालय द्वारा उत्तर प्रदेश की समस्त आँगनवाड़ी कार्यकत्रीयों के शैक्षिक उन्नयन के लिए बाल विकास एवं पोशण शिक्षा में प्रमाण पत्र कार्यक्रम की विषय वस्तु तैयार कि जा रही है। इन प्रयासों का सम्बन्धित शिक्षार्थी वर्ग पर अनुकूल प्रभाव परिलक्षित भी हो रहा है।

विश्वविद्यालय ने विगत सत्र में समसामयिक विषयों में जागरूकता कार्यक्रम' प्रारंभ किया। मा0 प्रधानमंत्री जी के आवाहृन पर स्वच्छता जागरुकता तथा विश्वविद्यालय परिवार के स्वास्थ्य सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए 'स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प' लगाए जाने की व्यवस्था विश्वविद्यालय परिसर में कराई गयी। कोरोना काल जैसी आकस्मिक स्थिति में भी विश्वविद्यालय दृढ़तापूर्वक उच्च शिक्षा को शिक्षार्थियों तक सुलभ बनाने में अहर्निश तत्पर रहा है। डिजिटाइजेशन का उपयोग करते अधिकांश कार्यक्रमों का पठन–पाठ्न बहु–संचारित माध्यम द्वारा ऑनलाइन किया गया तथा शिक्षार्थियों के लिए 'एकलव्य मोबाइल एप'' का निर्माण किया गया जिसके उपयोग से शिक्षार्थी लाभांवित भी हो रहे है। अनेक ऑनलाइन एवं ऑफलाइन व्याख्यान, वेबिनार तथा ई–संगोश्ठियाँ आयोजित की गईं। विश्वविद्यालय के मुख्यालय से लिंक करके शिक्षार्थियों के लिए विषयवार परामर्श सत्र कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा जिसमें शिक्षार्थियों की शंकाओं एवं समस्याओं का समाधान विषय–विशेषज्ञों द्वारा किया गया। इस व्यवस्था को सम्पूर्ण प्रदेश में सराहना प्राप्त हुई।

वार्शिक प्रतिवेदन को तैयार करने में निःसंदेह ही काफी तन्मयता एवं लगनशीलता की आवश्यकता होती है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने इसे तैयार करने में अपने दायित्वों के निर्वहन का यथासम्भव प्रयास किया है। मैं इस वार्शिक प्रतिवदेन के सम्पादक मण्डल के सभी सदस्यों को साधुवाद देती हूँ, जिन्होंने अपने अथक प्रयासों से इसे मूर्त रुप प्रदान किया।

आचार्य सत्यकाम
कुलपति

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण

प्रो. आशुतोष गुप्ता
निदेशक
विज्ञान विद्याशाखा

प्रो. सत्यपाल तिवारी
निदेशक
मानविकी विद्याशाखा

प्रो.पी.के.स्टालिन
निदेशक
शिक्षा विद्याशाखा

प्रो. संतोषा कुमार
निदेशक
समाज विज्ञान विद्याशाखा

कर्नल विनय कुमार
कुलसचिव

श्रीमती पूनम मिश्रा
वित्त अधिकारी

आमुख
Preface

किसी भी राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान होता है। तकनीकी, आर्थिक एवं सामाजिक विकास की दशा एवं दिशा इस बात पर निर्भर करता है कि उस देश के लोग कितने सुशिक्षित है। भारत सरकार ने भी अधिसंख्य युवा वाले अपने देश में इस दिशा में अनेकों प्रयास किये हैं। उच्च शिक्षा में उत्तरोत्तर बढ़ता हुआ सकल नामांकन अनुपात इस बात का द्योतक है कि सरकार का देश के कोने–कोने तक उच्च शिक्षा को पहुँचाने की दिशा में किया जा रहा सरकार का प्रयास सार्थक सिद्ध हो रहा है। प्रगति की इस रफ्तार से प्रेरित होकर केन्द्र सरकार द्वारा 2030 तक सकल नामांकन अनुपात 50 प्रतिशत तक पहुँचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे प्राप्त करने के लिये चतुर्दिक प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का सजग निर्धारण एवं अनुपालन का सतर्क प्रयास इसी दिशा में उठाया गया एक अभिनव कदम है।

भारत में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा नीति का अविर्भाव स्वातन्त्र्योत्तर काल के प्रथम चरण में ही हो गया था। आज से लगभग पाँच दशक पूर्व सन् 1962 में दिल्ली विश्वविद्यालय में पत्राचार शिक्षा विभाग की स्थापना के साथ देश में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की औपचारिक शुरुआत हुई थी। इसके अन्तर्गत देश के सभी राज्यों में कम से कम एक मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रावधान हुआ। 100 से अधिक पारम्परिक विश्वविद्यालयों ने अपनी पारम्परिक व्यवस्था के साथ–साथ दूरस्थ माध्यम में भी शिक्षण कार्य प्रारम्भ कर दिया है। आज मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान देश में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। वर्ष 2019–20 एवं 2020–21 में कोविड–19 महामारी के कारण जब समूचे विश्व में लॉक–डाउन की व्यवस्था लागू की गयी तो दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षण पद्धति ने अपनी प्रासंगिकता को सिद्ध किया। 'शिक्षा शिक्षार्थियों के द्वार तक' जैसी अवधारणा को आत्मसात् कर मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली निःसंदेह देश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों के लाखों शिक्षार्थियों के लिए आशा की किरण बन गयी है। यह प्रणाली अपने शिक्षार्थी अनुकूल स्वभाव एवं लचीली व्यवस्था के माध्यम से उच्च शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उ.प्र. राजर्शि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय भी इस दिशा में दृढ़तापूर्वक अपना कार्य कर रहा है।

महान स्वतंत्रता सेनानी एवं हिन्दी के प्रबल समर्थक भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन की स्मृतियों को अक्षुण्ण रखने के उद्देश्य से उ.प्र. सरकार ने उनके गृह नगर प्रयागराज में उनके नाम पर उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना का संकल्प लिया, जो प्रदेश शासन की अधिसूचना संख्या 2000 / सत्रह वि0 1–2 (क) 24–1998 दिनांक 2 नवम्बर 1998 द्वारा पूर्ण हुआ। आज यह उ.प्र. राज्य का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय है जो 'मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा' व्यवस्था द्वारा समाज के वंचित वर्गों, विशेषकर गृहणी महिलाओं, सेवारत व्यक्तियों एवं दूर–दराज के क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध करा रहा है। इस विश्वविद्यालय द्वारा संचालित समस्त कार्यक्रम अपने सम्बन्धित नियामक निकायों यथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (U.G.C.), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (A.I.C.T.E.), राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (N.C.T.E.), तथा भारतीय पुवर्वास परिषद् (R.C.I.), आदि से अनुमति एवं मान्यता प्राप्त हैं।

विश्वविद्यालय अपने सभी पाठ्यक्रमों का संचालन प्रदेश के कोने–कोने में फैले 12 क्षेत्रीय केन्द्रों एवं 1496 सक्रिय अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से प्रभावी ढंग से कर रहा है। हर शिक्षार्थी अपने निकटस्थ अध्ययन केन्द्र पर नामांकन करा कर परामर्श कक्षाओं एवं अन्य आधुनिक जनसंचार माध्यमों के प्रयोग से शिक्षा ग्रहण करता है। ऑनलाइन प्रवेश एवं ऑनलाइन पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराना इसकी विशेष उपलब्धियां रही हैं। भविष्य में ऑन लाइन परीक्षा आदि की भी व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संकल्प को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय कटिबद्ध है। इस दिशा में सतत् प्रयास के फलस्वरुप विश्वविद्यालय की लगभग सभी गतिविधियां ऑनलाइन हो चुकी हैं। आगे भी विश्वविद्यालय भविष्य के तकनीकी विकास के साथ कदम से कदम मिलाकर चलता रहे, ऐसा प्रयास जारी है।

विश्वविद्यालय में स्थापनाकाल से लेकर अद्यावधि तक कुल उन्नीस दीक्षान्त समारोहों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के पाँच आधार– प्रवेश, पाठ्य सामग्री, परामर्श, परीक्षा एवं परिणाम हैं। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग कर इन्हें अधिकाधिक शिक्षार्थी अनुकूल एवं प्रभावी बनाने का अनवरत प्रयास किया जा रहा है।

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम 1999 की धारा 30 (1) के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन को तैयार किये जाने का प्रावधान है। सत्र 2024–25 के लिये तैयार किये गये इस वार्षिक प्रतिवेदन के सात अध्यायों तथा नौ परिशिष्टों के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के द्वारा इस अवधि में किये गये प्रमुख क्रिया–कलापों, महत्वपूर्ण गतिविधियों, विभिन्न निकायों की स्थापना के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में किये गये प्रयासों आदि को प्रस्तुत किया गया है। आशा है कि

पाठकगण इस वार्षिक प्रतिवेदन के माध्यम से उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किये गये शैक्षणिक प्रयासों से अवगत हो सकेंगे। इसके साथ ही यह भी विश्वास है कि यह प्रतिवेदन विश्वविद्यालयीय कर्मियों के लिये प्रेरक का कार्य करते हुये उन्हें भावी विकास के उच्च आयाम स्थापित करने की दिशा में सक्रिय रूप से अभिप्रेरित कर सकेगा। वार्षिक प्रतिवेदन में सम्मिलित की गयी विभिन्न प्रकार की सूचनाओं एवं तथ्यों को समय पर उपलब्ध कराने के लिये सम्पादक मण्डल विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अनुभाग, वित्त अनुभाग, प्रवेश अनुभाग, परीक्षा अनुभाग, अध्ययन केन्द्र प्रभारी, विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशकों/ प्रभारियों एवं अन्य सभी का आभारी है। इसी क्रम में हम अपने माननीय कुलपति जी एवं विश्वविद्यालय के सम्मानित सहयोगियों का भी हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने समय–समय पर अपने बहुमूल्य सुझाव देकर हमारा मार्गदर्शन किया, जिसके फलस्वरुप ही यह प्रतिवेदन वर्तमान स्वरुप में आपके समक्ष प्रस्तुत है। यद्यपि प्रतिवेदन को तैयार करने में पर्याप्त सावधानी रखी गयी है, फिर भी इस प्रस्तुति में हुई किन्हीं त्रुटियों के लिये हम क्षमाप्रार्थी हैं।

(प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता)
संयोजक, सम्पादक मण्डल
निदेशक

अनुक्रमणिका

Index

1.	प्राक्कथन Preface	10
2.	आमुख Forword	12
3.	विश्वविद्यालय : एक सिंहावलोकन University: At a Glance	15
4.	अधिसंरचना एवं मानव संसाधन क्षमताएं Infrastructure and Human Resource Capabilities	31
5.	शैक्षणिक कार्यक्रम एवं अधिगम संसाधन Acadmic Programme and Learning Resources	40
6.	शिक्षार्थी सहायता सेवाएं Learner Support Services	52
7.	शोध परामर्श एवं प्रसार Research, Consultancy and Extension	63
8.	प्रशासन संचालन Governance	79
9.	नवाचारी व्यवहार Innovative Practices	86
10.	परिशिष्ट (1–9) Annexures	92–120

1. सिंहावलोकन

(University at a Glance)

वर्ष 1998 में दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के आधार पर प्रदेश में शिक्षा प्रदान करने हेतु उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। तब से लेकर आज तक विश्वविद्यालय सम्पूर्ण प्रदेश में शिक्षा का प्रसार कर रहा है तथा अपने उद्देष्यों की पूर्ति कर रहा है। विश्वविद्यालय ने प्रारम्भ से अब तक की अपनी 27 वर्षो की शैक्षणिक यात्रा में अनेक कीर्तिमान स्थपित कर अपना नाम सार्थक किया है। विश्वविद्यालय की लोकप्रियता एवं गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के कारण प्रतिवर्ष शिक्षार्थियों की संख्या निरंतर बढ़ती रही है। विश्वविद्यालय अपने सूत्र वाक्य ''हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा ना कोई जहाँ'' को सार्थक करते हुए, अपने लोकप्रिय कार्यक्रमों एवं सुगम उपलब्धता के कारण प्रदेश में अपनी एक सशक्त पहचान स्थापित कर चुका है। साथ ही विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष दीक्षान्त समारोह का सफल आयोजन होता रहा है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विश्वविद्यालय ई.आर.पी. विकसित कर पेपर रहित कार्य प्रणाली की ओर तीव्र गति से अग्रसर है। 07 जून 2024 को पदभार ग्रहण करने के पश्चात उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के नव नियुक्त कुलपति प्रो0 सत्यकाम ने इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के लगभग 34 वर्षो के अपने पूर्व अनुभवों का प्रयोग करते हुए विश्वविद्यालय को भारत के अग्रणी विश्वविद्यालयों की श्रृंखला में स्थान दर्ज करवाने हेतु चौमुखी प्रयास प्रारम्भ करने हेतु विश्वविद्यालय परिवार का आह्वाहन किया।

कुलपति के निर्देशन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 12बी की मान्यता, अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने हेतु सौर ऊर्जा संयत्र की स्थापना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में स्नातक एवं परास्नातक के लगभग 3500 स्वअध्ययन पाठों का लेखन और प्रकाशन, मुद्रित स्वअध्ययन सामग्री न लेने पर शिक्षार्थियों को 15 % की फीस में छूट, स्वयंप्रभा चैनल–14 के 12 कार्यक्रमों का अनुमोदन, जिसमें विश्वविद्यालय के प्रो. सत्यपाल तिवारी, प्रो.पी.के. पाण्डेय, प्रो. श्रुति, प्रो. ए.के. मलिक, प्रो.जे.पी. यादव, प्रो0 मीरा पाल, डॉ. आनन्दानंद त्रिपाठी, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ. देवेष रंजन त्रिपाठी, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, के 400 से अधिक विडियों लेक्चर्स की रिकार्डिंग, कुलपति ग्रिवांस सेल का गठन, परीक्षा में अमूल्य परिवर्तन, शिक्षार्थियों हेतु 'एकलव्य ऐप' का उद्घाटन, प्राध्यापकों के व्याख्यानों का प्रसार भारती (आकाशवाणी) द्वारा प्रसारण, लगभग 20 SLM का OER के रुप में परिवर्तन, भारतरत्न राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जी पर डाक्यूमेंन्टी, प्रतिदिन योग सत्र आदि जैसे बहुत से प्रगतोन्मुखी कार्यो का संपादन विश्वविद्यालय में कराया गया।

शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्याशाखाओं द्वारा 07 गाँवों को गोद लेकर अपने सामुदायिक दायित्वों का निर्वहन कर रहा है। इसी क्रम में महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के माध्यम से समय–समय पर गोद लिये गाँवों के प्राथमिक स्कूलों तथा आँगनबाड़ियों में विभिन्न कार्यक्रम, विश्वविद्यालय परिसर, गाँवों तथा परिसर के आस–पास पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य मेला, जल संचय अभियान, वृहद वृक्षारोपण, प्रदूषण मुक्त भारत अभियान आदि का आयोजन होता है। इस प्रकार विश्वाविद्यालय अपने शैक्षणिक, सांस्कृति, सामुदायिक गतिविधियों के दायित्वों का निर्वहन करते हुए सतत् एवं सर्वांगीण विकास की अवधारणा को पूर्ण कर रहा है।

उपरोक्त के साथ ही विश्वविद्यालय में सत्र 2024–25 की प्रमुख गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण दिनांकवार निम्नवत प्रस्तुत किया जा रहा है–

1. दिनांक 01 जुलाई 2024 को पुरूषोत्तम दास दण्डन को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सत्यकाम ने विश्वविद्यालय के 36 कर्मयोगियों को अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया।

2. दिनांक 03 जून, 2024 को श्रीमती पूनम मिश्रा ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की नियमित वित्त अधिकारी के रुप में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

3. दिनांक 04 जुलाई, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का सत्र 2024–25 की प्रवेश प्रक्रिया को समर्थ पोर्टल पर प्रारम्भ किया गया।

4. दिनांक 15 जुलाई, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के संयुक्त तत्त्वाधान में भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जी के जन्म दिवस के अवसर पर माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदी बेन पटेलजी के निर्देशानुसार तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम के आवाहन पर मुक्त विश्वविद्यालय की विद्याशाखाओं द्वारा आंगनबाड़ी संबंधी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा आंगनवाड़ी में उपस्थित महिलाओं, बच्चों, कार्यकत्रियों से परिचर्चा की गई। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र की सफाई व्यवस्था, बच्चों की सफाई, स्वास्थ्य एवं

पोषक आहार के बारे में विस्तृत जानकारी ली गई।

5. दिनांक 26 जुलाई, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा तथा टी.बी.सप्रू चिकित्सालय, बेली, प्रयागराज के संयुक्त तत्त्वाधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक प्रो0 मीरा पाल, प्रभारी निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा तथा समन्वय डॉ0 जूमी सिंह, सहायक आचार्य स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा ने किया।

6. दिनांक 01 अगस्त 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन के जन्म दिवस पर 17वें व्याख्यानमाला पुष्प का आयोजन किया गया। व्याख्यान माला के मुख्य अतिथि आचार्य त्रिभुवन नाथ शुक्ला, पूर्व अध्यक्ष हिन्दी एवं भाषा विज्ञान विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, सारस्वत अतिथि श्री अनंतविजय, वरिष्ठ पत्रकार, नई दिल्ली एवं विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, डॉ0 गौरव संकल्प, डॉ0 सोहनी देवी द्वारा लिखित पुस्तक मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम, डॉ0 साधना श्रीवास्तव द्वारा लिखित पुस्तक कहानी संग्रह रास्ते मिलिंगे तथा डॉ0 सोहनी देवी द्वारा लिखित पुस्तक आचार्य चाणक्य कौटिल्य एवं कोर्ट का विमोचन किया गया। इसके साथ ही राजर्षि टण्डन के जीवन वृत्तांत पर निर्मित वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया। जन्म दिवस समारोह में हिन्दुतानी एकेडमी के सहयोग से ख्यातिलब्ध कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

7. दिनांक 09 अगस्त 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के अन्तर्गत एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार 'सरफरोशी की तमन्ना' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो0 कुमार रत्नम, अतिरिक्त संचालक ग्वालियर चंबल संभाग उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश रहे तथा अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने की। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. सुनील कुमार सहायक आचार्य एवं सह आयोजन सचिव डॉ. सुबास चन्द्र पाल रहे।

8. दिनांक 12 अगस्त, 2024 को विश्वविद्यालय परिसर में 101 रैपिड एक्शन फोर्स के साथ माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम के नेतृत्व में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 15 अगस्त, 2024 तक राष्ट्रीयता की भावना के साथ हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत 101वी बटालियन रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम ने इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी, कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं अन्य शिक्षकों को राष्ट्रीय ध्वज प्रदान किया।

9. दिनांक 13 अगस्त, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के तत्त्वावधान में काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ के अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत प्रेरणादाई घटना क्रम एवं काकोरी के नायकों पर आधारित भारतीय स्वाधीनता में काकोरी ट्रेन एक्शन के नायकों का योगदान विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की। कार्यक्रम की सह आयोजन सचिव डॉ. सुमन सिंह सहायक आचार्य पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान रहीं तथा आयोजन सचिव डॉ. अनिल कुमार यादव रहे।

10. दिनांक 14 अगस्त, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन, शोध एवं नवाचार हेतु स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज के प्राचार्य/उपशिक्षा निदेशक श्री राजेंद्र प्रताप के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया।

11. दिनांक 14 अगस्त, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं विनीता हॉस्पिटल के मध्य स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा विनीता हॉस्पिटल के निदेशक डॉ0 बिंदु विश्वकर्मा ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया।

12. दिनांक 14 अगस्त, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा के तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में तिरंगा यात्रा रैली निकाली गई जिसका नेतृत्व माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने किया। कार्यक्रम के समन्वयक मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. सत्यपाल तिवारी रहे।

13. दिनांक 14 अगस्त, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्याशाखा के

तत्त्वावधान में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर विभाजन विभीषिका से संबंधित अभिलेख पुस्तक प्रदर्शनी एवं भारत पाकिस्तान विभाजन विभीषिका से जुड़ी डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. संतोषा कुमार रहे।

14. दिनांक 15 अगस्त, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने ध्वजारोहण किया। कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, निदेशकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

15. दिनांक 16 अगस्त, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 12 से 18 अगस्त के बीच एंटीरैगिंग सप्ताह आयोजित करने के निर्णय के अंतर्गत एंटी रैगिंग समिति द्वारा वेबीनार का आयोजन ऑनलाइन किया गया। रैगिंग मुक्त परिसर, मित्रता युक्त परिसर विषयक वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रो. सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा तथा अध्यक्ष कुलपति प्रो. सत्यकाम रहे। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी, संयोजक प्रो. विनोद कुमार गुप्त तथा समन्वयक प्रो. मीरापाल रहीं।

16. दिनांक 23 अगस्त, 2024 को कुलपति प्रो. सत्यकाम के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा एवं आर एल पी गरुणा सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, सेवा प्रदाता एजेंसी के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय में कार्यरत कुशल एवं अकुशल श्रमिकों का ई.एस.आई.सी. के चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम की समन्वयक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी प्रो. मीरा पाल रहीं।

17. दिनांक 04 सितम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जागरुकता कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम रहीं। संयोजक प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक, सह संयोजक, डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, आयोजन सचिव, डॉ. साधना श्रीवास्तव, सह आयोजन सचिव एवं मुख्य वक्ता, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी रहे।

18. दिनांक 05 सितम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 पीयूष रंजन अग्रवाल, पूर्व कुलपति, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर तथा विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मा0 कुलपति प्रो0 सत्यकाम ने की। समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी का शिक्षक दिवस पर साक्षात्कार युक्त संदेश प्रसारित किया गया।

19. दिनांक 11 सितम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 19वां दीक्षान्त समारोह विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि

प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बोधगया तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. योगेंद्र कुमार उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार एवं श्रीमती रजनी तिवारी, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार रही। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता माननीया श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने की। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने अतिथियों का स्वागत किया तथा कुलपति प्रतिवेदन एवं प्रगति आख्या प्रस्तुत की। 19वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 26 स्वर्ण पदक प्रदान किये गये, जिनमें 16 स्वर्ण पदक छात्राओं तथा 10 स्वर्ण पदक छात्रों को प्रदान किये गये। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर, 2023 तथा जून, 2024 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण 31940 शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गई, जिसमें 19096 पुरूष तथा 12844 महिला शिक्षार्थी रहें। दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने के लिये लगभग 3000 शिक्षार्थियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया।

20. दिनांक 17 सितम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर स्वच्छता पखवाड़ा समारोह का शुभारंभ कुलपति प्रो. सत्यकाम ने किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. छत्रसाल सिंह, समन्वयक डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी सह आयोजन सचिव डॉ. दीपशिखा श्रीवास्तव तथा आयोजन सचिव डॉ. त्रिविक्रम तिवारी रहे। समारोह स्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व से जुड़े वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया गया।

21. दिनांक 18 सितम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वच्छता पखवाड़ा समारोह के अन्तर्गत माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित केन्द्रीय पुस्तकालय के पास विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों के साथ अपना यथोचित श्रमदान किया।

22. दिनांक 20 सितम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत क्षेत्रीय केन्द्र, प्रयागराज द्वारा मा. कुलपति के नेतृत्व में सघन साफ सफाई अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आवासीय परिसर के निवासियों एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों,कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

23. दिनांक 23 सितंबर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के गंगा परिसर में स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम की अध्यक्षता में नालियों की सफाई का अभियान चलाया गया। अभियान के संयोजक प्रो0 सन्तोषा कुमार रहे एवं लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में कविता पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की। कार्यक्रम के समन्वयक मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. सत्यपाल तिवारी तथा संयोजक प्रो. रुचि बाजपेई रही।

24. दिनांक 24 सितंबर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो.

सत्यकाम के निर्देश पर स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं एवं क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा पौधारोपण किया गया।

25. दिनांक 26 सितंबर 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कौशल विकास जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम द्वारा की गई। कार्यक्रम में कौशल विकास के परिप्रेक्ष्य में प्रेजेंटेशन देते हुए विश्वविद्यालय कौशल विकास केन्द्र के नोडल अधिकारी डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने कौशल की विभिन्न विधाओं से संबंधित पहलुओं से परिचय कराया।

26. दिनांक 26 सितम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं सामाजिक समरसता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान का आयोजन लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के तत्त्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि एवं व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो. हरेश प्रताप सिंह, सदस्य, लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने किया। संयोजक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो. संजय कुमार सिंह, आयोजन सचिव डॉ. दिनेश सिंह, उप–निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ समन्वयक डॉ. बाल गोविंद सिंह रहे।

27. दिनांक 28 सितम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के तत्त्वावधान में विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव गोहरी के 09 भिन्न–भिन्न आँगनबाड़ियों में ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान के अन्तर्गत 'स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दिनांक 17 सितम्बर 2024 से 02 अक्टूबर 2024 ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान ''स्वाभाव स्वच्छता–संस्कार स्वच्छता'' की थीम के अंतर्गत मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम रहीं। संयोजक प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, सह संयोजक डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, आयोजन सचिव डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, सहायक प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, सह आयोजन सचिव डॉ. साधना श्रीवास्तव, सहायक प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, मुख्य वक्ता डॉ. दीपा चौबे, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र रहे।

28. दिनांक 30 सितम्बर, 2024 को विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में स्वंयप्रभा के जागरुकता कार्यक्रम सम्बन्धी ऑन लाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता मा. कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की। कार्यशाला के सह संयोजक डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, संयोजक प्रो० अजेन्द्र कुमार मलिक, स्वंयप्रभा तथा मुख्य वक्ता डॉ. ज्योत्सना दीक्षित एंव डॉ. निराधार डे, इग्नू रहे।

29. दिनांक 01 अक्टूबर 2024 को स्वच्छता सेवा अभियान 2024 के तहत क्षेत्रीय केंद्र आगरा पर कार्यरत सफाई कर्मचारी श्रीमती ललिता देवी, क्षेत्रीय केंद्र कानपुर पर कार्यरत सफाई कर्मचारी अर्चना तथा क्षेत्रीय केंद्र झांसी पर कार्यरत सफाई कर्मचारी श्रीमती मोनिका को सम्मानित किया।

30. दिनांक 02 अक्टूबर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में त्रिवेणी सामुदायिक केन्द्र, यमुना परिसर में गाँधी जयन्ती व 'स्वच्छ भारत दिवस' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम द्वारा की गई। कुलपति ने विश्वविद्यालय में कार्यरत सफाई कर्मियों एवं मालियों को उनके निष्ठापूर्वक कार्यो के संपादन हेतु सम्मानित किया। साथ ही सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत 'आत्म निर्भर भारत' विषय पर कराये गये भाषण प्रतियोगिता के विजेता को भी पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. त्रिविक्रम तिवारी तथा कार्यक्रम समन्वयक प्रो. एस. कुमार रहे।

31. दिनांक 04 अक्टूबर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा के तत्त्वावधान में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की जयंती पर लोक मंगल की अवधारणा और रामचन्द्र शुक्ल विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आचार्य योगेन्द्र प्रताप सिंह, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी ने की। संयोजक प्रो. रुचि बाजपेई, समन्वयक प्रो. सत्यपाल तिवारी सह आयोजन सचिव डॉ. अब्दुर्ररहमान फैसल तथा आयोजन सचिव डॉ. साधना श्रीवास्तव रहे।

32. दिनांक 08 अक्टूबर 2024 को क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ ने अपने केंद्र पर छात्रों के साथ दूरस्थ शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्व पर चर्चा किया। जिसके मुख्य वक्ता Capt. (Dr.) R Y S Chauhan (member of UP State VFT nominated by the Hon'ble Governor of UP) रहीं। संयोजक डॉ. निरांजलि सिंहा तथा अयोजन सचिव डॉ. अल्का वर्मा रही।

33. दिनांक 29 अक्टूबर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा के तत्त्वावधान में लौहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दौड़ का आयोजन किया गया। अध्यक्षता कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की। कार्यक्रम निदेशक प्रो. पी.के स्टालिन, संयोजक प्रो. छत्रसाल सिंह तथा आयोजन सचिव श्री परविंद कुमार वर्मा रहे।

34. दिनांक 05 नवंबर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 27वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित हुआ। स्थापना दिवस समारोह की ऑनलाइन अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने की। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह गौर जी तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री अनंत विजय रहे। स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री भारत सरकार श्री जगत प्रकाश नड्डा का वीडियो सदेंश तथा कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल का अध्यक्षीय उद्बोधन आनलाइन प्रसारित किया गया। समारोह में व्याख्यान का भी आयोजन किया गया जिसके मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एम0 पी0 दुबे रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की।

35. दिनांक 06 नवम्बर 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने सड़क सुरक्षा तथा यातायात नियमों के प्रति जनमानस में जागरूकता फैलाने के लिए सड़क सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय में गठित सेफ्टी क्लब के तत्त्वावधान में आयोजन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो. सत्यकाम ने सड़क सुरक्षा पखवाड़ा में यातायात नियमों के प्रति जन मानस में जागरूकता लाने के लिए शपथ दिलाई एवं हरी झंडी दिखाकर सड़क सुरक्षा रैली का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मा0 कुलपति प्रो. सत्यकाम ने मोटरसाइकिल चालकों को जीवन रक्षा के लिए हेलमेट लगाकर वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया। लोगों को जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किए गए।

36. दिनांक 08 नवंबर 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें पुरुष एवं महिला वर्ग में 100 मीटर दौड़, पुरुष एवं महिला वर्ग में 200 मीटर दौड़, चम्मच दौड़, 400 मीटर दौड़, पुरुष एवं महिला संवर्ग में पैदल चाल तथा पुरुष एवं महिला दोनों ही संवर्ग में अलग–अलग रस्सा कशी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम ने हरी झंडी दिखाकर किया। 100 मीटर दौड़ पुरुष संपर्क में राम प्रवेश यादव प्रथम, डॉ0 योगेश कुमार यादव द्वितीय, डॉ0 राघवेंद्र सिंह तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ महिला संवर्ग में डॉ0 नीता मिश्रा प्रथम, डॉ0 कामना यादव द्वितीय, डॉ0 कौमुदी शुक्ला तृतीय स्थान पर रहीं। 200 मी. दौड़ में

डॉ0 अनुज सिंह प्रथम, डॉ0 योगेश कुमार यादव द्वितीय, प्रो. संजय कुमार सिंह तृतीय स्थान पर रहे। 200 मीटर दौड़ महिला संवर्ग में डॉ0 नीता मिश्रा प्रथम तथा डॉ0 कामना यादव द्वितीय स्थान पर रही। चम्मच दौड़ में विश्वविद्यालय के शिक्षक वर्ग के प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जिसमें प्रो. ए. के. मलिक प्रथम, प्रो. संतोषा कुमार द्वितीय तथा डॉ0 गोपाल कृष्ण सिंह तृतीय स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ में इश्वर विश्वकर्मा प्रथम, डॉ. राघवेंद्र सिंह द्वितीय तथा डॉ. अनुज सिंह तृतीय स्थान पर रहे। पैदल चाल में राजेश पाठक प्रथम डॉ0 सुभाष पाल द्वितीय तथा डॉ0 योगेश कुमार यादव तृतीय स्थान पर रहे। पैदल चाल महिला संवर्ग में डॉ0 साधना श्रीवास्तव प्रथम, डॉ0 सोहनी देवी द्वितीय तथा डॉ0 नीता मिश्रा तृतीय स्थान पर रहीं।

37. दिनांक 10 नवम्बर 2024 को क्षेत्रीय समन्वयक बरेली, मेरठ, ग़ाज़ियाबाद डॉ0 सतेन्द्र नें इण्डियन एजुकेशन एसोसिएशन के भारतीय शिक्षक रत्न सम्मान समारोह संभल उत्तर प्रदेश को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उ. प्र. राजर्षि टंडन मुक्त वि.वि. की कार्यप्रणाली के बारे में बताया अध्ययन केन्द्र बनने, संचालन तथा विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न कोर्स के बारे में बताया।

38. दिनांक 11 नवम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा के तत्त्वावधान में मौलाना अबुल कलाम आजाद की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो. धनंजय यादव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की। इस अवसर पर कार्यक्रम के निदेशक प्रो. पी. के. स्टालिन ने सभी अतिथियों का वाचिक स्वागत तथा परविंद कुमार वर्मा समन्वयक डॉ0 रविंद्र नाथ सिंह तथा संयोजक प्रो. छत्रसाल सिंह रहे।

39. दिनांक 12 नवम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 27 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र कल्याण परिषद ने लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती की शृंखला में किया। जिसमें आयुषी त्रिपाठी ने देशभक्ति परक काव्य पाठ, डॉ. कृष्ण राज सिंह ने निर्गुण काव्य की धारा को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर चांदनी सिंह ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके साथ ही अंजली शर्मा, भव्या पांडे, श्रेया मिश्रा, सुरभि सागर, तनुश्री सिंह, सिद्धांत साहू और अंजना बनर्जी की टीम ने डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया।

40. दिनांक 14 नवम्बर, 2024 को उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं शुआट्स, प्रयागराज के संयुक्त तत्त्वावधान में 'Prospects, Challenges and Pathways to Achieve Sustainable Development Goals (ISPCPSDG)' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर, राजस्थान के माननीय कुलपति प्रो. रमेश चन्द्रा रहे। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर–निदेशक, यू. जी.सी.–एच.आर.डी.सी., बी.एच.यू., वाराणसी के निदेशक, प्रो. आनन्द वर्धन शर्मा रहे। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो. कुलदीप कुमार, सेन्टर फॉर डाटा एनालिटिक्स, बॉण्ड बिजनेस स्कूल, बॉण्ड विश्वविद्यालय, क्वींसलैण्ड, आस्ट्रेलिया रहे तथा अध्यक्षता उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी रहे। इस अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, संयोजक, प्रो. श्रुति, आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा एवं प्रो. अजीत पॉल, गणित एवं सांख्यिकी विभाग SHUATS, प्रयागराज, आयोजन सचिव, डॉ. गौरव संकल्प, सहायक आचार्य, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा, डॉ. धर्मवीर सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा, समन्वयक, श्री मनोज कुमार बलवन्त, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा, डॉ. सी.के. सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा एवं डॉ. विशाल विनसेन्ट हेनरी SHUATS, सह–समन्वयक प्रो. जे.पी. यादव एवं प्रो. ए.के. मलिक रहे। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. अनूप चतुर्वेदी, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. बेचन शर्मा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की। उद्घाटन सत्र एवं समापन सत्र के अतिरिक्त 9 समानान्तर तकनीकि सत्रों में शोध पत्र प्रस्तुत किये गये। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आस्ट्रेलिया,सिंगापुर, फ्रांस, श्रीलंका एवं भारत के विभिन्न राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, दिल्ली, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से 150 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग कर शोध पत्र प्रस्तुत किए।

41. दिनांक 22 नवम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 27वें स्थापना दिवस और सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती के उपलक्ष्य में ''दूरस्थ शिक्षा में मेरे अनुभव एवं विचार'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन आयोजित किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रोफेसर ई. वायुनन्दन जी, पूर्व कुलपति, यशवन्तराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, नासिक, महाराष्ट्र रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने की। व्याख्यान के संयोजक डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी तथा आयोजन सचिव डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी रहे।

42. दिनांक 22 नवम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा एवं विनीता अस्पताल, प्राची हास्पिटल, लाल बहादुर शास्त्री होम्योपैथिक चिकित्सालय, के.के. एक्यूप्रेशर, आशा दंत चिकित्सालय, आरोग्य भारती, प्रयागराज महानगर, काशी प्रांत एवं यश फिजियोथेरेपी सेन्टर, राजापुर, के संयुक्त तत्त्वावधान में को निःशुल्क स्वास्थ्य मेले का आयोजन सरस्वती परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. ई.वायुनन्दन, पूर्व कुलपति, यशवन्त राव चव्हाण मुक्त विश्वविद्यालय, नासिक, महाराष्ट्र थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की। मुख्य अतिथि प्रो. ई.वायुनन्दन तथा कुलपति प्रो. सत्यकाम ने सरस्वती परिसर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का उद्घाटन किया। संयोजक प्रो0 मीरा पाल, आयोजन सचिव डॉ0 जूमी सिंह तथा श्री अनुराग शुक्ला, समन्वयक श्री अमित सिंह,एवं श्री निकेत सिंह रहे।

43. दिनांक 26 नवंबर 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में संविधान दिवस कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. एम. पी. दुबे, पूर्व कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा मुख्य वक्ता प्रो. बद्री नारायण, निदेशक, गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की। कार्यक्रम में प्रो. एम. पी. दुबे द्वारा लिखित पुस्तक 'धर्म निरपेक्ष भारत : संविधान के आईने की नजर से (आजादी से अमृतकाल तक)' का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी ने आयोजन सचिव डॉ. त्रिविक्रम तिवारी रहे।

44. दिनांक 28 नवम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी के मुख्य अतिथि श्री सुनीत कुमार राय, डी. आई. जी. सीआरपीएफ, प्रयागराज, विशिष्ट अतिथि श्री अनुभव सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, प्रयागराज तथा सारस्वत अतिथि श्री मनोज कुमार गौतम, कमाण्डेट 101वाहिनी द्रुत कार्यबल रहे। कार्यक्रम के संयोजक प्रो0 श्रुति प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, सह संयोजक डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, समन्वयक डॉ0 साधना श्रीवास्तव, डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी एवं डॉ0 अतुल कुमार मिश्रा तथा अयोजन सचिव श्री राजेश गौतम, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. आर.पी. सिहं एवं डॉ. अब्दुल रहमान सह–आयोजन सचिव डॉ. स्मिता अग्रवाल, डॉ. दीपा चौबे, डॉ. दीपमाला गुप्ता एवं डॉ. सफीना सामवी रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति जी ने की। शिल्प प्रदर्शनी में हस्त कला एवं शिल्प कला से संबंधित लगभग 50

स्टॉल लगाये गये, जिसमें लाख वर्क, मण्डाला वर्क, बॉटल आर्ट, अप्पन कला, चित्रकला, फैब्रिक पेन्टिंग, कढ़ाई, क्रोशिया वर्क, हैण्ड मेड ज्वैलरी, प्रयागराज का प्रसिद्ध मूँज का कार्य, कौशाम्बी जिले का केले के पेड़ से बना सामान, होम मेड सोप, पाक कला, सेरेमिक पॉट, जूट का काम, मेंहदी कला, कालीन कला, जूट बैग, लेदर वर्क, लखनऊ चिकन कढ़ाई, क्रोशिया से बने साफ्ट खिलौने तथा परदा, होल्डर, क्रोशिया से बने परम्परागत सामान, फैब्रिक पेन्टिंग, वॉटर कलर पेन्टिंग, हाथ से बनी पूजा सामग्री, भगवान के वस्त्र, मूँज की डलिया, पेपर मैशे से बना सामान, बाटिक तथा बंधानी पेन्टिग कला, फुल्कारी तथा अन्य प्रकार की कढ़ाई आदि के स्टॉल महिलाओं द्वारा ही लगाये गये। उक्त प्रदर्शनी में प्रयागराज मण्डल की लगभग 100 से अधिक आँगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने भी प्रतिभाग किया तथा महिलाओं से हस्तकला एवं शिल्प कला के हुनर को सीखा।

45. दिनांक 03 दिसम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन में विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक प्रो. पी0 के0 स्टालिन के निर्देशन में शिक्षा विद्याशाखा एवं बचपन डे केयर सेंटर प्रयागराज के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्व दिव्यांग दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन सचिव डॉ. नीता मिश्रा रहीं।

46. दिनांक 23 दिसम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सुशासन सप्ताह के अंतर्गत अटल जन्मोत्सव पर हिंदुस्तानी एकेडमी के सहयोग से काव्य संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सुनीत राय, डी.आई.जी.रेंज, सी.आर.पी.एफ., प्रयागराज, तथा श्री मनोज गौतम कमांडेंट आर ए एफ रहे।

आयोजन सचिव डॉ. साधना श्रीवास्तव रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम ने की।

47. दिनांक 24 दिसम्बर, 2023 को विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्रयागराज में अटल सुशासन सप्ताह के अंतर्गत अटल बिहारी बाजपेई की सौवीं जयंती के अवसर पर लोकतंत्र में नैतिक मूल्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्री मिथिलेश नारायण, क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख, पूर्वी उत्तर प्रदेश, लखनऊ एवं विशिष्ट अतिथि श्री राधा कांत ओझा, वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज रहे। संगोष्ठी की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की। संयोजक अटल सुशासनपीठ के निदेशक प्रो. पी0 के0 पाण्डेय ने तथा समन्वयक समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. एस. कुमार, आयोजन सचिव डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी एवं सह आयोजन सचिव डॉ. त्रिविक्रम तिवारी रहे एवं अध्यक्षता कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की।

48. दिनांक 25 दिसम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अटल बिहारी बाजपेई सुशासन पीठ के तत्त्वावधान में भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी बाजपेई का सौवां जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर सरस्वती परिसर में अटल प्रेक्षागृह के समीप अटल बिहारी बाजपेई की प्रतिमा की स्थापना की गई जिसका अनावरण राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल के संरक्षकत्व में कुलपति प्रो. सत्यकाम ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के स्वास्थ्य कल्याणार्थ प्राची अस्पताल से समझौता ज्ञापन पत्र पर कुलपति प्रो. सत्यकाम की मौजूदगी में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने एवं अस्पताल प्रबंधन ने हस्ताक्षर किया। इसके साथ ही कुलपति प्रो. सत्यकाम ने प्रवेश सत्र जनवरी 2025 से कुम्भ अध्ययन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम के संचालन संबंधी घोषणा की।

49. दिनांक 30 दिसम्बर 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा दो दिवसीय निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन अमित सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन अनुराग शुक्ला ने किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. संतोष मिश्रा ने प्राथमिक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं और तकनीकों पर व्यावहारिक जानकारी दी।

50. दिनांक 03 जनवरी, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति के निर्देशानुसार कुम्भगाइड प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय आयोजित की गयी। कार्यशाला की मुख्य प्रशिक्षक उषा कुशवाहा, भारत स्काउट एंड गाइड रही। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने की। कार्यशाला के समन्वयक प्रो0 विनोद कुमार गुप्त तथा कार्यक्रम का संचालन प्रो0 छत्रसाल सिंह ने तथा आयोजन सचिव डॉ. दिनेश सिंह रहे।

51. दिनांक 10 जनवरी, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सेक्टर 7, अनंत माधव मार्ग, महाकुंभ नगर में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर को माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने सपत्नीक विधिवत मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने महाकुम्भ मेला के सकुशल आयोजन की मां गंगा से कामना की। दूरस्थशिक्षा जागरूकता शिविर के नोडल अधिकारी डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया तथा आयोजन सचिव डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र रहे।

52. दिनांक 18 जनवरी, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महाकुंभ मेला क्षेत्र में अनंत माधव मार्ग सेक्टर 7 महाकुंभ नगर स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में महाकुंभ में दूरस्थ शिक्षा की प्रासंगिकता विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह के विशिष्ट अतिथि दूरदर्शन मुख्यालय प्रसार भारती में पूर्व अपर महानिदेशक लीगल श्री एस0 सी0 मिश्रा रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की। माननीय कुलपति ने विश्वविद्यालय के वरिष्ठतम कर्मचारी श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव को सम्मानित किया। महाकुंभ में कुम्भ अध्ययन में प्रमाण पत्र में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय ने अभियान चलाया। दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के पूर्व निदेशक को पहला विद्यार्थी बनाया गया। नोडल अधिकारी डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया रहे। माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

53. दिनांक 20 जनवरी 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने महाकुंभ के महत्व और भव्यता से जनमानस को जागरूक करने के लिए कुम्भ अध्ययन पर 6 माह का प्रमाणपत्र कार्यक्रम तैयार किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने महाकुंभ नगर में प्रदेश की माननीया राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदी बेन पटेल को कुम्भ अध्ययन से संबंधित नए प्रमाणपत्र मे ंप्रवेश प्रारंभ करने के बारे में बताया और इससे सम्बन्धित पाठ्य सामग्री भेंट की।

54. दिनांक 22 जनवरी 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा के तत्त्वावधान में बदलते शैक्षिक परिदृश्य मे ंमानवीय मूल्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित

लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया है। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. पी0 के0 साहू, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं बीज वक्ता प्रो. अरविंद कुमार झा, आचार्य, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली रहे। संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की। संगोष्ठी के संयोजक प्रो. छत्रसाल सिंह समन्वयक शिक्षा विभाग के निदेशक प्रो. पी.के. स्टालिन, आयोजन सचिव डॉ. बालगोविंद सिंह तथा समन्वयक डॉ. दिनेश सिंह, सह–आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा रहे।

55. दिनांक 21 – 22 जनवरी को राजभवन में प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों से चयनित प्रतिभागियो को विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। 22 जनवरी को हुई कविता पाठ प्रतियोगिता में आयुषी त्रिपाठी एम. ए. हिंदी प्रथम वर्ष की छात्रा को विभिन्न विश्वविद्यालयों के 18 प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्हें माननीया राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल ने प्रमाणपत्र एवं रानी पद्मावती के जीवन पर आधारित पुस्तक प्रदान की।

56. दिनांक 25 जनवरी, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. संतोषा कुमार संयोजक डॉ. त्रिविक्रम तिवारी तथा आयोजन सचिव डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी रहे।

57. दिनांक 26 जनवरी 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गणतंत्र दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम ने ध्वजारोहण किया। कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ एवं बधाइयाँ दी।

58. दिनांक 01 मार्च, 2025 को महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र द्वारा दहेज प्रथा उन्मूलन, बाल विवाह पर प्रतिबंध, विकसित भारत की संकल्पना, वृद्धाश्रम की जरुरत क्यों है? तथा कृषि क्षेत्र में महिलाओं का योगदान विषयों पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, आयोजन सचिव डॉ. साधना श्रीवास्तव एवं कार्यक्रम निदेशक प्रो0 श्रुति प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र रहे। इनमें दहेज प्रथा उन्मूलन विषय में क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान मुकेश दुबे, शोध छात्र, भूगोल, अनुराग, शोध छात्र, इतिहास, बाल विवाह पर प्रतिबंध विषय में प्रथम स्थान पारूल श्रीवास्तव, शोध छात्र, पत्रकारिता एवं जनसंचार, विकसित भारत की संकल्पना विषय में प्रथम स्थान वत्सल श्रीवास्तव, शोध छात्र, पत्रकारिता एवं जनसंचार एवं द्वितीय स्थान सचिन कुमार यादव, शोध छात्र, भूगोल, वृद्धा आश्रम की जरूरत क्यों है? विषय में प्रथम स्थान दिलीप श्रीवास्तव, शोध छात्र, राजनीति विज्ञान, द्वितीय स्थान अभिषेक सिंह, शोध छात्र, पत्रकारिता एवं जनसंचार तथा कृषि क्षेत्र में महिलाओं का योगदान विषय में प्रथम स्थान अजीत, शोध छात्र, राजनीति विज्ञान को प्राप्त हुआ।

59. दिनांक 05 मार्च, 2025 को प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदी बेन पटेल की अध्यक्षता में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ में 'रैंकिंग उन्नयन– 2025' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय की ओर से प्रो0 आशुतोष गुप्ता, प्रो0 श्रुति, प्रो0 जे0पी0 यादव, प्रो0 मीरा पाल एवं कर्नल विनय कुमार ने प्रतिभाग किया।

60. दिनांक 07 मार्च, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा द्वारा माननीया कुलाधिपति एवं राज्यपाल के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम की प्रेरणा से मानविकी विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी के मार्गदर्शन में सामाजिक कुरूतियों के अन्तर्गत 'दहेज मुक्त भारत' एवं 'नशा मुक्त भारत' की प्रतिज्ञा कार्यक्रम कुलसचिव कर्नल विनय कुमार की उपस्थिति में शपथ दिलाई गयी। साथ ही कृषि विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव लेहरा तिवारीपुर के कम्पोजिट विद्यालय लेहरा, सोराव में डॉ. शिवेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. शैलेन्द्र कुमार सिंह एवं श्री रामलखन कुशवाहा की उपस्थिति में 'दहेज मुक्त भारत' एवं 'नशा मुक्त भारत' की प्रतिज्ञा की शपथ विद्यालय के शिक्षको ंअभिभावकों, बच्चों व ग्रामीण लोगो ंको दिलाई गयी। इसी क्रम में विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिए गाँव गोहरी के अन्तर्गत पी.एम.श्री प्राथमिक विद्यालय मोहनगंज सोराव एवं कोलेकेटेड आँगनवाड़ी केन्द्र पर दहेज मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा एवं नशा मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा की शपथ दिलाई गयी। इसके साथ ही प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केन्द्रों प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, आजमगढ़, अयोध्या, आगरा, मेरठ, नोएडा, कानपुर एवं झांसी केन्द्रों पर आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में छात्रों ने दहेज मुक्त भारत एवं नशा मुक्त भारत की प्रतिज्ञा की शपथ ली।

61. दिनांक 7 मार्च, 2025 को राज्यपाल सचिवालय द्वारा दिए गए निर्देश के अनुपालन में विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्याशाखा के तत्त्वाधान में पढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े विश्वविद्यालय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय कैंपस समस्त क्षेत्रीय केंद्र एवं समस्त विद्याशाखाओं द्वारा गोद लिए गए गांव के विद्यालय में कार्य समस्त शैक्षणिक/गैर शैक्षणिक कर्मचारीगण, छात्र–छात्राओं एवं उनके अभिभावकगण एक साथ यथास्थान

(केंद्रीय पुस्तकालय, सरस्वतीपरिसर, समस्त क्षेत्रीय केंद्र एवं गोद लिए गए गांव के विद्यालय) पर पुस्तक का पाठ कराया गया। इसी क्रम में कृषि विज्ञान विद्याशाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के संयुक्त तत्त्वावधान में में कृषि विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गये गाँव लेहरा के कम्पोजिट विद्यालय में पुस्तक पाठन का कार्य कराया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो0 श्रुति, सह आयोजन सचिव डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, आयोजन सचिव डॉ. आर.पी.सिंह सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र तथा कृषि विज्ञान विद्याशाखा के सहायक आचार्य डॉ0 प्रमोद कुमार सिंह रहे।

62. दिनांक 13 मार्च 2025 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता और उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

63. दिनांक 20–21 मार्च, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्त्वावधान में हिंदी के विकास में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषा के योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि संस्कृत के प्रकांड विद्वान प्रो. हरिदत्त शर्मा, विशिष्ट अतिथि सरस्वती पत्रिका के संपादक रविनंदन सिंह रहे। विषय प्रवर्तन काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. प्रभाकर सिंह जी ने तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने की। कार्यक्रम के संयोजक साहित्य अकादमी के श्री अजय शर्मा आयोजन सचिव डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी एवं समन्वयक प्रो. एस. कुमार रहे। समापन सत्र में मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. मुन्ना तिवारी एवं मुख्य वक्ता सहायक सम्पादक, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली अजय कुमार शर्मा रहे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की।

64. दिनांक 22 मार्च, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्वविद्यालय एवं इसके क्षेत्रीय केंद्रों व अध्ययन केन्द्रों में स्वयं–एनपीटीईएल पाठ्यक्रमो का एकीकरण एवं क्रियान्वयन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के मुख्य वक्ता आई.आई.टी. कानपुर, प्रोफेसर अंगना सेन गुप्ता रहीं तथा आध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम ने की। कार्यशाला के संयोजक नोडल अधिकारी प्रो० ए0 के0 मलिक समन्वयक डॉ0 ज्ञानप्रकाश यादव तथा आयोजन सचिव डॉ0 सी0 के0 सिंह रहे।

65. दिनांक 25–26 मार्च 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में महाकुंभ : सनातनमूल्य के माध्यम से मानव जीवन में परिवर्तन विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति प्रो. बिहारीलाल शर्मा, विशिष्ट अतिथि प्रो. शिशिर कुमार पांडेय, कुलपति, जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट तथा श्री राजेश प्रसाद, निदेशक, इलाहाबाद संग्रहालय, प्रयागराज एवं बीज वक्तव्य प्रो. शिव कुमार द्विवेदी, पूर्व कुलपति, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ रहे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की। अतिथियों का स्वागत डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, संचालन डॉ0 गौरवसंकल्प एवं कार्यक्रम के बारे में तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जी. के. द्विवेदी ने किया। समापन सत्र के

मुख्य अतिथि प्रो. कृष्ण बिहारी पांडेय, पूर्व अध्यक्ष, लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश तथा पूर्व कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर रहे तथा अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की।

66. दिनांक 26 मार्च 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज को प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा 12 (बी) का दर्जा प्रदान किया गया।

67. दिनांक 02 अप्रैल, 2025 को भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में अग्रणी, बैंकऑफ़ बड़ौदा के प्रयागराज क्षेत्र के उ0प्र0राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय शाखा का नए परिसर में स्थानांतरण हुआ। शाखा के नए परिसर का उद्घाटन उ0प्र0 राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, के विपणन एवं ब्रांडिंग प्रमुख श्री वी.जी. सेंथिल कुमार, लखनऊ अंचल के अंचल प्रमुख श्री समीर रंजन पंडा के कर–कमलों से हुआ। इस शाखा का वर्चुअल उद्घाटन पूर्व में उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल ने किया था। उद्घाटन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा, कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, आर.ए.एफ़. के श्री मनोज गौतम और बैंक ऑफ़ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रमुख (प्रयागराज–II) श्री चंद्रकांत चक्रवर्ती, क्षेत्रीय प्रमुख (प्रयागराज) श्री अरूण कुमार गुप्ता, आरबीडीएम श्री अरविंद श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रबन्धक श्री अनुभव यादव उपस्थित रहे।

68. दिनांक 03–04 अप्रैल, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज सेंटर फार ऑनलाइन एजुकेशन के तत्त्वावधान में स्वयंप्रभा के लिए वीडियो सामग्री विकसित करने पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के रिसोर्स पर्सन एवं मुख्य वक्ता, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से आए डॉ0 निराधर डे तथा डॉ. ज्योत्सना दीक्षित रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 ज्ञानप्रकाश यादव तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 दिनेश कुमार गुप्ता ने किया। दिनांक 4 अप्रैल 2025 को सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन द्वारा ''डेवलपिंग वीडियो कंटेंट फॉर स्वयं प्रभा'' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस का आयोजन छठे सत्र से प्रारंभ हुआ जिसका विषय 'वीडियो रिकार्डिंग के लिए सामग्री विकसित करने पर व्यावहारिक सत्र' रहा। समापन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की।

69. दिनांक 13 अप्रैल, 2025 को भारतरत्न डॉ० भीमराव अम्बेडकर जी 134 वी जयंती की पूर्वसन्ध्या समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्त्वाधान में एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार 'भारतीय संविधान पर विमर्श' का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता श्री मुकेश मिश्रा (से नि) न्यायाधीश एवं पूर्व सदस्य उ०प्र० लोक सेवा आयोग, प्रयागराज थे। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. संजय कुमार सिंह, आचार्य, भूगोल, समन्वयक प्रो० सन्तोषा कुमार तथा आयोजन सचिव डॉ0 सुनील कुमार, सहायक आचार्य, समाज विज्ञान विद्याशाखा रहे।

70. दिनांक 16 अप्रैल, 2025 को शोध एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा सत्र 2024–25 के सापेक्ष प्रथम चरण में प्री–पीएच.डी.

कोर्स वर्क के कुछ महत्वपूर्ण प्रकरणों को दृष्टिगत रखते हुए पी–एच.डी. प्रवेश 2024–25 के प्रवेशित अभ्यर्थियों, पूर्व के पंजीकृत शोधार्थियों तथा शोध पर्यवेक्षकों हेतु अलग–अलग विषयो पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन विश्वविद्यालय के सरस्वती परिषद स्थित तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित किया गया। Research and Research Process विषय के मुख्य वक्ता इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पूर्वनिदेशक, नियोजन एवं विकास के प्रोफेसर पंकज खरे, Essentials of Research विषय के मुख्य वक्ता इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रोफेसर सुदीप झा तथा Understanding Research & Qualitative Approaches of Research विषय के मुख्य वक्ता इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की सुश्री पूनम भूषण रही।

71. दिनांक 23 अप्रैल, 2025 को विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा ''बीमा सखी पद पर चयन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारतीय जीवन बीमानिगम के शाखा प्रबंधक सौरभ जैन ने सभी चयनित कैंडिडेट्स को प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने की। अतिथियों का स्वागत डॉ0 सत्येंद्र कुमार द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री मनोज कुमार बलवंत द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्लेसमेंट सेल प्रभारी डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कुल 128 छात्रों द्वारा पंजीकरण कराया गया।

72. दिनांक 25 अप्रैल, 2025 को दिनांक 4 अप्रैल 2025 को क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय प्रयागराज के सहयोग से रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न क्षेत्रों की 13 कंपनियों ने प्रतिभाग किया। उक्त मेले में निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा विभिन्न रिक्त पदों पर चयन की कार्यवाही की गयी। रोजगार मेले में कुल 445 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। सभी कंपनियो मे ंकुल 249 अभ्यर्थी चयनित हुए। मेले का उद्घाटन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो. सत्यकाम एवं सेवायोजन कार्यालय, प्रयागराज के सहायक निदेशक श्री राजीव कुमार यादव ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी प्लेसमेंटसेल डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव ने किया।

73. दिनांक 30 अप्रैल 2025 को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई.सी.सी.आर.), रूट्स 2 रूट्स और उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने आई.सी.सी.आर. मुख्यालय, आज़ाद भवन, नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर हस्ताक्षर आई.सी.सी.आर. की कार्यक्रम निदेशक, श्रीमती अर्चना शर्मा; रूट्स 2 रूट्स के संस्थापक, श्री राकेश गुप्ता और उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलसचिव, कर्नल विनय कुमार द्वारा किए गए।

74. दिनांक 02 मई, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित की गई। उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन से प्राप्त अनुदान से विश्वविद्यालय में 230 किलोवाट के सौर ऊर्जा संयंत्र के सफल इंस्टालेशन के उपरांत माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदी बेन पटेल जी के संरक्षकत्व में कुलपति प्रो. सत्यकाम ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा के साथ इसकी विधिवत घोषणा की।

75. दिनांक 07 मई, 2025 से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के परिप्रेक्ष्य में माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के निर्देश पर गंगा परिसर में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों द्वारा योगाभ्यास प्रारम्भ किया गया।

76. दिनांक 15 मई, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के परिप्रेक्ष्य में माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के निर्देश पर 'Yoga for One Earth One Health' का आयोजन कृषि विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव तिवारीपुर, लेहरा के कम्पोजिट विद्यालय लेहरा, सोरांव में कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि के संयुक्त तत्त्वावधान से किया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो0 श्रुति, सह आयोजन सचिव श्री अमित सिंह एवं डॉ. अनिल कुमार यादव तथा आयोजन सचिव डॉ. आर.पी.सिंह सदस्य महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र तथा कृषि विज्ञान विद्याशाखा के सहायक आचार्य डॉ0 प्रमोद कुमार सिंह रहे।

77. दिनांक 17 मई, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के परिप्रेक्ष्य में माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के निर्देश पर विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा ने योग कार्यक्रम के अंतर्गत "Yoga for One Earth and One Health' थीम पर ऑनलाइन मोड में योग सत्र का आयोजन किया गया।

78. दिनांक 02 जून, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर विरासत से विकास : योग की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रो. ईश्वरशरण विश्वकर्मा, पूर्व आचार्य, प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज रहे। अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एस. कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा एवं आयोजन सचिव डॉ. सुनील कुमार रहे।

79. दिनांक 05 जून, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस के वैश्विक थीम 'Ending Plastic Pollution Globally' का आयोजन विज्ञान विद्याशाखा एवं कृषि विज्ञान विद्याशाखा के संयुक्त तत्त्वावधान में किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, संयोजक प्रो. श्रुति, प्रभारी निदेशक कृषि विज्ञान एवं प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द, आयोजन सचिव डॉ. धर्मवीर सिंह एवं सह आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. संतोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा ने की।

80. दिनांक 09 जून, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्त्वावधान में रोग निवारण में योग, वैज्ञानिक शोध एवं निष्कर्ष विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय वेबीनार मुख्य वक्ता वैज्ञानिक एफ, आईसीएमआर नई दिल्ली, डॉ. नीता कुमार जी रही तथा अध्यक्षता कुलपति आचार्य सत्यकाम जी ने की। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एस. कुमार तथा आयोजन सचिव अमित कुमार सिंह रहे।

81. दिनांक 19 जून, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर योग मैराथन : स्वस्थ समाज की ओर बढ़ते कदम का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने गंगा परिसर से योग मैराथन में प्रतिभाग कर रहे विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मैराथन विभिन्न मार्गों से होते हुए विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में समाप्त हुई।

82. दिनाँक 19 जून, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के संयुक्त तत्त्वाधान में 'Yoga: Inclusion of Knowledge and Experience' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वकता डॉ. भदन्त राहुल बोधि, योग विशेषज्ञ, सर्वोदय महाबुद्व विहार, मुम्बई, रहे साथ ही वेबिनार में प्रोफेसर एलेना हासकोवा, शिक्षा संकाय, कान्स्टन्टाइन द फिलासफर विश्वविद्यालय, स्लोवाकिया, श्री सुरेश चन्द्र शुक्ला अध्यक्ष, भारतीय नार्वेजियन सूचना एवं सांस्कृतिक फोरम ओसलो नार्वे, प्रोफेसर लाल बिहारी हिन्दी विभाग, एम.जी. आई., मारीशस विश्वविद्यालय, मारीशस, डॉ0 मनोज कुमार सिंह योगा विशेषक, गोचर महाविद्यालय, सहारनपुर, प्रोफेसर विजय जयसवाल शिक्षा संकाय, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, प्रोफेसर पी0 के0 साहू पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर सत्यकाम माननीय कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,

प्रयागराज ने की। कार्यक्रम के संयोजक प्रो0 पी0के0 स्टालिन तथा आयोजन सचिव प्रोफेसर मीरा पाल प्रभारी निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा रही।

83. दिनांक 19 जून, 2025 को 'मानव जीवन मे ं योग की उपयोगिता' शीर्षक के अंतर्गत निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय मे ं किया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सत्यपाल तिवारी, आयोजन सचिव डॉ. अतुल कुमार मिश्रा रहे। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम विशाल भारती, द्वितीय महिमा शुक्ला एवं तृतीय रमन वर्मा एवं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम रागिनी, द्वितीय इंद्रभान एवं तृतीय विशाल भारती को मिला। साथ ही मानविकी विद्याशाखा के तत्त्वावधान में ''सामूहिक सूर्य नमस्कार : ऊर्जा एवं एकाग्रता का अनुभव'' विषयान्तर्गत योग कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के गंगा परिसर मे ंकिया गया।

84. दिनांक 20 जून, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्त्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग के अनुपालन में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन (गंगा परिसर) में योग से स्वास्थ्य की प्रेरणा हेतु साइकिल यात्रा का आयोजन किया गया। साइकिल यात्रा को प्रातः 8:00 बजे विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साइकिल यात्रा गंगा परिसर से प्रारंभ हुई। साइकिल यात्रा योग का संदेश देते हुए शांतिपुरम के विभिन्न मार्गो से होती हुई विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में समाप्त हुई।

85. दिनांक 20 जून, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर प्रकृति का महत्वः एक ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी का आयोजन विज्ञान विद्याशाखा के तत्त्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की थीम पेड़ों की उपयोगिता रही। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की। कार्यक्रम संयोजक प्रो. जय प्रकाश यादव, विज्ञान विद्याशाखा रहे।

86. दिनांक 21 जून, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस वर्ष की थीम "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य" को केंद्र में रखते हुए यह आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्त्वावधान में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने की। योग दिवस समारोह में मानव जीवन में योग की उपयोगिता विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम विशाल भारती, द्वितीय महिमश शुक्ला एवं तृतीय रमन वर्मा एवं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम रागिनी, द्वितीय इंद्रभान एवं तृतीय विशाल भारती को कुलपति प्रो. सत्यकाम ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने सपरिवार सूर्य नमस्कार तथा योग दिवस के प्रोटोकॉल का पालन किया।

2. अधिसंरचना एवं मानव संसाधन क्षमताएं

(Infra structure and Human Resource Capabability)

(क) भौतिक अधिसंरचना (Physical Infrastructure)–

प्रयाग, भारत देश के हृदय रुपी सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य उत्तर प्रदेश की एक पावन तीर्थ नगरी है। जहाँ गंगा, यमुना एवं सरस्वती का पवित्र संगम होता है। ज्ञान और कौशल के चतुर्दिक प्रचार–प्रसार तथा उसे जनसुलभ बनाने के उद्देश्य से यहाँ स्वनाम धन्य समाज सेवी, मनीषी एवं राष्ट्रभक्त पुरूषोत्तम दास टण्डन जी के नाम से सुविख्यात उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना 'हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ' के सूक्त वाक्य को चरितार्थ करने के लिए हुई। यह विश्वविद्यालय सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत सामान्य कार्यक्रमों के साथ साथ रोजगारपरक कौशल विकाश पर आधारित लोकप्रिय शैक्षिक कार्यक्रमों को भी संचालित कर रहा हैं। प्रदेश में उच्च शिक्षा की सर्वसुलभता प्रयासों को दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से सार्थक दिशा प्रदान करना एवं छात्र/छात्राओं में ज्ञानार्जन के साथ ही साथ नेतृत्व क्षमता का विकास विकास करना इसके प्रमुख उद्देश्य रहे हैं जिन्हें पूरा करने की दिशा में यह विश्वविद्यालय निरन्तर अग्रसर है।

सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में इस विश्वविद्यालय ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को सार्थक करने की दृष्टि से एवं शिक्षार्थियों हेतु शिक्षा को सुगम बनाने हेतु अब तक बारह क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, गाजियाबाद, कानपुर, झाँसी एवं अयोध्या में स्थापित किए गये है। इन क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा लगभग 1496 अध्ययन केन्द्रों को संचालित किया जाता है। इन क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से मुक्त विश्वविद्यालय न केवल प्रशासनिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों को कुशलतापूर्वक संचालित कर रहा है वरन् 'छात्र–सहायता सेवाओं' एवं 'नवाचारी व्यवहार' जैसी सहायक क्रियाओं के संचालन में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय उ0प्र0 राज्य के प्रयागराज जनपद में, मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम वनगमन मार्ग पर स्थित फाफामऊ नामक उपनगर में स्थापित है। मुख्यालय की विभिन्न गतिविधियां इसके तीन अलग–अलग परिसरों (गंगा परिसर, यमुना परिसर एवं सरस्वती परिसर) से संचालित है। विश्वविद्यालय के पास कुल परिक्षेत्र 64192.12 वर्ग मीटर के क्षेत्र में 12571.67 वर्ग मीटर का क्षेत्र निर्माण कार्य हो चुका है। विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों में सौर ऊर्जा संयंत्र 240 किलोवाट ऑनग्रिड रूफटॉफ सोलर सिस्टम की स्थापना मा0 श्री राज्यपाल उ0प्र0 एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के संरक्षकत्व एवं मा0 कुलपति आचार्य सत्यकाम की गरिमामयी उपस्थिति में हुई।

गंगा परिसरः–

विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर के नाम से जाना जाता है। गंगा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन से विश्वविद्यालय के समस्त प्रशानिक कार्य संचालित एवं नियंत्रित किये जाते है। इसी भवन में कुलपति कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय,

वित्त अधिकारी कार्यालय, परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, उप कुलसचिव कक्ष आदि स्थित हैं। विश्वविद्यालय के प्रमुख अनुभाग तथा प्रवेश प्रकोष्ठ, विधि प्रकोष्ठ, अध्ययन केन्द्र प्रकोष्ठ, मीडिया प्रकोष्ठ, अनुरक्षण प्रकोष्ट, तकनीकी प्रकोष्ठ आदि इसी परिसर में अवस्थित है। प्रशासनिक भवन में ही आधुनिक संसाधनो से सुसज्जित समिति कक्ष है जिसमें विश्वविद्यालय की कार्य परिषद, विद्या परिषद, मान्याता बोर्ड, योजना बोर्ड, वित्त समिति आदि उच्च स्तरीय बैठकों का आयोजन किया जाता है। गंगा परिसर में ही योग एवं फिटनेस सेन्टर की स्थापना की गयी हैं। इसी परिसर के एक भाग में कैण्टीन एवं एक भाग में आधुनिक सुविधाओं से युक्त विश्वविद्यालय अतिथि गृह स्थित है जिसमें अतिथियों के ठहरने की उत्तम व्यवस्था के साथ ही डायनिंग हाल एवं वी0 आई0 पी0 कक्ष की सुविधा भी प्रदान की गयी हैं। अतिथि गृह के समीप ही मीडिया सेन्टर स्थापित है जिससे आधुनिक संचार सेवाओं की सुविधा के साथ ही वाई–फाई की सुविधा भी प्रदान की गयी है। गंगा परिसर के ही एक भाग में कुलपति आवास सहित विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की आवासीय व्यवस्था की गयी है। वर्ष 2024–25 में विश्वविद्यालय द्वारा नवनिर्मित भवन में बैंक ऑफ बड़ौदा ने पूर्ण शाखा का लोकार्पण मा0 कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उ0 प्र0 श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा किया गया।

अन्य संसाधनों में भारतीय डाकघर तथा स्वास्थ केन्द्र की अत्युत्तम व्यवस्था के साथ ही एक अलग प्रसाधन गृह का भी निर्माण कराया गया है जिसका लाभ विश्वविद्यालय के स्टाफ तथा अध्ययरत छात्र–छात्राओं को मिल रहा है। इसके साथ ही प्रशासनिक भवन के प्रथम तल पर कार्यालयीय उपयोग के लिए अतिरिक्त विशाल कक्षों का निर्माण कराया गया है। गंगा परिसर को स्वच्छ एवं हरा भरा बनाए रखने के लिए सफाई अभियान के साथ ही वृक्षारोपण अभियान भी चलाया जा रहा है। ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए गंगा परिसर में सोलर लाईट की व्यवस्था की गयी है। केन्द्र सरकार ने स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने की दिशा पिछले वर्ष से नव स्थापित क्षेत्रीय केन्द्र विश्वविद्यालय का यह सक्रिय प्रयास सराहनीय है।

विश्वविद्यालय के भूखण्डों का क्षेत्रफल का विवरण:

क्र.सं.	भवन का नाम	क्षेत्रफल (एकड़ में)	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर में)
1.	गंगा एवं सरस्वती परिसर	9.84	39821.07
2.	यमुना परिसर	5.5	22267.11
3.	क्षेत्रीय केन्द्र, बरेली	0.273	1106.10
4.	क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ	0.247	1000.48
5.	क्षेत्रीय केन्द्र, कानपुर	0.337	1362.00
	कुल क्षेत्रफल	**16.197**	**65556.76**

सरस्वती परिसर :–

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक क्रियाकलापों को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से सरस्वती परिसर में एक शैक्षणिक भवन बनाया गया है। सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन में मुख्य रूप से परामर्श कक्षाएं परीक्षाएं, सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। तीन मंजीले इस भवन में शिक्षा विद्याशाखा, मानविकी विद्याशाखा, समाज विज्ञान विद्याशाखा, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा, विज्ञान विद्याशाखा, स्वास्थ विज्ञान विद्याशाखा एवं व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा स्थित है। इन सभी विद्याशाखाओं से सम्बन्धित शैक्षिक कार्यक्रम एवं उनकी परामर्श कक्षाएं सरस्वती परिसर में ही संचालित की जाती है। परामर्श कक्षाएं विद्याशाखाओं में नियुक्त कुशल एवं विद्वान शिक्षकों द्वारा आयोजित की जाती है। इस वर्ष भारतरत्न भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई की जयंती पर मा0 कुलपति जी द्वारा उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया। यह प्रतिमा अटल प्रेक्षागृह में स्थित है।

भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी बाजपेयी की मूर्ति का अनावरण मा0 कुलपति आचार्य सत्यकाम एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी/सदस्यगण द्वारा किया गया।

सरस्वती परिसर में ही केन्द्रीय पुस्तकालय भवन स्थित है, जिसे याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के नाम से जाना जाता है। इस ग्रन्थालय में उत्कृष्ट पुस्तकों का संग्रह है और विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन के लिए यहां उच्च कोटि की वैचाारिक पत्र–पत्रिकाएं उपलब्ध है। याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के भूतल पर आडियो–विजुवल लैब की स्थापना की गयी है। द्वितीय तल पर अत्याधुनिक हाल का निर्माण कराया गया है। शोध अनुभाग अपनी महत्वपूर्ण गतिविधियों का संचालन सरस्वती परिसर मे ही करता है। यह अनुभाग पी0एच0डी0डिग्री हेतु नामांकित शोधार्थियों के शोध कार्य की प्रगति आख्या प्राप्त करने, उसकी समीक्षा तथा तत्सम्बन्धी आवश्यक मौखिक परीक्षा आदि सम्बन्धित कार्य का निष्पादन करना है। इस परिसर में अत्याधुनिक संसाधनों से परिपूर्ण लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार का निर्माण कराया गया है। इस सभागार में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशालाओं, बौद्धिक विचार संगोष्ठियों, लेखन प्रतियोगिताओं, भाषण प्रतियोगिताओं तथा अन्य पाठ्य–सहगामी क्रियाओं का आयोजन किया जाता है। परिसर को स्वच्छ भारत के अर्न्तगत पर्यावरणीय दृष्टि से भी हरा–भरा किया गया है। विश्वविद्यालय मे आने वाला प्रत्येक अतिथि द्वारा पौधारोपण की परम्परा प्रारम्भ किए जाने से परिसर में चारों तरफ छायादार वृक्ष विकसित हो रहे है जिससे पर्यावरण शिक्षण को बढावा मिला है। यहाँ सोलर लाईट एवं सी0सी0टी0वी0 कैमरे की व्यवस्था सहित स्मार्ट कम्प्यूटर लैब, कुलाधिपति कक्ष आदि की व्यवस्था भी की गयी है। परिसर में विद्यार्थियों की परीक्षायें आयोजित करने हेतु कई परीक्षा हाल की व्यवस्था भी की गयी है जिसमें विद्यार्थी सुगम रूप से परीक्षा दे रहे है। इसी परिसर में 1000 व्यक्तियों की क्षमता वाले भव्य आडिटोरियम का निर्माण पूर्ण हो गया है सरस्वती परिसर में पं. मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त प्रांगण स्थित है। सरस्वती परिसर के भी प्रवेश द्वार का नव निर्माण कराकर साथ में गार्डरूम की व्यवस्था भी की गयी है। विश्वविद्यालय का भव्य नव निर्मित प्रेक्षागृह जिसका नामकरण पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी बाजपेयी के नाम पर अटल प्रेक्षागृह रखा गया है।

यमुना परिसरः–

विश्वविद्यालय का यमुना परिसर भी फाफामऊ के शान्तिपुरम् कालोनी के सेक्टर–बी में स्थित है। इस परिसर की

4318.25 वर्ग मीटर भूमि का कब्जा प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने विश्वविद्यालय को सत्र 2012 में दे दिया। इस परिसर में विश्वविद्यालय का, प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय एवं आवासीय परिसर है। इस द्वितलीय भवन में कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था के साथ ही मैत्रेयी ग्रन्थालय एवं आदि शंकराचार्य सभागार की स्थापना की गयी है। यमुना परिसर में ही शिक्षको एवं कर्मचारियों के आवासीय भवन जिसमें टाईप–1 टाईप–2, टाईप–3 प्रकार के फ्लैट्स है उनका निर्माण पूर्ण कर शिक्षकों एवं कर्मचारियों को आवंटित कर दिया गया है। यमुना परिसर में ही त्रिवेणी समुदायिक सामुदायिक त्रिवेणी समुदायिक केन्द्र का निर्माण कराया गया है। विश्वविद्यालय की सत्रांत परीक्षा अब इसी केन्द्र में होती है। यहाँ पर 1000 शिक्षार्थियों के एक साथ परीक्षा देने की व्यवस्था है।

विश्वविद्यालय में निर्मित भवनों के क्षेत्रफल का विवरण:

क्र.सं.	भवन का नाम	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर में)
		गंगा परिसर
1.	प्रशासनिक भवन	2996.67 + 2996.67 + 2996.67 + 1024.80 = 10014.81
2.	अतिथि गृह	533.3 + 533.3 + 533.3 = 1599-90
3.	कैम्प कार्यालय	1508.42
4.	मीडिया सेण्टर	205.87 + 205.87 = 411.87
5.	शौचालय (गंगा परिसर)	93.09
6.	पम्प हाउस (गंगा परिसर)	67.26
7.	बैंक	41.00
8.	डाक	41.00
9.	गार्डरूम	15.21
10.	गार्डरूम	15.21
11.	वाहन स्टैण्ड	960.00
12.	स्कूटर स्टैण्ड	343.40
13.	कर्मचारी आवास	553.11 + 34.22 = 587.33
14.	जनरेटर सेट 62 KVA	13.60
15.	जनरेटर सेट 20 KVA	21.70
	योग	**15733.80**
		सरस्वती परिसर
1.	शैक्षणिक भवन	992.4 + 992.4 + 992.4 = 2977.20
2.	पुस्तकालय	600.2 + 600.2 + 600.2 = 1800.60
3.	ऑडिटोरियम	2272.6 + 1545.11 = 3817.71
4.	शौचालय (सरस्वती परिसर)	157.02
5.	शौचालय (सरस्वती परिसर)	68.76
6.	पम्प हाउस (सरस्वती परिसर)	83.16
7.	जनरेटर रूम	28.20
8.	गार्डरूम	15.21
9.	वाहन स्टैण्ड	960.00
	योग	**9907.86**

	यमुना परिसर	
1.	क्षेत्रीय केन्द्र भवन	243.75 + 214.27 = 458.02
2.	आवास टाईप–1	273.6 + 273.6 + 136.8 = 684.00
3.	आवास टाईप–2	461.6 + 461.6 + 230.8 =1154.00
4.	आवास टाईप–3	316.0 + 316.0 + 316.0 = 948.00
5.	शौचालय (यमुना परिसर)	157.02
6.	पम्प हाउस एवं ट्यूब वेल ऑपरेटर कक्ष	54.00
7.	ट्रांसफार्मर पैनल	80.00
8.	क्षेत्रीय केन्द्र छात्र कक्ष	768.00
9.	गार्ड रूम	15.21
	योग	**4318.25**
	बरेली परिसर	
1.	क्षेत्रीय केन्द्र, बरेली का कार्यालय भवन	458.4 + 427.28 + 262.8 = 1148.48
	योग	**1148.48**
	लखनऊ परिसर	
1.	क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ का कार्यालय भवन	458.4 + 427.28 + 262.8 = 1148.48
2.	क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ का गार्ड रूम	11.25
	योग	**1159.73**
	कुल क्षेत्रफल	**32268.12**

(ख) तकनीकी अधिसरंचना (Technological Infrastructure)

विश्वविद्यालय द्वारा दूरस्थ शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी (आई0सी0टी0) द्वारा घर बैठे गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के लिए निरन्तर अथक प्रयास किया जा रहा है। सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी (आई0टी0सी0) के क्षेत्र में विश्वविद्यालय को उच्च स्थान दिलाने के लिए विश्वविद्यालय प्रबन्ध प्रणाली (यू0एम0एस0) के समस्त घटकों जैसे प्रवेश,परीक्षा, परामर्श, स्वअध्ययन सामगी, विशेषज्ञों के व्याख्यान, सूचना विवरणिका आदि को ऑनलाइन कर दिया गया है। मैसिव ओपेन ऑनलाइन कोर्सेज (MOOC) ऑनलाइन अधिन्यास, परीक्षा परिणाम, अंकपत्र, ऑफिस आटोमेशन, वाई–फाई की व्यवस्था विश्वविद्यालय के तकनीकी पक्ष को और अधिक मजबूत करता है। इस व्यवस्था द्वारा कोई भी शिक्षार्थी कहीं भी और कभी भी आई0टी0सी0 का उपयोग कर गुणवत्तापूर्वक शिक्षा प्राप्त कर सकता है। विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली में गति लाने के लिए पूरे विश्वविद्यालय प्रबन्ध तंत्र को शिक्षार्थी केन्द्रित, समयबद्ध तथा कम लागत में सभी शिक्षार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में सक्रिय किया गया है। विश्वविद्यालय ने इन सबके अतिरिक्त शिक्षार्थियों को सम्पूर्ण शैक्षिक व्यवस्था को लाभ मोबाइल एप से भी उपलब्ध कराने की दिशा में में सार्थक कदम उठाया है। विश्वविद्यालय अपने तीन मुख्या आधर स्तम्भों स्वाध्याय, स्वमन्थन एवं स्वावलम्बन के माध्यम से दूरस्थ एवं मुक्त पद्धति में शिक्षा प्रदान कर रहा है। शिक्षार्थियों को कुशल एवं प्रभावी परामर्श देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में सुयोग्य शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं की नियुक्ति की गई है तथा अध्ययन केन्द्रों पर यह कार्य विशेषज्ञ प्रवक्ताओं के द्वारा पूर्ण किया जा रहा है। विश्वविद्यालय दिन प्रतिदिन अपने विकासमान तकनीकी संसाधनों के माध्यम से स्तरीय एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है साथ ही अधिकांश शिक्षार्थी आधुनिक तकनीकी का उपयोग करके अपने ज्ञानार्जन में निरन्तर वृद्धि कर रहें हैं।

सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में इस विश्वविद्यालय के बारह क्षेत्रीय केन्द्र स्थापित हो चुके हैं जिनके अन्तर्गत अनेक अध्ययन केन्द्र सुदूर क्षेत्रों में भी स्थापित हैं। इन दूर–दराज के क्षेत्रों के शिक्षार्थियों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय उच्च प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा है। विश्वविद्यालय के मुख्यालय द्वारा ग्यारहों क्षेत्रीय केन्द्रों पर वीडियों कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से सीधा सम्पर्क बनाये रखने के लिए भी संसाधन विकसित किये जा रहे हैं।

विश्वविद्यालय की वेबसाइट में अद्यतन सूचनाओं का संग्रह रहता है। इस वेबसाइट को गूगल द्वारा सबसे अधिक सर्च किये जाने वाली वेबसाइट होने पर सराहा गया है। वेबसाइट के माध्यम से विश्वविद्यालय की सभी जानकारियां,

गतिविधियां एवं सूचनाएं ऑनलाइन कर दिये जाने से पलभर में सम्पूर्ण विश्वविद्यालय में उनका प्रचार एवं प्रसार आसानी से हो पाता है। इसके साथ ही कम्प्यूटर नेटवर्किंग, फेसबुक, ट्विटर, यू–ट्यूब, डाउनलोडिग, मल्टीमीडिया, मोबाइल बैन, मोबाइल एस0एम0एस0 तथा ज्ञानवाणी से रिकार्डेड शैक्षिक कार्यक्रमों की सी0डी0 के माध्यम से भी छात्रों का मार्गदर्शन हो रहा है। विश्वविद्यालय के याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय में ही एक आडियो–विजुअल लैब स्थापित है, जिसमें समस्त विद्याशाखाओं के शिक्षक अपने–अपने लेक्चर रिकॉर्ड करवा रहे हैं।

विश्वविद्यालय मुख्य परिसर में तकनीकी अधिसंरचना निम्नलिखित है:–

Number of IT enabled rooms at HQ	00 (class rooms) or 42 (rooms)
Total number of rooms at HQ	50
Number of IT enabled Seminar halls at HQ	05
Total number of Seminar halls at HQ	05

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय में तकनीकी अधिसंरचना निम्नलिखित है:–

Number of IT enabled rooms at RC*	28
Total number of rooms at RC	35
Number of IT enabled Seminar halls at RC	11
Total number of Seminar halls at RC	11

विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों में तकनीकी अधिसंरचना निम्नलिखित है:–

Number of IT enabled rooms at LSC**	5704
Total number of rooms at LSC	6587
Number of IT enabled Seminar halls at LSC	684
Total number of Seminar halls at LSC	711

(ग) मानव संसाधन (Human Resources)

यद्यपि मानव उद्यम के विभिन्न क्षेत्रों में भौतिक संसाधनों की आवश्यकता होती है परन्तु शिक्षा के क्षेत्र में भौतिक संसाधन के साथ ही मानवीय संसाधनों की भी आवश्यकता अनिवार्य रुप से होती है। भौतिक संसाधनों की मदद से शिक्षा, शिक्षक तथा शिक्षार्थी के मध्य एक प्रभावी सम्बन्ध स्थापित होता है। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अध्येताओं के बौद्धिक विकास के लिए सदैव प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षकों के चयन में विशेष रुप से योग्यता एवं गुणवत्ता के साथ ही पारदर्शिता का भी ध्यान रखा जाता है। सुशिक्षित अनुभवी एवं कुशल शिक्षकों द्वारा शिक्षा के स्तर एवं गुणवत्ता में उत्तरोत्तर वृद्धि का ध्यान रखा जाता है। मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षकों का उत्तरदायित्व परम्परागत शिक्षण संस्थाओं में संलग्न शिक्षकों से कही अधिक है। इस अध्ययन प्रणाली में सुगमता एवं लचीलापन विद्यमान है। पाठ्यक्रम के अनुसार सभी प्रश्न पत्रों की पूर्वनिर्धारित काउन्सिलिंग होती है। शिक्षक अधिन्यास कार्य हेतु परामर्श देते है और अधिन्यास का मूल्यांकन भी करते हैं। शिक्षकों को प्रवेश पूर्व काउन्सिलिंग से शैक्षणिक कार्यक्रम की समाप्ति तक जिज्ञासु शिक्षार्थियों को निर्देशन प्रदान करना रहता है।

विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी, शैक्षणिक तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं तकनीकी विशेषज्ञ अपने–अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली–भॉति करने हेतु तत्पर रहते हैं। प्रभावी निष्पादन हेतु उन्हें समय–समय पर प्रशिक्षण भी दिया जाता है। विशिष्ट व्याख्यानों के लिए महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थाओं से विशेषज्ञ आमंत्रित करके छात्रों को निरन्तर लाभान्वित किया जाता है। लचीलापन दूरस्थ शिक्षा प्रणाली की मुख्य विशेषता है। इसके साथ ही सरल एवं बोधगम्य पाठ्य सामग्री भी छात्रों का मार्गदर्शन करती है। यह मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षार्थियों को स्वनिर्मित पाठ्य–सामग्री के माध्यम से संस्कार, मूल्य एवं जीवन दर्शन की शिक्षा प्रदान कर मानव जीवन के उच्चतर उद्देश्यों की प्राप्ति का मार्ग भी प्रशस्त कर रहा है। इस विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा के निरन्तर गुण संवर्धन तथा ज्ञान के समाजोपयोगी विकास हेतु प्रेरित किया जाता है। उनकी सहायता हेतु विश्वविद्यालय में वर्ष पर्यन्त सेमिनार, संगोष्ठियां तथा कार्यशालायें आयोजित की जाती है। क्षेत्रीय केन्द्रों के साथ ही अध्ययन केन्द्रों पर सुयोग्य मानवीय संसाधनों की समुचित व्यवस्था को सुनिश्चित

किया गया है।

विश्वविद्यालय में बढ़ते हुए शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यो के सुचारु संपादन हेतु नवीन पदों का सृजन राज्य सरकार द्वारा समय–समय पर किया जाता है। उत्तर प्रदेश सरकार तथा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित सेवा शर्तो के अनुरुप इन पदों पर नियुक्ति की जाती है। शिक्षणेत्तर वर्ग में कुशल कर्मचारियों की नियुक्ति शैक्षिक एवं प्रशासनिक कार्यो की सम्यक व्यवस्था में सहयोग देने के लिए की गयी है।

सम्यक रुप से यह विश्वविद्यालय ज्ञान रुपी ज्योति को प्रदेश के दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुँचाने तथा ऐसे शिक्षार्थियों जो अनौपचारिक रुप से अध्ययन नहीं कर सकते उनमें शिक्षा के प्रति अभिरुचि जागृत कर उपयुक्त अवसर प्रदान करने की दिशा मे निरन्तर प्रयत्नशील है। इसका सुपरिणाम सम्पूर्ण प्रदेश एवं देश–विदेश में इस विश्वविद्यालय की बढ़ती लोकप्रियता के रुप में स्पष्ट परिलक्षित हो रहा है। आगे भी इस प्रकार के प्रयासों को निष्ठापूर्वक जारी रखने के लिए विश्वविद्यालय एवं विश्वविद्यालय परिसर संकल्पबद्ध है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षणिक संवर्ग की सूची :–

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1.	प्रो. आशुतोष गुप्ता	निदेशक/प्रोफेसर, विज्ञान विद्याशाखा
2.	प्रो. सत्यपाल तिवारी	निदेशक/प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा
3.	प्रो. प्रशान्त कुमार स्टालिन	निदेशक/प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा
4.	प्रो. सन्तोषा कुमार	निदेशक/प्रोफेसर, इतिहास, समाज विज्ञान विद्याशाखा
5.	प्रो. प्रदीप कुमार पाण्डेय	उप निदेशक/प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. रुचि बाजपेई	प्रोफेसर, हिन्दी, मानविकी विद्याशाखा
7.	प्रो. विनोद कुमार गुप्त	उप निदेशक/प्रोफेसर, संस्कृत, मानविकी विद्याशाखा
8.	प्रो. छत्रसाल सिंह	प्रोफेसर, शिक्षा शास्त्र, शिक्षा विद्याशाखा, शिक्षा विद्याशाखा
9.	प्रो. श्रुति	प्रोफेसर, सांख्यिकी, विज्ञान विद्याशाखा
10.	प्रो. अजेन्द्र कुमार मलिक	प्रोफेसर, गणित, विज्ञान विद्याशाखा
11.	प्रो. जय प्रकाश यादव	प्रोफेसर, जन्तु विज्ञान, विज्ञान विद्याशाखा
12.	प्रो. मीरा पाल	प्रोफेसर, न्यूट्रीशन फूड एण्ड डायटेटिक्स, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा
13.	प्रो. संजय कुमार सिंह	प्रोफेसर, भूगोल समाज विज्ञान विद्याशाखा
14.	डॉ. आनन्दा नन्द त्रिपाठी	एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान समाज विज्ञान विद्याशाखा
15.	डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव	एसोसिएट प्रोफेसर, व्यवसाय प्रबन्धन, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा
16.	डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी	एसोसिएट प्रोफेसर, व्यवसाय प्रबन्धन, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा
17.	डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी	एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र, शिक्षा विद्याशाखा
18.	डॉ. दिनेश सिंह	सहायक निदेशक/एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा
19.	डॉ. साधना श्रीवास्तव	असिस्टेन्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार, मानविकी विद्याशाखा
20.	डॉ. सुनील कुमार	असिस्टेन्ट प्रोफेसर, प्राचीन इतिहास, समाज विज्ञान विद्याशाखा
21.	श्री मनोज कुमार बलवन्त	असिस्टेन्ट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान, विज्ञान विद्याशाखा
22.	डॉ. सतीश चन्द्र जैसल	असिस्टेन्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार, मानविकी विद्याशाखा
23.	डॉ. त्रिविक्रम तिवारी	सहायक निदेशक/असिस्टेन्ट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा
24.	डॉ. सी.के. सिंह	असिस्टेन्ट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान, विज्ञान विद्याशाखा
25.	डॉ. सुरेन्द्र कुमार	असिस्टेन्ट प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र, शिक्षा विद्याशाखा

3. शैक्षणिक कार्यक्रम एवं अधिगम संसाधन
(Academic Programmes and Learning Resources)

विश्वविद्यालय की प्रगति में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण स्थान शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा अधिगम संसाधनों का होता है। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अपनी स्थापना वर्ष से ही दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से औपचारिक उच्च शिक्षा प्रदान करने हेतु निरन्तर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय वैश्विक स्तर पर समसामायिक एवं गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न स्तर के शैक्षिक कार्यक्रम संचालित करता है। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विश्वविद्यालय ने निर्धन ज्ञान–पिपासुओं, विकलांगों, महिलाओं, ग्रामीण अंचल के निवासियों तथा सेवारत व्यक्तिओं को शिक्षा के विशेष अवसर उपलब्ध कराये हैं। विश्वविद्यालय द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था एवं संचालन को अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने के लिए पूरे प्रदेश में 12 क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, गोरखपुर, बरेली, कानपुर, झांसी, मेरठ, आगरा, अयोध्या, आजमगढ़ एवं गाजियाबाद स्थापित किये गये हैं। सत्र 2024–25 में सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में 1496 से अधिक अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से उच्च शिक्षा को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाया जा रहा है। सत्र 2024–2025 में विश्वविद्यालय द्वारा भिन्न–भिन्न स्तर एवं भिन्न–भिन्न प्रकृति के 96 गुणवत्तायुक्त एवं रोजगार शैक्षिक कार्यक्रम संचालित किए गए।

विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के अतिरिक्त पी.जी. डिप्लोमा, डिप्लोमा, प्रमाण–पत्र कार्यक्रम तथा नॉन–क्रेडिट जागरूकता कार्यक्रम सत्र 2024–2025 में संचालित किए गए। विश्वविद्यालय ने इस सत्र में अनेक सामान्य कार्यक्रमों के साथ–साथ सामुदायिक कालेज के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के कौशल विकासयुक्त कार्यक्रमों को भी प्रस्तावित किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कार्यक्रमों को निम्नानुसार वर्गीकृत किया गया है –

(क) कार्यक्रमों की प्रकृति -

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित 96 कार्यक्रमों में व्यावसायिक, रोजगारपरक, परम्परागत आदि भिन्नताओं के साथ–साथ प्रारूपगत, अर्हता, अवधि, परीक्षा प्रणाली सम्बन्धी अनेक विविधताएँ हैं। इन्हीं विभिन्नताओं पर कार्यक्रमों की प्रकृति निर्भर करती हैं। सभी शैक्षिक कार्यक्रमों का विवरण परिशिष्ट–08 में दर्शाया गया है।

(i) शिक्षार्थी केन्द्रित शैक्षिक कार्यक्रम -

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के किसी कार्यक्रम के प्रवेशार्थी/शिक्षार्थी अन्य विश्वविद्यालय में भी छात्र रह सकते हैं, परन्तु उसी प्रकृति अर्थात् उसी स्तर के उपाधि, डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र के कार्यक्रम में प्रवेश नहीं ले सकते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति अथवा दूरस्थ एवं परम्परागत शिक्षा पद्धति से उसी विश्वविद्यालय अथवा विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थाओं में कोई भी अध्ययनरत शिक्षार्थी निम्न संयोजन के अनुसार कार्यक्रमों में प्रवेश लेने का विकल्प चुन सकता है।

डेब के दिशा–निर्देश के द्वारा निम्न संयोजन के अनुसार एक साथ दो कार्यक्रमों में प्रवेश लेने का विकल्प उपलब्ध कराया गया है–

1. एक डिग्री एवं एक डिप्लोमा/ प्रमाण–पत्र कार्यक्रम
2. एक डिप्लोमा/प्रमाण–पत्र कार्यक्रम
3. एक डिप्लोमा एवं एक प्रमाण–पत्र कार्यक्रम
4. दो डिप्लोमा कार्यक्रम
5. दो प्रमाण–पत्र कार्यक्रम

(ii) शैक्षिक कार्यक्रमों का विवरण

शिक्षार्थी हित में दूरस्थ शिक्षा पद्धति द्वारा कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए न्यूनतम अवधि के साथ–साथ अधिकतम अवधि की भी सुविधा शिक्षार्थियों को उपलब्ध कराई है। इस पद्धति के द्वारा शिक्षा प्राप्त करने पर शिक्षार्थियों को कार्यक्रम पूर्ण करने के लिए पर्याप्त समय प्राप्त होता है। शैक्षिक कार्यक्रमों का विवरण निम्नवत है –

शैक्षिक कार्यक्रम–एक दृष्टि

(अ) स्नातक, स्नातकोत्तर, पी.जी. डिप्लोमा, डिप्लोमा, प्रमाण–पत्र एवं नॉन–क्रेडिट जागरूकता कार्यक्रम

स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का विवरण

कार्यक्रम कोड Prog. Code	कार्यक्रम का नाम Name of the programme	अवधि (वर्षों में) Duration (in Years) Min	Max.	माध्यम Medium (H/E)#	कुल शुल्क (प्रतिवर्ष)	प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता Minimum Qualification for Admission	कार्यक्रम की प्रकृति Nature of Prog.	अध्ययन सामाग्री का माध्यम
स्नातक (Graduation)								
101	Bachelor of Arts (B.A.) स्नातक कला (बी.ए.)	3	6	H	**4500/–**	10+2+other	सेमेस्टर प्रणाली	H
102	Bachelor of Commerce (B.Com.) स्नातक वाणिज्य (बी.कॉम.)	3	6	H	**5000/–**	10+2+other	सेमेस्टर प्रणाली	H
104	Bachelor of Science (B.Sc.) स्नातक विज्ञान (बी.एस–सी.)	3	6	E	**8000/–**	10+2+other Science	सेमेस्टर प्रणाली	E
108	व्यवसाय प्रशासन में स्नातक Bachelor of Business Adminstration (BBA)	3	5	E	**10000/–**	10+2+other	सेमेस्टर प्रणाली	E
202	पुस्कालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक Bachelor of Library and information Science (BLIS)	1	3	H	**9500/–**	Graduation	सेमेस्टर प्रणाली	H
1116	Bachelor of Science B.Sc. In Human Nutrition बी.एस–सी –ह्यूमन न्यट्रीशन	3	6	E	**9000/–**	10+2 Science (Biology/Maths) or 10+2 with Home Science	सेमेस्टर प्रणाली	E
स्नातकोत्तर (Post Graduation)								
226	हिन्दी (Hindi)	2	4	H	**8500/–**	Graduation (स्नातक)	सेमेस्टर प्रणाली	H
227	अंग्रेजी (English)	2	4	E	**8500/–**	Graduation (स्नातक)	सेमेस्टर प्रणाली	E
228	इतिहास (History)	2	4	H	**8500/–**	Graduation (स्नातक)	सेमेस्टर प्रणाली	H
229	समाजशास्त्र (Sociology)	2	4	H	**8500/–**	Graduation (स्नातक)	सेमेस्टर प्रणाली	H
230	राजनीतिशास्त्र (Political Science)	2	4	H	**8500/–**	Graduation (स्नातक)	सेमेस्टर प्रणाली	H
232	शिक्षाशास्त्र (Education)	2	4	H	**8500/–**	Graduation (स्नातक)	सेमेस्टर प्रणाली	H
233	सांख्यिकी (Statistics)	2	4	E	**8500/–**	Graduation (स्नातक)	सेमेस्टर प्रणाली	E
234	दर्शनशास्त्र (Philosophy)	2	4	H	**8500/**	Graduation (स्नातक)	सेमेस्टर	H

					—		प्रणाली	
235	संस्कृत (Sanskrit)	2	4	H	**8500/—**	Graduation (स्नातक)	सेमेस्टर प्रणाली	H
236	समाजकार्य (Social Work)	2	4	H	**8500/—**	Graduation (स्नातक)	सेमेस्टर प्रणाली	H
237	उर्दू (Urdu)	2	4	U	**8500/—**	Graduation (स्नातक)	सेमेस्टर प्रणाली	U (Urdu)
239	भूगोल (Geography)	2	4	H	**9000/—**	(स्नातक)Bachelor degree in any discipline	सेमेस्टर प्रणाली	H
228	प्रचीन इतिहासAncient History and Archarelogy	2	4	H	**8500/—**	Graduation (स्नातक)	सेमेस्टर प्रणाली	H
214	वाणिज्य में स्नातकोत्तर Master of Commerce (M.Com.)	2	4	H/E	**8000/—**	Graduation (स्नातक)	सेमेस्टर प्रणाली	H/E
224	विज्ञान में स्नातकोत्तर Master of Science (M.Sc.) सांख्यिकी (Statistics)	2	4	E	**9000/—**	Any Bachelor Degree (10+2+2 OR 10+2+3 OR 10+2+4) with Mathematics/Statistics/Computer Science as one of the subject /paper and Mathematics in 10+2 level.	सेमेस्टर प्रणाली	E
225	विज्ञान में स्नातकोत्तर Master of Science (M.Sc.) जैवरसायन (Biochemistry)	2	4	E	**9000/—**	Bachelor degree in concerned subject (B.Sc. (Bio) /B.Sc.(Honors) with Chemistry as one of the subject) OR Biochemsitry / Microbiology / Biotechnology at B.Sc. Level OR Any 4 year Graduate Degree in Medical Sciences.	सेमेस्टर प्रणाली	E
203	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर Master of Library and Information Science (MLIS)	1	3	H	**15000/—**	Bachelor of Library and information Science (BLIS)	सेमेस्टर प्रणाली	H
205	पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर Master of Journalism & Mass Communication MA (JMC)	2	4	H	**8500/—**	Graduation(स्नातक)	सेमेस्टर प्रणाली	H
706	कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर Master of Computer Science (MSc. CS.)	2	4	E	**14000/—**	Bachelor degree with Computer Science/Information Technology/Computer applications	सेमेस्टर प्रणाली	E
1117	विज्ञान में स्नातकोत्तर Master of Science (M.Sc.) फूड एण्ड न्यूट्रीशन Food & Nutrition (Msc-FN)	2	4	E	**10000/—**	Bachlelor degree in concern subject (B.sc. (Bio) B.sc (Honors) with Home science comm-unity science /Human Nutrition /Nutritional Science/ Biochemistry/	सेमेस्टर प्रणाली	E

						Biotechnology/Zoology/ Biology as one of the subject) Bsc. Home science/ at Bsc.human nutrition /Bsc. commun-ity Nutrition Or any Graduate Degree in medical sciences/ Allopathy- MBBS, Graduates of Ayush systeam of medicine - BAMS,BHMS, BUMS, Naturopathy, Yoga science Siddha.		

* MA (English) अंग्रेजी माध्यम* MA (Statistics) अंग्रेजी माध्यम

वार्षिक प्रणाली पर आधारित एक वर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रमों का विवरण :—

कार्यक्रम कोड Prog. Code	कार्यक्रम का नाम Name of the programme	अवधि (वर्षों में) Duration (in Years)		माध्यम Medium of Instruction (H/E)#	कुल शुल्क (प्रतिवर्ष) Total Fee	प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता Minimum Qualification for Admission	कार्यक्रम की प्रकृति Nature of Prog.	अध्ययन सामाग्री का माध्यम
		Min	Max.					
301	स्वास्थ्य शिक्षा एवं पोषण में डिप्लोमा Diploma in Health Education and Nutrition [DHEN]	1	3	H/E	4200/ —	10+2+other	वार्षिक प्रणाली	H/E
303	ग्रामीण विकास में डिप्लोमा Diploma in Rural Development [DRD]	1	3	H/E	4200/ —	10+2+other	वार्षिक प्रणाली	H/E
304	डायटेटिक्स एवं न्यूट्रीशन में डिप्लोमा Diploma in Dietetics and Nutrition [DCDN]	1	3	E	5200/ —	10+2+other	वार्षिक प्रणाली	E
305	प्रारम्भिक बाल्यावस्था परिचर्या एवं शिक्षा में डिप्लोमा Diploma in Early Childhood Care and Education [DECE]	1	3	H/E	4200/ —	10+2+other	वार्षिक प्रणाली	H/E
601	फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा Diploma in Fashion Designing (DFD)	1	3	H/E	5700/ —	10+2+other	वार्षिक प्रणाली	H/E
602	टेक्सटाइल डिजाइनिंग में डिप्लोमा Diploma in Textile Designing (DTD)	1	3	H/E	5700/ —	10+2+other	वार्षिक प्रणाली	H/E
603	डिप्लोमा इन फोटोग्राफी Diploma in Photography [DIP]	1	3	E	4700/ —	10+2+other	वार्षिक प्रणाली	E
604	~डिप्लोमा इन होम आर्टस Diploma in Home Arts [DHA]	1	3	E	4700/ —	10+2+other	वार्षिक प्रणाली	E
905	डिप्लोमा इन एप्लाइड स्टेटिस्टिक्स एण्ड कंप्यूटर Diploma in Applied Statistics and Computer (DASC)	1	3	E	4700/ —	10+2+other	वार्षिक प्रणाली	E

983	डिप्लोमा इन उर्दू Diploma in Urdu (DUR)	1	3	U	**4200/—**	10+2 Pass (with Urdu as one of the Subjects) Or its Equivalent or A certificate in Urdu Language from IGNOU	वार्षिक प्रणाली	U
984	डिप्लोमा इन उर्दू जर्नलिज्म एण्ड मास कम्यूनिकेशन Diploma in Urdu Journalism & Mass Communication (DUJMC)	1	3	U	**4200/—**	10+2 Pass (with Urdu as one of the Subjects) Or its Equivalent or a certificate in Urdu Language from IGNOU	वार्षिक प्रणाली	U
985	डिप्लोमा इन उर्दू न्यूज रीडिंग एण्ड एंकरिंग Diploma in Urdu News Reading & Anchoring (DUNRA)	1	3	U	**4200/—**	10+2 Pass (with Urdu as one of the Subjects) Or its Equivalent or a certificate in Urdu Language from IGNOU	वार्षिक प्रणाली	U
1107	वैदिक गणित में डिप्लोमा Diploma in Vaidik Mathemetics (DVM)	1	3	H	**5700/—**	10+2+other	वार्षिक प्रणाली	H
1152	कर्मकाण्ड में एकवर्षीय डिप्लोमा (DKK)	1	2	H/E	**5200/—**	10+2 (इण्टर या समकक्ष स्तर पर संस्कृत एक विषय के रूप में अध्ययन किया गया हों)		H

वार्षिकप्रणाली पर आधारित द्वि–वर्षीय एकल विषय में प्रमाण–पत्र कार्यक्रम का विवरण:–

कार्यक्रम कोड Prog. Code	कार्यक्रम का नाम Name of the programme	अवधि (वर्षों में) Duration (in Years)		माध्यम Medium of Instruction (H/E)#	कुल शुल्क (प्रतिवर्ष)	प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता/Minimum Qualification for Admission	कार्यक्रम की प्रकृति Nature of Programme	
		Min.	Max.					
1102	कल विषय में द्वि–वर्षीय, प्रमाण–पत्र कार्यक्रम–कला Two year Certificate Course in Single Subject-Arts (CCSS)	2	4	H	**4000/—**	Bachelor Degree	वार्षिक प्रणाली	H
1103	कल विषय में द्वि–वर्षीय, प्रमाण–पत्र कार्यक्रम –विज्ञान Two year certificate course in Single Subject-Science (CCSSSc.)	2	4	H/E	**5000/—**	Bachelor Degree	वार्षिक प्रणाली	H/E

सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित एक वर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रमों का विवरण:–

कार्यक्रम कोड Prog. Code	कार्यक्रम का नाम Name of the programme	अवधि (वर्षों में) Duration (in Years)		माध्यम Medium of Instruction (H/E)#	कुल शुल्क	प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता Minimum Qualification for Admission	कार्यक्रम की प्रकृति Nature of Programme	अध्ययन सामाग्री का माध्यम
		Min.	Max.					
1025	Diploma in Web Technology (DWT)	1	3	E	**8200/—**	10+2 or 3 years diploma of Board of Technical Education or equivalent or Two year ITI programme of any Trade after	सेमेस्टर प्रणाली	E

						10th Std.		
1080	Diploma in Watershed Management (DWM)	1	3	E	**11200/–**	10+2 (Senior Secondary) pass out or Equivalent	सेमेस्टर प्रणाली	E
1081	Diploma in Dairy Technology (DDT)	1	3	E	**12200/–**	10+2 Pass or Equivalent	सेमेस्टर प्रणाली	E
1082	Diploma in Value Added Products from Fruits and Vegetables (DVAPFV)	1	3	H/E	**12200/–**	10+2 Pass or Equivalent	सेमेस्टर प्रणाली	H/E
1104	Diploma in Agriculture (DAG)	1	3	H/E	**10200/–**	10+2 pass or equivalent in Agriculture or Science (Bio Group)	सेमेस्टर प्रणाली	H/E
1105	Diploma in Agri-Business Management (DABM)	1	3	H/E	**5200/–**	10+2 Pass or Equivalent in Agriculture or Science	सेमेस्टर प्रणाली	E
1151	Diploma in Public Health and Community Nutrition (DPHCN)	1	2	H/E	**8200/-**	10+2 Pass or All Graduate, Medical Graduates	सेमेस्टर प्रणाली	H
1154	ORDINANCE FOR DIPLOMAINDISASTERMANAGEMENT(DDM)	1	3	H/E	**6000/-**	10+2	सेमेस्टर प्रणाली	H

प्रमाण–पत्र कार्यक्रमों का विवरणः–

कार्यक्रम कोड Prog. Code	कार्यक्रम का नाम Name of the programme	अवधि (वर्षों में) Duration (in Years)		माध्यम Medium of Instruction (H/E)#	कुल शुल्क	प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता Minimum Qualification for Admission	कार्यक्रम की प्रकृति Nature of Programme	अध्ययन सामग्री का माध्यम
		Min.	Max.					
401	पोस्ट–हार्वेस्ट तकनीकी एवं मूल्य संवर्धन में प्रमाण–पत्र Certificate in post Harvest Tecnology and Value Addition [CPHT&VA]	½	2	H	**3200/–**	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	H
402	औषधीय एवं सुगन्धीय पौधों की खेती में प्रमाण–पत्र Certificate in Cultivation of Medicinal and Aromatic plants [CCMAP]	½	2	H	**3200/–**	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	H
403	पशुधन उत्पादन प्रणाली में प्रमाण–पत्र Certificate in Live Stock Production System [CLPS]	½	2	H	**3200/–**	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	H
406	शिशु पालन एवं पोषण में प्रमाण–पत्र Certificate in Child Care and Nutrition [CCCN]	½	2	H/E	**2200/–**	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	H/E
407	पोषण एवं आहार में प्रमाण–पत्र Certificate in Nutrition and Food [CNF]	½	2	H/E	**2200/–**	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	H/E

409	मानवाधिकार में प्रमाण–पत्र Certificate in Human Rights (CHR)	½	2	H/E	2200 /–	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	H/E
410	Certificate in Environmental Studies (CES)	½	2	E	4700 /–	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	E
414	महिला सशक्तिकरण एवं विकास में प्रमाण–पत्र Certificate in Women Empowerment and Development [CWED]	½	2	H/E	3200 /–	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	H/E
417	कारपेट एण्ड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में प्रमाण–पत्र Certificate in Carpet and Textile Technology [CCTT]	½	2	H	2200 /–	8th Pass	सेमेस्टर प्रणाली	H
423	व्यावहारिक अपराध शास्त्र में प्रमाण–पत्र Certificate in Applied Criminology [CAC]	½	2	H	2200 /–	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	H
424	फैशन डिजाइनिंग में प्रमाण–पत्र Certificate in Fashion Designing [CFD]	½	2	H/E	3200 /–	10thPass	सेमेस्टर प्रणाली	H/E
425	टेक्सटाइल डिजाइनिंग में प्रमाण पत्र Certificate in Textile Designing [CTD]	½	2	H/E	3200 /–	10th Pass	सेमेस्टर प्रणाली	H/E
426	ग्रामीण पत्रकारिता एवं जनसंचार में प्रमाण–पत्र Certificate in Rural Journalism and Mass Communication [CRJMC]	½	2	H	2200 /–	10thPass	सेमेस्टर प्रणाली	H
505	कम्प्यूटर में प्रमाण–पत्र Certificate in Computer Course (CCC)	½	2	E	5700 /–	10+2 or 3 years diploma of Board of Technical Education or equivalent or Two year ITI programme of any Trade after 10th Std.	सेमेस्टर प्रणाली	E
959	व्यावहारिक सांख्यिकी और कम्प्यूटर में प्रमाण–पत्र Certificate in Applied Statistics and Computer (CASC)	½	2	E	2200 /–	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	E
961	फॉरेन्सिक साइंस में प्रमाण–पत्र Certificate in Forensic Science (CFS)	½	2	E	6200 /–	10+2+ other (Science)	सेमेस्टर प्रणाली	E
1053	Certificate Programme in Laboratory Technique (CPLT)	½	2	E	5700 /–	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	E
1054	Certificate Course in Computer Animation (CCCA)	½	2	E	5700 /–	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	E
1055	Certificate Course in Web Designing and Development (CCWD)	½	2	E	5700 /–	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	E
1056	Certificate Course in Linux Administration (CCLA)	½	2	E	5700 /–	10+2 or 3 years diploma of Board of Technical Education or equivalent or Two year ITI	सेमेस्टर प्रणाली	E

						programme of any Trade after 10th Std.		
1077	Certificate Courses in Waste Water Treatment (CWWT)	½	2	E	**4700 /–**	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	E
1155	**ORDINANCE FOR CERTIFICATEIN DISA STERM AN AGEMENT (CDM)**	½	2	H/E	**2200 /–**	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	H
1078	Certificate Courses in Natural Resources and Sustainable Development (CNSD)	½	2	E	**4700 /–**	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	E
1079	Certificate in Printing Technology (CPT)	½	2	H/E	**3200 /–**	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	E
1083	Certificate in Organic Forming (COF)	½	2	H/E	**4200 /–**	8th Pass or Equivalent	सेमेस्टर प्रणाली	H/E
1084	Certificate Programme in Gardening (CPIG)	½	2	H	**3200 /–**	8th Pass or Equivalent	सेमेस्टर प्रणाली	H/E
1101	Certificate in Goods & Service Tax (CGST)	½	1	H/E	**2600 /–**	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	H/E
1108	वैदिक गणित में प्रमाण–पत्र Certificate in Vaidik Mathemetics (CVM)	½	1	H	**3700 /–**	10+2+ other	सेमेस्टर प्रणाली	E

नॉन–क्रेडिट जागरूकता कायक्रमों का विवरणः–

कार्यक्रम कोड Prog. Code	कार्यक्रम का नाम Name of the programme	अवधि (वर्षो में) Duration (in Years)		माध्यम Medium of Instruction (H/E)#	कुल शुल्क	प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता / Minimum Qualification for Admission	अध्ययन सामाग्री का माध्यम
		Min.	Max.				
801	पंचायतीराज जागरूकता कार्यक्रम Awareness Programme in Panchyati Raj [APPR]	3 Months	1 Year	H/E	**900 /–**	VIII Standard pass	H/E
803	डेरी उद्योग जागरूकता कार्यक्रम Awareness Programme in Dairy Farming [APDF]	3 Months	1 Year	H	**1200 /–**	VIII Standard Pass	H
805	शिशु पालन एवं पोषण में जागरूकता कार्यक्रम Awareness Programme in Child Care and Nutrition [APCCN]	3 Months	1 Year	H/E	**1200 /–**	High School or Equivalent	H/E
806	पोषण एवं आहार में जागरूकता कार्यक्रम Awareness Programme in Child Nutrition and Food [APNF]	3 Months	1 Year	H/E	**1000 /–**	High School or Equivalent	H/E
1110	नये भारत में सुशासन जागरूकता में कार्यक्रम (ए.पी.जी.जी.एन.आई.) Awareness Programme in Good Governance in New India (APGGNI)	3 Months	1 Year	H	**1000 /–**	10+2+other	H
1111	कुम्भ–दर्शन में जागरूकता कार्यक्रम (ए.पी.केडी.) Awareness Programme in Kumbh Darshan (APKD)	3 Months	1 Year	H	**1000 /–**	10+2+other	H
1112	अन्त्योदय जागरूकता कार्यक्रम (ए.पी.ए.वाई.)	3 Months	1 Year	H	**900 /–**	10+2+other	H

	Awareness Programme on Anatyoday (APAY)						
1113	एकात्म मानववाद जागरूकता कार्यक्रम (ए.पी.ए.एम.) Awareness Programme on Ekatam Manavwad (APAM)	3 Months	1 Year	H	**900/–**	10+2+other	H
1114	Awareness Programme on Share Market and Mutual Funds (APSMMF)	3 Months	1 Year	E	**900/–**	10+2+other	E
1115	Awareness Programme on Insurance and Banking Services (APIBS	3 Months	1 Year	E	**900/–**	10+2+other	E
1116	Awareness Programme on J&K(APJK)	3 Months	1 Year	H	**700/–**	10+2+other	H
1117	Awareness Programme in Citizenship Amendment Act (CAA)	3 Months	1 Year	H	700/–	10+2+other	H
1118	Awareness Programme on COVID-19 (APCO-19)	3 Months	1 Year	H	700/–	10+2+other	H
1153	Awareness Programme in Saral Sanskrit Shikshan (APSSS)	3 Months	1 Year	H	1000/–	10th + other	H

 # H- Hindi (हिन्दी), E- English (अंग्रेजी), * P.A.- Perannum

नोट :–

(I) शिक्षार्थी को ऑन लाइन प्रवेश फार्म के साथ ही संलग्न एंटी रैगिंग शपथ पत्र का फार्म भी अनिवार्य रूप से भरना है।

(II) शिक्षार्थी ऑन लाइन 'पाठ्य सामग्री एवं अधिन्यास माँग पत्र' के फार्म को अवश्य भरें।

(III) कार्यक्रम एवं परीक्षा शुल्क एक वर्ष के लिए है।

(IV) जिन कार्यक्रमों में प्रवेश लेने की अर्हता स्नातक हैउनमें स्नातक उत्तीर्ण छात्रों को ही प्रवेश हेतु अर्ह माना जायेगा।

(V) (इण्टरमीडिएट)

(VI) (स्नातक)

प्रवेश परीक्षा पर आधारित कार्यक्रमों का विवरण:–

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम Name of the programme	अवधि (वर्षो में) Duration (in Years)		माध्यम Medium of Instruction (H/E)#	कुल शुल्क (प्रतिवर्ष)	प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता Minimum Qualification for Admission	अध्ययन सामाग्री का माध्यम
		Min.	Max.				
1	बी0एड0 (B.Ed. ODL)	2 Year	5 Year	हिन्दी	18500/-	विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध	H
2	बी0एड0 (विशिष्ट शिक्षा) (B.Ed. (SE) ODL)	2 Year 06 Month	5 Year	हिन्दी	20000/-		
3	Master of Computer Application (MCA)	2Year	4 Year	English	17000/-	BCA/ Bachelor Degree in Computer Science from a recognized University **OR** Graduation with additionalequivalent Degree like 1 year Diploma/ PGDCA diploma from UGC recognised University or A- Level from DOEACC	E
4	Master in Business Administration (MBA)	2 Year	4 Year	English	18000/-	Graduation in any Discipline with 50% Marks (45% Marks for the SC/ST Condidates) Or Three years Managerial / Supervisory or Working Experience after completing Graduation in any Discipline.	E

(iii) कार्यक्रमों के विभिन्न प्रारूप -

शिक्षार्थियों को उनकी क्षमता एवं अभिरूचि के अनुरूप अध्ययन हेतु उपाधि कार्यक्रम, सामान्य डिप्लोमा, प्रमाण–पत्र तथा जागरूकता कार्यक्रमों के अन्तर्गत पाठ्यक्रम चयन के अनेक विकल्प उपलब्ध हैं। सत्र 2023–24 से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा निर्देशानुसार स्नातक (कला, वाणिज्य, विज्ञान), पर्यटन में बी.ए., कम्प्यूटर अनुप्रयोग में व्यवसाय प्रशासन में स्नातक (BBA), पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (BLIS), स्नातकोत्तर कार्यक्रम (कला, विज्ञान, वाणिज्य), पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (MLIS), पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (MAJMC), कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर (MCA) तथा व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (MBA)– कार्यक्रमों को नई शिक्षा नीति के अनुरुप लागू किया गया है।

बी.एड तथा बी.एड.(विशिष्ट शिक्षा) कार्यक्रमों में विगत सत्रों से ही एन.सी.टी.ई. तथा आर.सी.आई. के मानकों के अनुसार क्रेडिट पद्वति लागू है।

(iv) कार्यक्रमों में क्रेडिट पद्धति-

दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत किसी भी शैक्षिक कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए निर्धारित क्रेडिट को पूर्ण करना अनिवार्य होता है। क्रेडिट का अर्थ अध्ययन में लगने वाले समय से होता है। एक क्रेडिट के लिए अध्ययन का निर्धारित समय 30 घण्टे होता है, जिसमें परामर्श कक्षाएँ, स्वाध्याय तथा प्रयोगात्मक कार्य करने होते हैं। स्नातक तथा स्नात्तकोत्तर कार्यक्रमों में नई शिक्षा नीति 2020 के सापेक्ष पाठ्यक्रमों को अद्यतन कर दिया गया है।

(v) स्नातक कार्यक्रम-

विश्वविद्यालय द्वारा कला, वाणिज्य, विज्ञान, पर्यटन, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, व्यवसाय प्रशासन, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान आदि विषयों में स्नातक स्तर के कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। कला वर्ग में शिक्षार्थियों के लिए हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति शास्त्र, इतिहास, अर्थशास्त्र, लोक प्रशासन, समाज शास्त्र, संस्कृत, दर्शनशास्त्र, उर्दू, शिक्षाशास्त्र, गणित, सांख्यिकी, फैशन डिजाइनिंग, टेक्सटाइल डिजाइनिंग, भूगोल, प्राचीन इतिहास जैसे महत्त्वपूर्ण विषय शिक्षार्थियों के चयन हेतु विकल्प के रूप में उपलब्ध हैं।

(क) स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)

स्नातक उपाधि स्तर के कार्यक्रमों में से स्नातक कला कार्यक्रमों को पूरा करने के लिए न्यूनतम अवधि 06 सेमेस्टर अथवा 03 वर्ष है। स्नातक कार्यक्रम में प्रत्येक शिक्षार्थी को कुल 120 क्रेडिट के पाठ्यक्रम का अध्ययन करना अनिवार्य है। इसके अन्तर्गत शिक्षार्थी को अपने चयनित तीनों विषयों के 4–4 क्रेडिट के 04 अनिवार्य प्रश्नपत्रों (16 क्रेडिट) तथा प्रथम और द्वितीय विषय के 3–3 क्रेडिट के 02 विषय केन्द्रित वैकल्पिक प्रश्न पत्रों (06 क्रेडिट) अर्थात् कुल 22 क्रेडिट का प्रत्येक वर्ष में अध्ययन करना अनिवार्य है। विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम एवं द्वितीय दोनों विषयों का एक–एक वैकल्पिक प्रश्नपत्र पाँचवें तथा छठे सेमेस्टर में पढ़ना होगा। योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 4 क्रेडिट का एक प्रश्नपत्र (AECEG या AECHD) प्रथम सेमेस्टर में तथा 4 क्रेडिट का एक प्रश्नपत्र AECEA द्वितीय सेमेस्टर में अध्ययन करना अनिवार्य है। कौशल विकास से संबंधित पाठ्यक्रमों (प्रत्येक 04 क्रेडिट) में से SES & T-01 तृतीय सेमेस्टर में, SEIC & T-02 चतुर्थ सेमेस्टर में, SESP-03 पाँचवे सेमेस्टर तथा SEINS-04 छठे सेमेस्टर में अध्ययन करना अनिवार्य है। अन्य विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत 4 क्रेडिट का एक प्रश्नपत्र (OEODL या OEIT) पाँचवे सेमेस्टर में तथा 4 क्रेडिट का एक प्रश्नपत्र (OECNC या OEDM) छठे सेमेस्टर में पढ़ना अनिवार्य है।

इस प्रकार शिक्षार्थी को प्रत्येक सेमेस्टर में 20–20 क्रेडिट के प्रश्नपत्रों का चयन करते हुए कार्यक्रम की सम्पूर्ण अवधि में कुल 120 क्रेडिट को पूर्ण करना अनिवार्य है। कार्यक्रम की संपूर्ण अवधि 06 सेमेस्टर अथवा 03 वर्ष में 120 क्रेडिट को पूर्ण न करने की दशा में उनका कार्यक्रम पूर्ण नहीं माना जाएगा।

(ख) स्नातक वाणिज्य कार्यक्रम (बी.कॉम)

स्नातक वाणिज्य वर्ग के शिक्षार्थी को 4–4 क्रेडिट के तीन अनिवार्य प्रश्नपत्र प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में पढ़ना अनिवार्य है। विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्क्रम के अन्तर्गत शिक्षार्थी को 4–4 क्रेडिट के एक–एक प्रश्नपत्र का चयनकर तीनों वर्षों में अध्ययन करना होगा। इस प्रकार विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम, (4 क्रेडिट) द्वितीय (4 क्रेडिट) एवं तृतीय वर्षमें (4 क्रेडिट) को पूर्ण करना अनिवार्य होगा।

वैकल्पिक कौशल विकास कार्यक्रमों के अन्तर्गत 4–4 क्रेडिट के प्रश्नपत्रों का चयन कर एक प्रश्न–पत्र प्रथम एवं

एक प्रश्न–पत्र द्वितीय वर्ष में अध्ययन करना अनिवार्य है। तृतीय वर्ष में 4–4 क्रेडिट के प्रायोगात्मक कार्य एवं मौखिकी परिक्षा देना अनिवार्य होगा।

इस प्रकार शिक्षार्थी को प्रथम वर्ष में 40 क्रेडिट, द्वितीय वर्ष में 40 क्रेडिट तथा तृतीय वर्ष में भी 40 क्रेडिट को पूर्ण करना अनिवार्य है। सम्पूर्ण कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए 120 क्रेडिट को पूर्ण करना अनिवार्य है। 120 क्रेडिट को पूर्ण न करने की दशा में उनका कार्यक्रम पूर्ण नहीं माना जाएगा। शिक्षार्थी को अपने कार्यक्रम अवधि के दौरान ही नॉन–क्रेडिट प्रश्न–पत्रों को भी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। नॉन–क्रेडिट प्रश्न–पत्रों को पूर्ण न करने की दशा में शिक्षार्थी का पाठ्यक्रम पूरा नहीं माना जायेगा तथा उसे उपाधि प्रदान नहीं की जाएगी।

(ग) स्नातक विज्ञान कार्यक्रम (बी0एससी0)

स्नातक उपाधि स्तर के स्नातक विज्ञान कार्यक्रम को पूरा करने के लिए न्यूनतम अवधि तीन वर्ष है। स्नातक विज्ञान कार्यक्रम में प्रत्येक शिक्षार्थी को कुल 120 क्रेडिट के पाठ्यक्रम का अध्ययन तीन वर्ष में करना अनिवार्य है। इसके अन्तर्गत शिक्षार्थी को अपने चयनित तीनों विषयों से अलग–अलग 20 क्रेडिट का अध्ययन प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्षमें करना अनिवार्य है। शिक्षार्थी को 04 क्रेडिट के प्रश्नपत्र को पूर्ण करने के लिए एक से अधिक प्रश्नपत्रों का चयन करना होगा। विषयकेन्द्रित अनिवार्य प्रश्नपत्रों के 04–04 क्रेडिट को पूर्ण करने के लिए प्रथम वर्ष में तीनों विषयों के समूह– एक में अंकित सभी प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना होगा। द्वितीय वर्षमें तीनों विषयों के विषय केन्द्रित अनिवार्य प्रश्नपत्रों के 04–04 क्रेडिट को पूर्ण करने के लिए समूह– दो में अंकित सभी प्रश्नपत्रों का तथा उसी प्रकार तृतीय वर्ष में समूह–तीन में अंकित सभी प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना होगा। इसके साथ ही तीनों विषयों के एक–एक विषय केन्द्रित वैकल्पिक प्रश्नपत्र (04 क्रेडिट) को प्रथम वर्ष में, द्वितीय वर्ष में तथा तृतीय वर्षमें समूह–चार से लेना होगा। विषयकेन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम का चयन तीनों विषयों के लिए समूह–चार में अंकित प्रश्न पत्रों से करना है। विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम विषयका वैकल्पिक प्रश्न–पत्र प्रथम वर्ष में समूह–चार से, द्वितीय विषय का वैकल्पिक प्रश्न पत्र द्वितीय वर्ष में समूह–चार से, तथा तृतीय विषय का वैकल्पिक प्रश्नपत्र समूह–चार से तृतीय वर्ष में पढ़ना होगा। समूह–चार के अन्तर्गत 08 क्रेडिट को पूर्ण करने के लिए किन्हीं दो प्रश्नपत्रों का चयन करना होगा।

कौशल विकास से सम्बन्धित वैकल्पिक पाठ्यक्रमों को पूर्ण करने के लिए द्वितीय एवं तृतीय वर्षमें 4–4 क्रेडिट के दो प्रश्न–पत्रों का चयन अपने अध्ययन हेतु शिक्षार्थी को करना आवश्यक है।

इस प्रकार शिक्षार्थी को प्रथम वर्ष में 40 क्रेडिट, द्वितीय वर्ष में 40 क्रेडिट तथा तृतीय वर्ष में 40 क्रेडिट के प्रश्न–पत्रों का चयन करते हुए अपने क्रेडिट को पूर्ण करना अनिवार्य है। इस प्रकार स्नातक विज्ञान कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए कुल 120 क्रेडिट के प्रश्नपत्रों को पूर्ण करना अनिवार्य है। तीनों वर्षों में 120 क्रेडिट को पूर्ण न करने की दशा में उनका कार्यक्रम पूर्ण नहीं माना जायेगा। शिक्षार्थी को अपने कार्यक्रम अवधि में ही नॉन–क्रेडिट प्रश्नपत्रों को भी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। नॉन–क्रेडिट प्रश्नपत्रों को पूर्ण न करने की दशा में शिक्षार्थी का पाठ्यक्रम पूरा नहीं माना जायेगा तथा उसे स्नातक विज्ञान (BSc.) उपाधि प्रदान नहीं की जाएगी।

स्नातक विज्ञान कार्यक्रम की संयुक्तियाँ

शिक्षार्थी जो स्नातक विज्ञान का अध्ययन करना चाहते हैं, उन्हें निम्न संयुक्तियों में से किसी एक को चयन करने की सुविधा होगीः–

1. Botany, Zoology, Chemistry
2. Botany, Zoology, Biochemistry
3. Botany, Chemistry, Environmental Science
4. Botany, Zoology, Environmental Science
5. Zoology, Chemistry, Environmental Science
6. Botany, Biochemistry, Environmental Science
7. Zoology, Biochemistry, Environmental Science
8. Physics, Chemistry, Mathematics
9. Physics, Chemistry, Statistics
10. Physics, Mathematics, Computer Science

11. Physics, Mathematics, Statistics
12. Physics, Statistics, Computer Science
13. Mathematics, Statistics, Computer Science
14. Physics, Chemistry, Environmental Science
15. Physics, Computer Science, Environmental Science
16. Physics, Statistics, Environmental Science
17. Physics, Mathematics, Environmental Science

प्रत्येक विषय में निर्धारित प्रयोगात्मक कार्य अनिवार्य रूप से करना होगा (गणित के अतिरिक्त)। निर्धारित प्रयोगात्मक कार्य किए बिना परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सामान्यतः प्रत्येक पाठ्यक्रम में कम से कम 25% प्रयोगात्मक कार्य अनिवार्य रूप से करना होगा।

(ड़) व्यवसाय प्रशासन में स्नातक (बी.बी.ए.)

व्यवसाय प्रशासन में स्नातक (BBA) कार्यक्रम के शिक्षार्थियों को अपने कार्यक्रम के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में 20–20 क्रेडिट के विषय केन्द्रित अनिवार्य पाठ्यक्रम को पूर्ण तथा योग्यता प्रदायी पाठ्यक्रम तथा कौशल विकास कार्यक्रमों का अध्ययन करना होता है।

(च) पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (बी.एल.आई.एस.)

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (BLIS) कार्यक्रम के शिक्षार्थी को प्रथम तथा द्वितीय दोनों सेमेस्टरों में 04–04 क्रेडिट के पाँच–पाँच अनिवार्य प्रश्न–पत्रों का तथा कौशल विकास पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में एक–एक वैकल्पिक प्रश्नपत्र का चयन कर अध्ययन करना होगा। इस प्रकार प्रथम सेमेस्टर में 24 क्रेडिट तथा द्वितीय सेमेस्टर में 24 क्रेडिट अर्थात् कुल 48 क्रेडिट को पूर्ण करने पर ही कार्यक्रम पूर्ण माना जाएगा। नॉन क्रेडिट कार्यक्रम को पूर्ण न करने की दशा में कार्यक्रम को पूर्ण नहीं माना जाएगा एवं शिक्षार्थी को उपाधि प्रदान नही की जाएगी।

(vi) स्नातकोत्तर कार्यक्रम

(क) स्नातकोत्तर कला कार्यक्रम (एम0ए0)

विश्वविद्यालय के अन्तर्गत निम्नलिखित विषयों में स्नातकोत्तर कला की उपाधि प्रदान की जाती हैः–

क्रम सं.	विषय का नाम	क्रम सं.	विषय का नाम
1	हिन्दी (Hindi)	2	अंग्रेजी (English)
3	इतिहास (History)	4	समाजशास्त्र (Sociology)
5	राजनीतिशास्त्र (Political Science)	6	अर्थशास्त्र (Economics)
7	शिक्षाशास्त्र (Education)	8	सांख्यिकी (Statistics)
9	दर्शनशास्त्र (Philosophy)	10	संस्कृत (Sanskrit)
11	समाज कार्य (Social Work)	12	उर्दू (Urdu)
13	भूगोल (Geography)	14	योग (Yoga)

स्नातकोत्तर कला कार्यक्रमों में पाठ्यक्रम चयन की विधि एवं रूपरेखाः–

स्नातकोत्तर कला कार्यक्रमों में स्नातक उपाधि प्राप्त अभ्यर्थी स्नातकोत्तर कला कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं। स्नातकोत्तर कार्यक्रम की संरचना को चार सेमेस्टरों में विभाजित किया गया है। इसकी परीक्षा सेमेस्टर प्रणाली आधार पर

आयोजित कराई जाती है तथा तदनुसार परीक्षा परिणाम घोषित किए जाते हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय एवं सत्रांत परीक्षा होती है।

स्नातकोत्तर कला कार्यक्रम (M.A.) के शिक्षार्थी को अपने चयनित विषय के पाँच अनिवार्य प्रश्न–पत्रों का प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टरों में अध्ययन करना होता है। प्रत्येक प्रश्नपत्र चार क्रेडिट का होता है। इन प्रश्न पत्रों में लघु शोध प्रबंध, साहित्यिक सर्वेक्षण तथा मौखिक और परियोजना कार्य भी सम्मिलित है। सेमेस्टर में 20 क्रेडिट के अर्थात 4–4 क्रेडिट के पाँच पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करना होता है। सम्पूर्ण कार्यक्रम को उत्तीर्ण करने के लिए शिक्षार्थी को कुल 80 क्रेडिट का पाठ्यक्रम पूर्ण करना अनिवार्य है।

(ख) स्नातकोत्तर वाणिज्य कार्यक्रम (एम.काम.)

स्नातकोत्तर वाणिज्य कार्यक्रम में प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी संकाय में तीन वर्षीय स्नातक उपाधि है। स्नातकोत्तर वाणिज्य कार्यक्रम दो वर्ष का है और शिक्षार्थी को प्रति वर्ष प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय एवं सत्रांत परीक्षा देनी होगी। शिक्षार्थी को कार्यक्रम पूर्ण करने के लिए कुल 80 क्रेडिट पूर्ण करना होगा।

(ग) स्नातकोत्तर विज्ञान कार्यक्रम (एम.एस.–सी.)

मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा चार विषयों में स्नातकोत्तर विज्ञान कार्यक्रम संचालित कर रहा हैं। सभी कार्यक्रम सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित है

1. **जैव रसायन (Biochemistry) Eligibility : जैव रसायन (Biochemistry) Eligibility :** Three year Bachelor degree with concerned subject. [B.Sc.(Bio)/B.Sc.(Honours) with Chemistry as one of the subject OR Biochemistry/Microbiology/Biotechnology at B.Sc. Level]. Or any 4-Years Graduate Degree in Medical Science.
2. **सांख्यिकी (Statistics) Eligibility :** Any Bachelor Degree (10+2+2 OR 10+2+3 OR 10+2+4) with Mathematics/ Statistics/ Computer Science as one of the subject/paper and Mathematics in 10+2 level.
3. **फूड एण्ड न्यूट्रीशन (Food and Nutrition) Eligibility :** Bachlelor degree in concern subject (Bsc.(Bio) B.sc (Honors) with Home science community science /Human Nutrition /Nutritional Science/ Biochemistry/Biotechnology/Zoology/Biology as one of the subject)Bsc.Home science/Bsc.human nutrition /Bsc.community Nutrition Or any Graduate Degree in medical sciences/Allopathy- MBBS, Graduates of Ayush systeam of medicine - BAMS,BHMS, BUMS, Naturopathy, Yoga science Siddha
4. **कम्प्यूटर सांइस (Computer Science) Eligibility :** Bachelor degree with Computer Science/Information Technology/Computer applications.

स्नातकोत्तर विज्ञान कार्यक्रमों में पाठ्यक्रम चयन की विधि एवं रूपरेखाः–

स्नातक विज्ञान (तीन वर्षीय) उपाधि प्राप्त शिक्षार्थी स्नातकोत्तर विज्ञान कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं। स्नातकोत्तर विज्ञान कार्यक्रम दो वर्षका है। प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय एवं सत्रांत परीक्षा वर्षके अन्त में कराई जायेगी। समयानुसार प्रायोगिक कार्य (Laboratory Work) आयोजित किया जायेगा। वर्षके अन्त में इसमें भी प्रयोगात्मक परीक्षा कराई जायेगी। पाठ्यक्रम की रूपरेखा निम्नवत है :

स्नातकोत्तर विज्ञान कार्यक्रम में शिक्षार्थी द्वारा प्रथम वर्षमें 40 क्रेडिट के कार्यक्रम को तथा द्वितीय वर्ष में भी 40 क्रेडिट के कार्यक्रम को उत्तीर्ण करना होता है। सम्पूर्ण कार्यक्रम को उत्तीर्ण करने के लिए शिक्षार्थी को कुल 80 क्रेडिट के पाठ्यक्रम को पूर्ण करना अनिवार्य है। 80 क्रेडिट पूर्ण न करने एवं इंगित नॉन क्रेडिट पाठ्यक्रम को पूर्ण न करने पर कार्यक्रम पूर्ण नहीं माना जाता है।

(घ) पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम.एल.आई.एस.)

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (MLIS) कार्यक्रम के शिक्षार्थियों को प्रथम तथा द्वितीय दोनों सेमेस्टरों में 04–04 क्रेडिट के चार–चार अनिवार्य प्रश्नपत्रों का तथा विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 04–04 क्रेडिट के एक–एक प्रश्नपत्र का चयन कर अध्ययन करना होगा। इस प्रकार प्रथम सेमेस्टर में 20 क्रेडिट तथा

द्वितीय सेमेस्टर में 20 क्रेडिट अर्थात् कुल 40 क्रेडिट को पूर्ण करने पर कार्यक्रम पूर्ण माना जाएगा।

(च) पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (एम.ए.जे.एम.सी.)

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (MAJMC) कार्यक्रम के शिक्षार्थी को अपने कार्यक्रम के दोनो वर्षो के प्रत्येक सेमेस्टर में 04–04 क्रेडिट के चार विषय केन्द्रित अनिवार्य प्रश्न–पत्र तथा 04 क्रेडिट के एक विषय केन्द्रित फील्ड रिपोर्टिंग सर्वेक्षण/प्रोजेक्ट प्रथम तीन सेमेस्टर में चयन कर अध्ययन करना होगा। इसके साथ ही चतुर्थ सेमेस्टर में एक लघु शोध एवं मौखिकी आवश्यक होगा। प्रत्येक सेमेस्टर में 20–20 क्रेडिट को पूर्ण करते हुए कुल 80 क्रेडिट के पाठ्यक्रम को पूर्ण करना अनिवार्य होगा। 80 क्रेडिट के पाठ्यक्रम को पूर्ण किए बिना कार्यक्रम को पूर्ण नहीं माना जाएगा तथा शिक्षार्थी को किसी भी दशा में उपाधि प्रदान नहीं की जायेगी।

(vii) अधिगम संसाधन

दूरस्थ शिक्षा एक ऐसी विधा है जो संसाधनों पर आधारभूत है। शिक्षा की इस विधा में कक्षा में आमने–सामने बैठकर अध्ययन–अध्यापन कार्य नहीं किया जाता है वरन् इसके स्थान पर अधिगम संसाधनों द्वारा शिक्षार्थी सीखता है। 'स्वाध्याय, स्वावलम्बन तथा स्वमंथन' दूरस्थ शिक्षा के तीन आधार स्तम्भ हैं। इस विधा में शिक्षार्थी स्वयं अध्ययन–मनन करके सीखता है और उसके मन में उठने वाली जिज्ञासाओं एवं शैक्षिक समस्याओं का परामर्श सत्रों द्वारा निवारण किया जाता है। इस विधा में शिक्षक तथा शिक्षार्थी के मध्य भौगोलिक दूरी होती है। पाठ्य सामग्री एवं अधिगम संसाधनों द्वारा भी शिक्षार्थी को अध्ययन में सहायता मिलती है।

(Vii) स्व–अध्ययन सामग्री

दूरस्थ शिक्षा की रीढ़ कही जाने वाली स्व अध्ययन सामग्री दूरस्थ शिक्षार्थियों के लिए शिक्षक का विकल्प होती है। स्व–अध्ययन सामग्री शिक्षक के स्थान पर शिक्षार्थी को अध्ययन के लिए प्रेरित करती है तथा उसका मार्गदर्शन करती है। स्व अध्ययन सामग्री के निर्माण में विषेष ध्यान रखा जाता है कि अध्ययन सामग्री की विषयवस्तु तथा भाषा आदि शिक्षार्थियां की क्षमता एवं स्तर के अनुरूप हो, जिससे वह शिक्षाथीमें शिक्षा के प्रति रूचि एवं जिज्ञासा उत्पन्न कर सके। सामग्री लेखन से पूर्व पाठ्यक्रम का निर्धारण कार्यक्रम के स्तर एवं शिक्षार्थी की अहर्ता–क्षमता का आकलन कर किया जाता है। इस कार्य के लिए विद्वानों एवं दक्ष विषय विशेषज्ञों की समिति गठित की जाती है, जिससे स्व अध्ययन सामग्री का निर्माण उच्च कोटि का हो। समय समय पर पाठ्य सामग्री की उपयोगिता एवं गुणवत्ता बनाये रखने के लिए पाठ्य –सामग्री का पुनर्निरीक्षण तथा संषोधन कर उसे अद्यतन किया जाता है।

छात्र केन्द्रित व्यवस्था के अन्तर्गत शिक्षार्थी अपनी इच्छानुसार कही भी बैठकर स्व अध्ययन कर सकता है। इसके लिए भी विश्वविद्यालय तीव्र गति से प्रयासरत हैं कि पाठ्य सामग्री को सी0डी0 (साफ्ट कापी) के रूप में भी उपलब्ध कराया जा सके तथा उसे ऑन लाइन उपलब्ध कराया जा सके।

(ix) विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित स्व–अध्ययन सामग्री

विश्वविद्यालय सत्र 2024–25 में भी पाठ्य–सामग्री के निर्माण की दिशा में तीव्रता से कार्य कर रहा है। इस सत्र में परास्नातक 130, स्नातक के 74 और डिप्लोमा/सर्टिफिकेट/जागरुकता कार्यक्रम के 22 स्वअध्ययन सामग्री का नवीन मुद्रण हेतु प्रेषित किया गया। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर के अनेक कार्यक्रमों की पाठ्य–सामग्रियों का निर्माण विश्वविद्यालय द्वारा तीव्रता से कराया जा रहा है। कई कार्यक्रमों की पाठ्य–सामग्रियों का लेखन पूर्ण हो चुका है तथा उनका परिमापन किया जा रहा है। पाठ्य–सामग्री निर्माण के लिए अलग–अलग विषयों के अध्ययन बोर्डों का गठन किया गया है जिससे समिति के सदस्यों द्वारा पाठ्यक्रमों का अवलोकन एवं आधुनिकीरण किया जा सके। विश्वविद्यालय में कई कार्यक्रमों की पाठ्य–सामग्रियॉ हिन्दी–अंग्रेजी दोनों माध्यमों में उपलब्ध हैं तथा ऐसे विषय है, जिनकी पाठ्य सामग्री किसी एक माध्यम में ही उपलब्ध हैं।

(x) अन्य अधिगम संसाधन

दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली मुख्यतया अधिगम संसाधनों पर निर्भर करती है। इनमें स्व–अध्ययन सामग्री का स्थान मुख्य होता है। किन्तु इसके साथ–साथ अन्य अधिगम संसाधनों द्वारा भी प्रदान की जाती है। अध्ययन सामग्री द्वारा अध्ययन करने से पूर्व शिक्षार्थी में अध्ययन की कौशल क्षमता विकसित होनी चाहिए जिससे वह स्वयं अध्ययन के द्वारा सीख सके। अधिगम प्रक्रिया को त्वरित एवं सरल बनाने के लिए अन्य संसाधनों का प्रयोग दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षण विधा में अनिवार्य है। इसके लिए विश्वविद्यालय विभिन्न स्तरों पर प्रयास कर रहा है।

शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय समय–समय पर कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों का आयोजन

करता है। जिसमें प्रतिभाग कर शिक्षार्थी अपने ज्ञान में अभिवृद्धि करते हैं। विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यानमालाएँ भी शिक्षार्थियों में शिक्षा के प्रति अभिरुचि जाग्रत करती हैं तथा ज्ञान में वृद्धि करती है। इसी क्रम में सत्र 2024–25 में विश्वविद्यालय द्वारा कई कार्यशालाएँ तथा व्याख्यानमालाएँ आयोजित की गई।

4. शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ
(Learner Support Services)

शिक्षा का सरोकार शिक्षार्थी में विचारों का खुलापन एवं विभिन्न संस्कृतियों की समझ विकसित करना है, जिससे वह विभिन्न प्रकार के सामाजिक परिवर्तनों को तुलनात्मक रूप से परखते हुए सामाजिक व्यवस्था में हुए नवीन परिवर्तनों को खुले विचारों से स्वीकार कर सके। उस दृष्टिकोण से मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली अत्यन्त ही सशक्त माध्यम है। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षार्थियों को गुणवत्तापरक, मूल्यपरक तथा व्यवसायपरक शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्प है। दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली परम्परागत शिक्षा प्रणाली से पूर्णतया भिन्न है। अतः स्वाभाविक रुप से उच्च शिक्षा की परम्परागत शिक्षण पद्धति की नियमावली सभी शिक्षार्थियों के अनुकूल नहीं होगी। ऐसी स्थिति में समाज का एक बहुत बड़ा हिस्सा लगातार या तो अशिक्षित बना रहा या अल्प शिक्षा ग्रहण कर पढ़ाई बीच में ही छोड़ दिया। विकल्प स्वरुप दूरस्थ शिक्षा पद्धति का प्रादुर्भाव हुआ। दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था में शिक्षार्थी को शिक्षक के सामने कक्षा में बैठकर अध्ययन नहीं करना होता है, बल्कि उसे स्वअध्ययन सामग्री की सहायता से घर बैठे ही स्वयं अध्ययन करना होता है। आवश्यकता पड़ने पर अपने अध्ययन केन्द्र पर आयोजित परामर्श सत्रों में प्रतिभाग कर समस्याओं का समाधान सुयोग्य परामर्शदाताओं/शिक्षकों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है। परम्परागत शिक्षण व्यवस्था में अध्यापक केन्द्र में होता है जबकि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली की संरचना शिक्षार्थी केन्द्रित होती है। अतः दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में शिक्षार्थी सहायता सेवाओं का महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षार्थी सहायता सेवाओं के महत्वपूर्ण प्रमुख घटक निम्नवत हैं :–

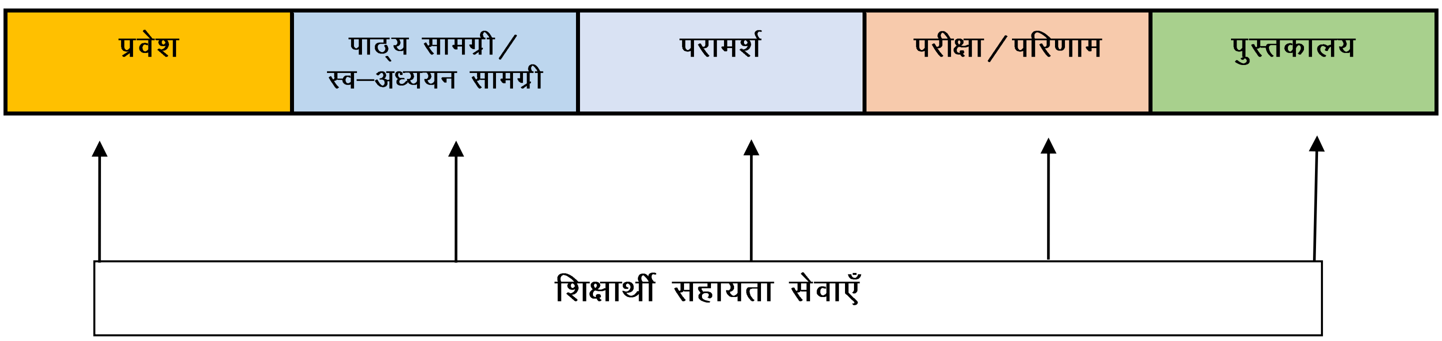

शिक्षार्थी सहायता सेवा के प्रभावी घटक

विश्वविद्यालय ने शिक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शिक्षार्थी सहायता सेवाओं के सभी घटकों को पूर्णतया आनलाईन कर दिया है, जिससे शिक्षार्थी घर बैठे पठन–पाठन से सम्बन्धित सुविधा का लाभ उठा सके। शिक्षार्थी सहायता सेवाओं के महत्वपूर्ण घटकों का विवेचन निम्नवत वर्णित हैं :

(क) प्रवेश

1. प्रवेश प्रक्रिया

विश्वविद्यालय में वर्ष पर्यन्त प्रवेश की व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत सम्पूर्ण प्रवेश प्रक्रिया को पूर्णतया ऑनलाइन पूरा करना होता है। सभी कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु कभी भी आवेदन किया जा सकता है किन्तु पठन–पाठन एवं परीक्षा की सुचारु व्यवस्था हेतु पूरे वर्ष में हुए प्रवेश को दो सत्रों में विभाजित किया गया है।

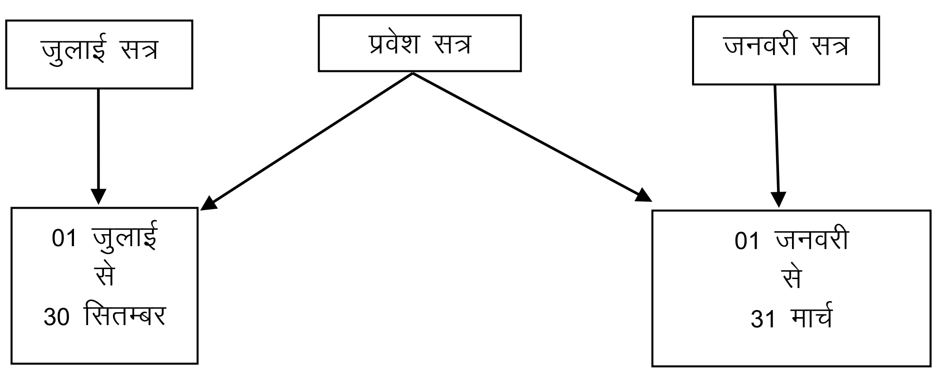

प्रवेश, परामर्श एवं अन्य शैक्षिक गतिविधियों को सर्वसुलभ बनाने एवं सुचारु रुप से संचालित करने हेतु प्रदेश भर में लगभग कुल 1496 शिक्षार्थी सहायता केन्द्र (अध्ययन केन्द्र) स्थापित किये गये हैं। यह अध्ययन केन्द्र प्रदेश के महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में संचालित होते हैं जहां कम्प्यूटर, इण्टरनेट, शिक्षक, शिक्षण कक्ष, पुस्तकालय आदि सुविधायें उपलब्ध होती हैं। प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों को अध्ययन केन्द्र के रुप में भी विस्तारित करते हुए उनके दायित्वों को और बढ़ा दिया गया है।

(i) प्रवेश सम्बन्धी सूचना के स्रोत

विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2024–25 में पूर्व सत्र की ही भांति से 96 कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन आमन्त्रित किए गए। सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में अवस्थित 1496 केन्द्रों के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की गयी। शिक्षार्थी अपनी सुविधानुसार स्वतः या अपने द्वारा चयनित अध्ययन केन्द्र के माध्यम से आनलाइन आवेदन कर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। सत्र 2024–25 के सभी सामान्य कार्यक्रमों के लिए प्रवेश सूचना विवरणिका का मुद्रण कराया गया। प्रवेश सूचना विवरणिका का उद्देश्य केवल शिक्षार्थियों को प्रवेश एवं कार्यक्रम चयन सम्बन्धी नियम/सूचना प्रदान करना है। शिक्षार्थियों की सुविधा के लिए प्रवेश सूचना विवरणिका की हार्डकापी के साथ ही सॉफ्ट कापी भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड है। शिक्षार्थी प्रवेश सम्बन्धी नियमों/प्रावधानों के अनुरुप ही आनलाइन प्रवेश हेतु आवेदन करते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा एम0बी0ए0, एम0सी0ए0, बी0एड0 तथा बी0एड0 विशिष्ट शिक्षा कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु अलग से प्रवेश सूचना विवरणिका मुद्रित कराई गयी। शिक्षार्थी को इन कार्यक्रमों में भी प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन करना होता है।

(ii) प्रवेश पद्धति

(1) विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को प्रवेश आवेदन फार्म पर ऑनलाइन आवेदन करना होता है। प्रवेश फार्म के साथ सभी श्रेणी/वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए को उनके द्वारा चयनित कार्यक्रम हेतु निर्धारित प्रवेश शुल्क ऑनलाइन माध्यम से जमा कर समस्त प्रवेश प्रक्रिया ऑनल लाइन पूर्ण करनी होती है।

(2) प्रवेशार्थी को ऑन लाइन प्रवेश फार्म के प्रिण्टआउट के साथ अपेक्षित शैक्षिक योग्यता के स्वहस्ताक्षरित एवं प्रमाणित अंकपत्र एवं प्रमाण–पत्र के साथ ही ई चालान की विश्वविद्यालय प्रति तथा एण्टी रैगिंग शपथ–पत्र को पूरित करते हुए मूल रूप में संलग्न करना होता है। इसके अलावा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत जाति/वर्ग प्रमाणपत्र संलग्न करना अनिवार्य है। प्रवेश फार्म समस्त संलग्नकों सहित अपने चयनित अध्ययन केन्द्र से सत्यापित कराकर विश्वविद्यालय में जमा करना होता है।

(3) प्रत्येक कार्यक्रम के लिए प्रवेश हेतु अभ्यर्थी को अलग–अलग प्रवेश आवेदन फार्म उसी प्रकार ऑनलाइन भरने होते हैं तथा शेष प्रक्रियायें भी उसी समय अलग से की जानी होती हैं।

(4) प्रवेश के लिए प्राप्त ऑनलाइन प्रवेश आवेदन पत्रों के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश–सूची घोषित की जाती है। जिसकी सूचना अभ्यर्थी को अध्ययन केन्द्र द्वारा उपलब्ध करायी जाती है। विश्वविद्यालय द्वारा घोषित सूची ही वैध एवं मान्य होती है। शिक्षार्थी को उसके द्वारा माँगे गए अध्ययन केन्द्र का आवंटन न होने की स्थिति में निकटस्थ अन्य अध्ययन केन्द्र आवंटित कर अभ्यर्थी को उसके आवेदन पत्र में दिये गये पत्राचार के पते पर सूचना दी जाती है, जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा आबंटित अध्ययन केन्द्र का उल्लेख होता है। संदर्भित सत्र में SMS के माध्यम से भी प्रवेश सूचनायें प्रेषित की गयी थी।

(5) शिक्षार्थी के प्रवेश प्राप्त करने के उपरान्त यदि विश्वविद्यालय को ज्ञात होता है कि सम्बन्धित शिक्षार्थी ने ऑनलाइन आवेदन फार्म में गलत सूचना प्रविष्ट की है या गलत शैक्षिक प्रमाण–पत्र लगाया है तो उसकी पुष्टि होने पर उसका प्रवेश बिना किसी सूचना के निरस्त कर दिया जाता है और उसके द्वारा जमा किया गया शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं होता। गलत सूचना के आधार पर प्रवेश प्राप्त करने की दशा में विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षार्थी के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करने का भी विधान है। इसलिए ऑनलाइन प्रवेश फार्म भरते समय शिक्षार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे विशेष सावधानी एवं सतर्कता के साथ सही सूचना का ही उल्लेख करें।

ऑन लाइन प्रवेश आवेदन फार्म भरने हेतु मुख्य बिन्दु

- ❖ शिक्षार्थी ऑनलाइन प्रवेश आवेदन से सम्बन्धित सभी जानकारियाँ सूचना विवरणिका से प्राप्त कर सकते हैं।
- ❖ सर्वप्रथम ऑनलाइन प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.uprtou.ac.in** पर दिए गए लिंक के

जरिए बैंक चालान को जनरेट किया जाता है।

- ❖ प्रवेश आवेदन लिंक में निम्न जानकारियाँ उपलब्ध हैं:

  (a) ई–सूचना विवरणिका;

  (b) कार्यक्रम का विवरण;

  (c) ऑनलाइन प्रवेश आवेदन प्रक्रिया के लिए दिशा–निर्देश; तथा

  (d) ऑनलाइन प्रवेश के लिए चालान जनरेशन लिंक

- ❖ शुल्क का भुगतान ई–पेमेण्ट के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है।
- ❖ शिक्षार्थी को अपने ऑनलाइन भरे गये फार्म का प्रिन्टआउट निकालकर निम्न कार्य करना होता है:

  (I) फार्म में पूछी गई शेष जानकारियों को फार्म में भरना।

  (II) सम्बन्धित स्थान पर पासपोर्ट आकार के फोटो को चस्पा करना।

  (III) हस्ताक्षर वाले स्थान पर स्पष्ट हस्ताक्षर करना।

  (IV) द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के शिक्षार्थी अपना ऑन लाइन प्रवेश आवेदन फार्म भरते समय निर्धारित स्थान पर अपनी नामांकन संख्या अनिवार्य रूप से भरना।

- ❖ शिक्षार्थी अपने अध्ययन के लिए चयनित अध्ययन केन्द्र पर अपना आवेदन फार्म निम्न संलग्नक के साथ जमा करेंगे–

  (I) सम्बन्धित योग्यता प्रदायी शैक्षिक अभिलेख की प्रमाणित छाया प्रति एवं मूल एण्टी रैगिंग शपथ–पत्र।

- ❖ अध्ययन केन्द्र समन्वयक द्वारा शिक्षार्थी के प्रवेश फार्म के सत्यापन एवं कन्फर्मेशन की प्रक्रिया पूर्ण करते ही प्रथम वर्ष के शिक्षार्थी को उसके दिये गये मोबाइल नम्बर पर एस.एम.एस. से उसके नामांकन संख्या सहित प्रवेश सुनिश्चित होने की जानकारी उपलब्ध हो जाएगी।
- ❖ शिक्षार्थी अपनी नामांकन संख्या को विश्वविद्यालय की वेबसाइट के लिंक पर प्रविष्टि करके अपने भरे हुए फार्म का प्रिन्टआउट निकाल सकेंगे।
- ❖ फार्म में त्रुटि होने पर शिक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिए गए संशोधन लिंक में जाकर सही सूचना की प्रविष्टि कर सकते हैं, परन्तु उसमें संशोधन विश्वविद्यालय के प्रवेश अनुभाग द्वारा ही शिक्षार्थी के मूल अभिलेखों के जाँचोपरान्त किया जाएगा।
- ❖ शिक्षार्थी को ऑनलाइन प्रवेश फार्म के साथ ही एण्टी रैगिंग शपथ पत्र फार्म को भी भरना अनिवार्य है। इस फार्म को न भरने पर शिक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
- ❖ बैक परीक्षा हेतु भी ऑन लाइन परीक्षा फार्म भरकर उसे अपने अध्ययन केन्द्र के माध्यम से प्रेषित करना होता है।

(2) प्रवेश से सम्बन्धित उपलब्ध सुविधाएँ

(i) एक से अधिक कार्यक्रम में प्रवेश लेने की सुविधा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के किसी कार्यक्रम के प्रवेशार्थी/शिक्षार्थी अन्य विश्वविद्यालय में भी छात्र रह सकते हैं, परन्तु उसी प्रकृति अर्थात् उसी स्तर के उपाधि, डिप्लोमा एवं प्रमाण–पत्र के कार्यक्रम में प्रवेश नहीं ले सकते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति अथवा दूरस्थ एवं परम्परागत शिक्षा पद्धति से उसी विश्वविद्यालय अथवा विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थाओं में कोई भी अध्ययनरत शिक्षार्थी निम्न संयोजन के अनुसार कार्यक्रमों में प्रवेश लेने का विकल्प चुन सकता है:–

1. एक डिग्री एवं एक डिप्लोमा/परास्नातक डिप्लोमा/प्रमाण पत्र कार्यक्रम
2. एक परास्नातक डिप्लोमा एवं डिप्लोमा/प्रमाण–पत्र कार्यक्रम
3. एक डिप्लोमा एवं एक प्रमाण–पत्र कार्यक्रम

4. दो डिप्लोमा कार्यक्रम

5. दो प्रमाण–पत्र कार्यक्रम

(ii) कार्यक्रम अवधि में शिथिलता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों में न्यूनतम एवं अधिकतम अवधि का प्रावधान किया गया है। शिक्षार्थी अपनी सुविधानुसार न्यूनतम एवं अधिकतम अवधि के बीच अपने कार्यक्रम हेतु अनुमन्य प्रश्न पत्रों की परीक्षा देकर अपना कार्यक्रम पूर्ण कर सकता है।

(iii) पुनः पंजीकरण

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों के लिए न्यूनतम तथा अधिकतम अवधि दूरस्थ शिक्षा पद्धति के मानकानुसार निर्धारित की गयी है। अधिकतम अवधि में यदि शिक्षार्थी कार्यक्रम को पूर्ण नहीं कर पाता है परन्तु वह उस कार्यक्रम को पूर्ण करना चाहता है तो उसे नियमानुसार पुनः पंजीकरण कराना होता है। इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए शिक्षार्थी को कार्यक्रम शुल्क का 20 प्रतिशत राशि जमा करना होता है। कार्यक्रम की अधिकतम अवधि समाप्त हो जाने के उपरान्त शिक्षार्थी द्वारा पूर्ण किए गए क्रेडिट को संरक्षित रखा जाता है तथा शेष क्रेडिट को पूर्ण करने के लिए निर्धारित पाठ्यक्रमों के अनुसार उसे बैक शिक्षार्थी के रूप में अवशेष प्रश्न पत्रों की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होता है। पुनः पंजीकरण की **अवधि 1 वर्ष** निर्धारित है।

(iv) अध्ययन केन्द्र परिवर्तन की सुविधा

शिक्षार्थी को केन्द्र चयन में सुविधा दी गयी है इसलिए शिक्षार्थी द्वारा चयनित केन्द्र में परिवर्तन की माँग सामान्यतयः स्वीकार नहीं की जायेगी। अध्ययन केन्द्र में परिवर्तन विशेष परिस्थितियों यथा–स्थानान्तरण, चिकित्सीय कारण एवं छात्राओं के विवाह होने अथवा किसी तर्क संगत कारण होने पर ही विचारणीय होगा। **जुलाई सत्र** के शिक्षार्थियों के लिए अध्ययन केन्द्र परिवर्तन **30 अक्टूबर** एवं **जनवरी सत्र** के शिक्षार्थियों के लिए अध्ययन केन्द्र परिवर्तन **30 अप्रैल** तक ही अनुमन्य होंगे। अध्ययन केन्द्र परिवर्तन के लिए निर्धारित तिथि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा। अध्ययन केन्द्र में परिवर्तन के लिए निर्धारित शुल्क रू. 1000/– मात्र का ई–चालान (विश्वविद्यालय की प्रति) आवेदन पत्र के साथ सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के समन्वयक द्वारा अग्रसारित होने पर ही स्वीकार होगा। विशेष परिस्थिति में अध्ययन केन्द्र के परिवर्तन के सम्बन्ध में माननीय कुलपति जी समन्वयक द्वारा बिना अग्रसारित आवेदन पत्र पर भी आदेश दे सकते हैं।

विशेष : नये स्थापित अध्ययन केन्द्रों पर द्वितीय/तृतीय वर्ष में स्थानान्तरण की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी।

(v) कार्यक्रम एवं विषय परिवर्तन की सुविधा

निर्धारित तिथि के बाद कार्यक्रम परिवर्तन एवं विषय परिवर्तन संबंधी आवेदन पत्रों पर निश्चित अवधि तक ही विचार किया जायेगा। इसके साथ ही पूर्व में प्राप्त पाठ्य सामग्री को अध्ययन केन्द्र पर जमा करना होगा। पूर्व में प्राप्त पाठ्य–सामग्री को जमा करने का प्रमाण–पत्र केन्द्र समन्वयक द्वारा अग्रसारित होना चाहिए। अग्रसारित प्रमाण–पत्र प्राप्त न होने की दशा में आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

(vii) शुल्क जमा करने का माध्यम

विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन के माध्यम से शुल्क जमा करने की सुविधा प्रदान की है। शिक्षार्थी क्रेडिट कार्ड, डेबिड कार्ड एवं इण्टरनेट बैंकिग के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क कहीं से भी जमा कर सकता है।

(vii) प्रवेश सूचना विवरणिका एवं प्रवेश फार्म की ऑन–लाइन उपलब्धता

सत्र 2015–2016 से ही सम्पूर्ण प्रवेश प्रक्रिया को पूर्णतया ऑनलाइन कर दी गयी है। शिक्षार्थी ऑनलाइन आवेदन करते हुए अपने चयनित अध्ययन केन्द्र के माध्यम से प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षार्थी की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वर्षपर्यन्त प्रवेश सूचना विवरणिका को विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर अपलोड किया गया है। शिक्षार्थी अपनी सुविधानुसार विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश सम्बन्धी सूचना प्राप्त कर सकते हैं।

(ख) स्व–अध्ययन सामग्री

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा शिक्षण की एक नई पद्धति है। इस पद्धति में शिक्षक एवं शिक्षार्थी के मध्य सम्पर्क परामर्श कक्षाओं, शैक्षणिक संवाद, द्विमार्गी सम्प्रेषण एवं कुछ अन्य सहायक माध्यमों जैसे दृश्य–श्रव्य तकनीक, कम्प्यूटर, टेली

कान्फ्रेन्सिंग आदि द्वारा स्थापित होता है। चूंकि सम्प्रेषण की प्रभावशीलता दूरस्थ शिक्षा की सफलता का प्रमुख आधार है, अतः शिक्षक एवं इस शिक्षा प्रणाली से जुड़े हुए अन्य सभी लोगों के लिए विभिन्न सम्प्रेषण प्रक्रियाओं एवं सिद्धान्तों की जानकारी अत्यन्त आवश्यक है। शिक्षा एवं शिक्षण के विविध पक्ष जैसे पाठ्यक्रम, पाठ्यसामग्री, शिक्षण एवं मूल्यांकन विधियां आदि कुछ निश्चित अधिगम सिद्धान्तों पर अवलम्बित होते हैं। ये सिद्धान्त पूर्व अनुभवों के परिणाम होते हैं जो हमारी वर्तमान एवं भावी जरूरतों को पूर्ण करने में सहायता प्रदान करते हैं। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में शिक्षक एवं शिक्षार्थी के मध्य भौगोलिक दूरी के कारण शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में व्यक्तिगत सम्पर्क की सम्भावना बहुत कम होती है। अतः दूरवर्ती शिक्षा में अधिगम शिक्षक एवं शिक्षार्थी के मध्य अन्तः क्रिया का परिणाम नहीं होता अपितु यह मुद्रित पाठ्यसामग्री एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से सम्पन्न होता है। चूंकि शिक्षार्थी को स्व–अधिगम सामग्री से स्वयं अन्तःक्रिया करके सीखना होता है, अतः दूरस्थ शिक्षण प्रक्रिया में स्व अधिगम सामग्री के निर्माण को विशेष महत्व प्रदान किया जाता है।

स्व–अधिगम सामग्री दूरस्थ शिक्षा का मूल आधार है। इसका प्रमुख उद्देश्य उन शिक्षार्थियों की सहायता करना होता है, जो अपनी परिस्थितियों में स्वतंत्र रूप से सीखते एवं अध्ययन करते हैं। प्रभावशाली अधिगम सामग्री शिक्षार्थियों में अधिगम के प्रति रुचि जागृत करती है। दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी दूर से ही सीखते हैं। वे अपने घर अथवा कार्यस्थल पर रहते हुए अध्यापक तथा अपने सहपाठियों से सम्पर्क एवं विमर्श नहीं कर पाते हैं। अतः दूरस्थ शिक्षा में अध्यापक के विकल्प के रूप में शिक्षार्थी को स्व–अधिगम सामग्री उपलब्ध करायी जाती है।

दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी मुख्यतः शिक्षा संस्थान एवं परामर्शी (शिक्षक) से अधिकांश समय दूर रहने के कारण पाठ्यक्रम के स्वरूप से लेकर शिक्षण तक प्रायः निराश्रित रहता है। उसको न तो परामर्शदाता का निर्देशन प्राप्त होता है और न ही सहपाठियों का सहयोग। अतएव इस कमी को पूरा करने हेतु स्व अधिगम सामग्री को ऐसे संकल्पित किया जाता है कि वह स्वयं में पूर्ण, पर्याप्त तथा स्पष्ट होती है और सहपाठी की तरह यह पाठ्यसामग्री दूरस्थ शिक्षार्थी को सहारा देने के साथ–साथ अधिगम हेतु मार्गदर्शन प्रदान करती है। यह स्व–अध्ययन सामग्री दूरस्थ शिक्षार्थी के अधिगम को सरल बनाकर बाह्य सहायता पर निर्भरता को कम कर देती है।

स्व–अधिगम सामग्री मुख्यतः शिक्षार्थी केन्द्रित होती है, जो दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का मुख्य आधार होती है। इस पद्धति में प्रयोग की जाने वाली पाठ्यसामग्री को निर्धारित प्रारूप में तैयार किया जाता है। इसका अध्ययन करके शिक्षार्थी स्वयं सीखता है इसीलिए इसे स्व अधिगम सामग्री कहा जाता है। स्व अध्ययन सामग्री अपने आप में स्व स्पष्ट, स्व अभिप्रेरित तथा अनौपचारिक रूप से लिखी होती है। अतः दूरस्थ शिक्षार्थी के अध्ययन में स्व अधिगम सामग्री की अहम भूमिका होती है। शिक्षार्थी स्वेच्छानुसार इस पाठ्यसामग्री को किसी भी समय और स्थान पर स्वयं पढ़ एवं सीख सकता है। इसकी प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

स्व व्याख्यात्मक

स्व अधिगम सामग्री (SLMs) की रचना इस प्रकार होती है कि दूरस्थ शिक्षार्थी बिना किसी बाह्य सहायता के आसानी से पढ़, समझ व सीख सकें। उसकी विषयवस्तु, प्रस्तुतीकरण तथा भाषा सरल सुबोध स्पष्ट और प्रभावशाली होती है, स्व–अधिगम सामग्री की रचना करते समय इस बात पर विशेष ध्यान रखा जाता है कि शिक्षार्थियों के पास अध्ययन हेतु पर्याप्त समय होगा और उसे विशेष अध्ययन के लिए अन्य पुस्तकों और अध्यापकों के सहयोग की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

स्व–पूर्ण

स्व अधिगम सामग्री स्वयं में पूर्ण तथा पर्याप्त होती है। इसमें शिक्षार्थी के लिए पाठयक्रम के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अपेक्षित समस्त आवश्यक विषयवस्तु का समावेश होता है। स्व अधिगम सामग्री में शिक्षार्थियों को अध्ययन के प्रत्येक सोपान पर ज्ञान वृद्धि के लिए अतिरिक्त संदर्भित विषयसामग्री के अध्ययन हेतु जरूरी निर्देशन एवं सुझाव दिया होता है।

स्व–निर्देशित

स्व अधिगम सामग्री में शिक्षार्थियों हेतु आवश्यक ज्ञान, कौशल तथा अभिवृत्तियों के स्वयं अर्जन के लिये निर्देशन के साथ–साथ प्रत्येक अवस्था पर आवश्यक मार्गदर्शन, संकेत व सुझाव होते हैं।

स्व–अभिप्रेरित

स्व अधिगम सामग्री में दूरस्थ शिक्षार्थियों में अध्ययन हेतु रुचि तथा अभिप्रेरणा उत्पन्न करने की और उसे बनाये रखने की क्षमता होती है। इस प्रकार अधिगम के प्रत्येक सोपान पर शिक्षार्थी को अभिप्रेरणा और प्रबलीकरण/पुर्नवलन

मिलने की अनुभूति होती है।

स्व–मूल्यांकन

दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी अकेला एवं परामर्शदाता से दूर रहता है। अतः स्व अधिगम सामग्री में शिक्षार्थी के लिए स्व–मूल्यांकन हेतु स्व जांच अभ्यास, मूल पाठ में प्रश्न अभ्यास प्रश्नावली आदि का समावेश रहता है, जिससे शिक्षार्थी को स्व जांच द्वारा समय–समय पर अपनी कमियों की जानकारी द्वारा अधिकाधिक प्रतिपुष्टि प्राप्त हो सके।

दूरस्थ शिक्षा में अधिन्यास

अधिन्यास मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धति में शिक्षक एवं शिक्षार्थी के मध्य द्विमार्गी सम्प्रेषण स्थापित करने का सबसे अधिक महत्वपूर्ण एवं प्रभावी माध्यम तथा सीखने की विधा है। शिक्षण सत्र के दौरान किसी निश्चित समयावधि में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के द्वारा शिक्षार्थी के ज्ञानार्जन में हुई वृद्धि का मापन एवं मूल्यांकन करने वाले उपकरण को अधिन्यास कहते हैं। परम्परागत शिक्षा प्रणाली में शिक्षक एवं शिक्षार्थी के बीच आमने–सामने बैठकर पठन–पाठन की क्रिया सम्पन्न होती है जबकि इस शिक्षा प्रणाली में शिक्षार्थी एवं परामर्शी के मध्य भौगोलिक दूरी होने के कारण शैक्षिक प्रक्रिया विभिन्न प्रकार के संचार माध्यमों से ही सम्भव हो पाती है। छात्रों द्वारा अधिन्यास कार्य को पूरा करना एवं अध्यापक द्वारा उस पर की गयी टिप्पणियां इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान करती हैं। अधिन्यास के माध्यम से सुनिश्चित किया जाता है कि शिक्षार्थी को वह विषयबोध अपेक्षानुसार हो रहा है जो उन्हें पाठ्यसामग्री द्वारा सीखने और समझने के लिए दिया गया था। वास्तव में अधिन्यास मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में शिक्षण अधिगम का वह साधन है, जो अनुभवों को दृढ़ता प्रदान करने, प्रोत्साहन देने व निर्देशित करने का आधार प्रस्तुत करता है।

अधिन्यास कार्य की उपयोगिता

1. दूरस्थ शिक्षा में शिक्षक–शिक्षार्थी के मध्य दोहरे सम्प्रेषण को स्थापित करने के लिये।
2. शिक्षार्थी के अधिगम स्तर की जानकारी प्राप्त करने के लिए।
3. शिक्षार्थी द्वारा अधिन्यास उत्तर पुस्तिका पर दिये गये प्रश्नों के उत्तर पर परामर्शदाता द्वारा प्रदत्त टिप्पणियों के आधार पर शिक्षार्थी के अपने ज्ञानार्जन की वास्तविक स्थिति से अवगत होने के लिए।
4. सत्रान्त परीक्षा से पूर्व तैयारी की स्थिति जानने का अवसर प्रदान करने के लिए।
5. पाठ्यसामग्री हेतु निर्धारित क्रेडिट (श्रेयांक) की पूर्ति हेतु।
6. अध्ययन– अध्यापन की प्रक्रिया में अवरोधक तत्त्वों की जानकारी प्राप्त करने हेतु।

अतः अधिन्यास मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग है, जिसके द्वारा शिक्षार्थी सत्र के दौरान स्वयं घर पर रहकर विभिन्न प्रश्न–पत्रों में स्वमूल्यांकन एवं परीक्षण करता है। परामर्श सत्रों द्वारा विभिन्न विषयों के प्रश्न–पत्रों में छात्र ने क्या सीखा, इसका मापन करने के लिये अधिन्यासों का उपयोग किया जाता है। शिक्षार्थी द्वारा अर्जित ज्ञान का मापन, उसकी कमियों का पता लगाने, ज्ञान प्राप्ति में आने वाली बाधाओं की जानकारी प्राप्त करने, उसकी कठिनाइयों एवं समस्याओं का समाधान करने आदि में अधिन्यास की प्रमुख भूमिका होती है। परामर्शदाता इनका उपयोग करके शिक्षार्थियों की समस्याओं और कमियों को जान सकता है तथा आवश्यकतानुसार उनका समाधान कर सकता है। इसी कारण से मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में अधिन्यास निर्माण तथा मूल्यांकन सम्बन्धी कार्य को अत्यन्त गम्भीरता से लिया जाता है।

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धति अधिन्यास सतत् मूल्यांकन का प्रमुख स्तम्भ होता है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्नातक एवं स्नातकोत्तर डिग्री में इसे अनिवार्य रूप से लागू किया गया है। सत्रांत परीक्षा से पूर्व हर शिक्षार्थी के लिए अधिन्यास कार्य पूर्ण करना अनिवार्य होता है। सामान्य स्थितियों में इसके बिना उन्हें सत्रान्त परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदान नहीं की जाती है। शिक्षार्थी को अधिन्यास कार्य शैक्षिक कैलेण्डर में निर्धारित तिथि तक अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा करना होता है। अधिन्यास कार्य को पूर्ण करने से आशय है कि शिक्षार्थी ने स्वयं के द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमों का भली–भाँति अध्ययन कर लिया और वह सत्रान्त परीक्षा में बैठने के योग्य है। अधिन्यास आधारित प्रश्न–पत्र का मूल्यांकन 30 अंकों में किया जाता है। अधिन्यास प्रश्न पत्र को सत्र 2015–2016 से पूर्णतया ऑनलाइन कर दिया गया है। शिक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से अपने अधिन्यास प्रश्न पत्र को डाउनलोड कर अपने सत्रीय कार्य को पूर्ण कर सकते हैं।

(ग) दूरस्थ शिक्षा में परामर्श

दूरस्थ विधा में परम्परागत विधाओं के समान शिक्षक एवं शिक्षार्थी के मध्य आमने–सामने पठन–पाठन का शिक्षण

कार्य नहीं करना होता बल्कि निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित समस्याएं छात्रों द्वारा परामर्शदाताओं के सामने रखी जाती हैं जिनका समाधान परामर्श सत्रों में किया जाता है। सभी अध्ययन केन्द्रों एवं विश्वविद्यालय मुख्य परिसर पर विश्वविद्यालय के मानकानुसार परामर्श सत्रों के संचालन पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इस सत्र में भी सभी केन्द्रों पर शिक्षार्थियों ने परामर्श सत्रों में प्रतिभाग कर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय द्वारा क्रेडिट के अनुसार निर्धारित परामर्श सत्रों का विवरण निम्नानुसार वर्णित है।

1. सामान्य पाठ्यक्रमों/प्रश्नपत्रों के आठ क्रेडिट के कोर्स में 09 से 12, छह क्रेडिट के कोर्स में 06 से 09, चार क्रेडिट के कोर्स में 04 से 05 सम्पर्क कक्षाएं (परामर्श सत्र) आयोजित की जाती है।
2. ऐसे पाठ्यक्रम जिनमें शिक्षार्थियों की संख्या 05 अथवा 05 से अधिक किन्तु 10 से कम हो, उनमें केवल 50 प्रतिशत काउन्सिलिंग कराने की व्यवस्था है और यदि शिक्षार्थियों की संख्या 1 से 4 है तो 25 प्रतिशत परामर्श कक्षाएँ चलाई जाती हैं।
3. प्रमाण–पत्र कार्यक्रम जिनमें प्रयोगात्मक कार्य अनिवार्य है को छोड़कर शेष प्रमाण–पत्र कार्यक्रमों में कोई काउन्सिलिंग नहीं करायी जाती है।
4. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान से सम्बन्धित BLIS-04 एवं BLIS-05 तथा MLIS-07 एवं MLIS-08 के प्रयोगात्मक कार्यों के परामर्श सत्रों की संख्या निम्नानुसार विश्वविद्यालय द्वारा अनुमन्य की गई है।

क्र0सं0	क्रेडिट	विश्वविद्यालय द्वारा अनुमन्य परामर्श सत्रों की संख्या
1	4	5 के स्थान पर 7 सैद्धान्तिक परामर्श सत्रों सहित
2	6	9 के स्थान पर 12 सैद्धान्तिक परामर्श सत्रों सहित
3	8	12 के स्थान पर 15 सैद्धान्तिक परामर्श सत्रों सहित

शिक्षार्थियों को परामर्श सत्रों का लाभ शत–प्रतिशत मिले, इसके लिए सभी अध्ययन केन्द्रों को सख्त निर्देश प्रदान किए गये हैं कि शिक्षार्थियों के लिए परामर्श सत्र शैक्षिक कैलेण्डर में वर्णित माह में सम्पन्न कराए जायें तथा परामर्श सत्रों की समय–सारणी विश्वविद्यालय के परामर्श प्रकोष्ठ को परामर्श सत्रों के संचालन से पूर्व ही प्रेषित कर दी जाय। परामर्श सत्रों की समय–सारणी अध्ययन केन्द्र अपने महाविद्यालय के सूचना–पट्ट पर भी चस्पा कराएं, जिससे शिक्षार्थियों को परामर्श सत्रों के संचालन की सूचना समय से प्राप्त हो सके।

(घ) परीक्षा एवं परिणाम

(1) परीक्षा व्यवस्था

(i) परीक्षा सम्बन्धी सूचनाओं के माध्यम

दूरस्थ शिक्षा पद्धति में शिक्षार्थी का अपने अध्ययन केन्द्र से सम्पर्क कम होने के कारण उन्हें सूचनाएँ आसानी से प्राप्त नहीं हो पातीं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति की गतिविधियाँ तभी सशक्त एवं प्रभावी हो सकती हैं जब इसका सूचना सम्प्रेषण तन्त्र अत्यधिक सशक्त हो। यद्यपि दूरस्थ शिक्षार्थी के लिए परीक्षा सम्बन्धी सभी सूचनाएँ जैसे– अधिन्यास जमा करने की तिथि, परीक्षा–तिथि, बैक परीक्षा फार्म एवं शुल्क इत्यादि की विस्तृत सूचनाएँ प्रवेश सूचना विवरणिका में मुद्रित कराई जाती हैं किन्तु इसके अतिरिक्त शिक्षार्थी परीक्षा सम्बन्धी सूचनाएँ अपने अध्ययन केन्द्र, क्षेत्रीय केन्द्र एवं विश्वविद्यालय के परीक्षा अनुभाग से दूरभाष के माध्यम से अथवा व्यक्तिगत सम्पर्क कर भी प्राप्त कर सकता है। परीक्षा सम्बन्धी सूचनाओं को अध्ययन केन्द्रों के सूचना पट्ट तथा विश्वविद्यालय मुख्यालय के सूचना पट्ट पर भी चस्पा किया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा सम्बन्धी समस्त सूचनाओं कों विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी शिक्षार्थी की सुविधा के लिए अपलोड किया जाता है।

(ii) सत्रान्त परीक्षाएँ

विश्वविद्यालय द्वारा एक सत्र में दो बार सेमेस्टर पद्धति एवं वार्षिक पद्धति पर आधारित परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। परीक्षा की शुचिता, गोपनीयता एवं गुणवत्ता की दृष्टि से विश्वविद्यालय द्वारा अधिन्यास एवं सत्रान्त परीक्षा के प्रश्न–पत्रों के निर्माण का कार्य योग्य एवं अनुभवी विषय–विशेषज्ञों के माध्यम से कराया जाता है। परियोजना कार्य एवं

प्रयोगात्मक कार्य की परीक्षा व्यवस्था के लिए उत्कृष्ट अध्ययन केन्द्रों को ही परीक्षा केन्द्र के रूप में चयनित किया जाता है। प्रयोगात्मक कार्यों की परीक्षा बाह्य एवं आन्तरिक विषय–विशेषज्ञों की देख–रेख में सम्पन्न कराई जाती है। सत्र को नियमित रखने की दृष्टि से परीक्षाओं का आयोजन समय पर किया जाता है और परीक्षा के उपरान्त शीघ्र ही मूल्यांकन कराकर परीक्षाफल घोषित किया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों को पूर्ण करने के लिए सभी प्रश्न–पत्रों के निर्धारित क्रेडिट को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लेने के पश्चात् ही उत्तीर्ण अंकतालिका निर्गत की जाती है तथा उपाधि प्राप्त करने हेतु अर्ह माना जाता है। शिक्षार्थियों की सुविधा की दृष्टि से परीक्षा हेतु सम्बन्धित सभी जिलों में कम से कम एक परीक्षा केन्द्र अनिवार्य रूप से बनाया जाता है। परीक्षा की सत्रांत उत्तर पुस्तिकाओं का केन्द्रीय मूल्यांकन अलग–अलग केन्द्रों एवं मुख्यालय पर कराए जाने की व्यवस्था है।

सत्र 2024–2025 की परीक्षा का विवरण निम्न तालिका में वर्णित किया जा रहा है–

सत्र 2024–2025 की परीक्षाओं का विवरण				
परीक्षा अवधि	परीक्षा प्रारम्भ होने की तिथि	परीक्षा समाप्त होने की तिथि	परीक्षा केन्द्रों की संख्या	परीक्षा में सम्मिलित कुल शिक्षार्थियों की संख्या
दिसम्बर–परीक्षा (2024)	27 दिसम्बर 2024	25 जनवरी 2025	128	62016
जून–परीक्षा (2025)	31 मई 2025	25 जून 2025	169	73530

परीक्षा अवधि में विश्वविद्यालय द्वारा कतिपय परीक्षा केन्द्रों हेतु पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाती है। ये पर्यवेक्षक अपनी देख–रेख में परीक्षा सम्बन्धी समस्त कार्य सम्पादित कराते हैं। किसी भी प्रकार की अनियमितता तथा विसंगति की सूचना पर्यवेक्षक के माध्यम से परीक्षा नियंत्रक को उपलब्ध कराई जाती है। इसके साथ ही परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय स्तर से उड़ाका दल का भी गठन किया जाता है जो विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर जाकर परीक्षा की शुचिता को बनाए रखने हेतु अनुचित साधन का प्रयोग करने वाले शिक्षार्थियों की एवं अनियमितता करने वाले परीक्षा केन्द्रों की रिपोर्ट करते हैं। पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका दल के सदस्यों के नाम मा0 कुलपति द्वारा अनुमोदित किए जाते हैं।

(iii) मूल्यांकन–पद्धति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद द्वारा शिक्षार्थियों के शैक्षिक उपलब्धियों के स्तर के मूल्यांकन हेतु सामान्यतः त्रिस्तरीय मूल्यांकन पद्धति अपनायी गयी है। जिसका विवरण इस प्रकार है–

मूल्यांकन

- **स्वमूल्यांकन** (स्वयं शिक्षार्थी द्वारा)
- **सत्रीय मूल्यांकन** (अधिन्यास के आधार पर)
- **सत्रान्त परीक्षा द्वारा** मूल्यांकन

(अ) स्व–मूल्यांकन

दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली के शिक्षार्थियों को परम्परागत शिक्षार्थियों के समान कक्षा में नियमित बैठकर शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्राप्त नहीं होता है, जिसके कारण शिक्षार्थी अपनी समस्याओं का समाधान अध्यापक से कक्षा में प्राप्त नहीं कर पाते। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में अध्यापक की कमी को पूर्ण करने के लिए शिक्षार्थी को स्व–अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। स्वअध्ययन सामग्री का शिक्षार्थी स्वतः अध्ययन करता है और स्वयं सीखता है। शिक्षार्थी ने स्वअध्ययन के माध्यम से विषयवस्तु को कितना सीखा उसका आकलन वह हर इकाई के अन्त में दिए गये प्रश्नों एवं उनके उत्तरों से मिलान कर स्वयं करता है। शिक्षार्थी द्वारा किए गये स्वमूल्यांकन का कोई अधिभार परीक्षा परिणाम में नहीं जोड़ा जाता है।

(ब) सत्रीय मूल्यांकन

इस विश्वविद्यालय में नामांकित शिक्षार्थियों को सत्रीय कार्य हेतु अधिन्यास कार्य को पूर्ण करना होता है। शिक्षार्थी को अपने कार्यक्रम से सम्बन्धित अधिन्यास कार्य की हस्तलिखित उत्तर पुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर यथासमय जमा करना अनिवार्य है। यदि किसी शिक्षार्थी द्वारा अपनी सत्रान्त परीक्षा से पूर्व अधिन्यास कार्य पूर्ण नहीं किया जाता तो उसे उस सत्र की परीक्षा में बैठने से रोक दिया जाता है। अधिन्यास उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन 30 अंकों में उसी अध्ययन केन्द्र के शिक्षकों द्वारा किया जाता है।

(स) सत्रान्त परीक्षा

विश्वविद्यालय द्वारा कार्यक्रम के स्वभाव के अनुसार वर्ष में दो बार परीक्षाओं का आयोजन कराया जाता है। सेमेस्टर प्रणाली एवं वार्षिक प्रणाली की परीक्षाएँ उनकी निर्धारित अवधिक पूर्ण होने पर दिसम्बर व जून माह में आयोजित की जाती हैं। सत्रान्त परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 70 अंकों में कराया जाता है। अधिन्यास कार्य के अंक एवं सत्रान्त परीक्षा में प्राप्त अंकों को जोड़ते हुए परीक्षा परिणाम घोषित किए जाते हैं।

(द) परियोजना कार्य/लघु शोध प्रबन्ध–

2024–2025 सत्र से नई शिक्षा नीति 2020 के लागू होने के पश्चात् स्नातकोत्तर स्तर के सभी कार्यक्रमों में परियोजना कार्य/लघु शोध प्रबन्ध को प्रश्न पत्र के रुप में शामिल किया गया है। जिसका मूल्यांकन आन्तरिक एवं वाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाता है।

(2) परीक्षा से सम्बन्धित उपलब्ध सुविधाएँ

1- परीक्षा फार्म से सम्बन्धित सुविधाएँ

विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा से सम्बन्धित सूचनाओं को भी ऑनलाइन ही भरवाया जाता है। शिक्षार्थी को परीक्षा हेतु अलग से फार्म भरने की आवश्यकता होती है। प्रवेश फार्म में पूरित आकड़े ही परीक्षा अनुभाग को ऑनलाइन उपलब्ध हो जाते हैं। ऐसा करने से न केवल शिक्षार्थी वरन विश्वविद्यालय के भी श्रम, समय एवं धन की बचत होती है।

2- इच्छानुसार परीक्षा में सम्मिलित होन की सुविधा

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित लगभग सभी कार्यक्रमों में यू.जी.सी. के दिशा–निर्देश के अनुसार पाठ्यक्रम संरचना को लागू कर दिया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों में मानकानुसार क्रेडिट पद्धति को लागू किया गया है। शिक्षार्थी को कार्यक्रम पूर्ण करने के लिए न्यूनतम अवधि से लेकर अधिकतम अवधि का प्रावधान किया गया है। शिक्षार्थी को न्यूनतम अवधि से लेकर अधिकतम अवधि तक कार्यक्रम को अपनी इच्छानुसार पूर्ण करने की स्वतंत्रता प्रदान की गई है। निर्धारित अवधि तक कार्यक्रम के लिये अनुमन्य क्रेडिट को पूर्ण कर लेने की दशा में शिक्षार्थी को उत्तीर्ण की अंकतालिका प्रदान कर दी जाती है। यदि शिक्षार्थी द्वारा नियत समय में सभी प्रश्नपत्रों की परीक्षा नहीं पूर्ण की जाती तो उसे बैक शिक्षार्थी के रूप में अपने क्रेडिट को पूर्ण करने की स्वतंत्रता प्रदान की गई है। जिसके लिए उसे ऑनलाइन बैक परीक्षा फार्म भरना पड़ता है।

3- बैक परीक्षा की सुविधा

शिक्षार्थी द्वारा प्रवेश के पश्चात् यदि नियत सत्र में अपने अनुमन्य प्रश्न–पत्रों की परीक्षा नहीं दी जाती या वह अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसे उन प्रश्नपत्रों को पूरा करने हेतु आगामी परीक्षा में बैक शिक्षार्थी के रूप में सम्मिलित होना होता है। इसके लिए शिक्षार्थी को प्रति प्रश्नपत्र निर्धारित शुल्क ऑनलाइन चालान के माध्यम से या डेबिटकार्ड एवं क्रेडिट कार्ड के माध्यम से जमा करने होते हैं। बैक परीक्षा फार्म विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध है। उसे ऑनलाइन ही भरना होता है। शिक्षार्थी को बैक परीक्षा में भी बैठने के लिए नियमानुसार अधिन्यास कार्य/सत्रीय कार्य पूर्ण करना अनिवार्य होता है। यदि एक बार अधिन्यास कार्य जमा कर दिया गया है और शिक्षार्थी उसमें उत्तीर्ण हो चुका है तो उसे पुनः अधिन्यास कार्य जमा करने की आवश्यकता नहीं होती।

4- परीक्षा समय–सारणी की ऑनलाइन उपलब्धता

परीक्षा समय–सारणी को भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाता है। शिक्षार्थी घर बैठे परीक्षा समय–सारणी को डाउनलोड कर परीक्षा सम्बन्धी वांछित सूचनाओं को आसानी से प्राप्त कर लेते हैं।

5- परीक्षा प्रवेश पत्र एवं अंकपत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता

विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए परीक्षा प्रवेश पत्र को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाता है। शिक्षार्थी अपनी सुविधानुसार उसे डाउनलोड कर अपने परीक्षा केन्द्र पर जाकर परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने परीक्षा से पूर्व अपने अधिन्यास कार्य को पूर्ण नहीं किया है उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदान नहीं की जाती है।

विश्वविद्यालय द्वारा मूल्यांकन कार्य की समाप्ति के पश्चात् तथा परीक्षा परिणाम घोषित हो जाने के उपरान्त शिक्षार्थियों के अंकपत्र को भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाता है। शिक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से अपने अंकपत्र को डाउनलोड कर अपने परिणाम के सम्बन्ध में जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

6- परीक्षा केन्द्र परिवर्तन की सुविधा

शिक्षार्थी की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये परीक्षा केन्द्र परिवर्तन की सुविधा भी विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षार्थियों को प्रदान की जाती है। परीक्षा केन्द्र परिवर्तन की शर्तों को ध्यान में रखते हुए एवं नियमानुसार निर्धारित शुल्क का भुगतान करने की दशा में शिक्षार्थी के परीक्षा केन्द्र को भी परिवर्तित करने की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

7- संवीक्षा का प्रावधान

संवीक्षा हेतु शिक्षार्थी को परीक्षा परिणाम घोषित हो जाने की तिथि से 1 माह के अन्दर निर्धारित शुल्क का भुगतान ऑनलाइन चालान/क्रेडिट कार्ड/डेविट कार्ड के माध्यम से जमा करना होता है। इसके साथ ही शुल्क जमा के प्रिन्ट आउट के साथ संवीक्षा हेतु प्रार्थना पत्र परीक्षा नियंत्रक महोदय को प्रेषित करना होता है। तत्पश्चात् परीक्षा नियंत्रक द्वारा शिक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका की संवीक्षा कराई जाती है।

8- ग्रेड/श्रेणी विभाजन

सी.बी.सी.एस. पद्धति पर आधारित कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों को निम्नानुसार ग्रेड आबंटित किए जायेंगे–

Letter Grade	Grade Point	% Range
O (Outstanding)	10	90+
A+ (Excellent)	9	80+
A (Very Good)	8	70+
B+ (Good)	7	60+
B (Above Average)	6	50+
C (Average)	5	40+
P (Pass)	4	36+
F (Fail)	0	<36
Ab (Absent)	0	

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकित पुराने शिक्षार्थियों को पुरानी व्यवस्था के अनुसार ही निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाती है–

शिक्षार्थी को श्रेणी का आबंटन	
प्रथम श्रेणी	60 प्रतिशत और अधिक
द्वितीय श्रेणी	48 प्रतिशत और उससे अधिक परन्तु 60 प्रतिशत से कम
तृतीय श्रेणी	36 प्रतिशत और उससे अधिक परन्तु 48 प्रतिशत से कम
अनुत्तीर्ण	36 प्रतिशत से कम

सत्र 2024–25 की परीक्षाओं में उत्तीर्ण शिक्षार्थियों को 19वें दीक्षान्त समारोह में उपाधि, डिप्लोमा व प्रमाण–पत्र प्रदान किए गये। उनकी कार्यक्रमवार संख्या तथा सम्बन्धित अन्य विवरण **परिशिष्ट–6** पर उपलब्ध है।

(घ) पुस्तकालय

शिक्षार्थियों की शैक्षिक उन्नति एवं संवर्धन में पुस्तकालयों का महत्वपूर्ण स्थान है। पुस्तकालय के बिना किसी भी शिक्षा संस्था का विकास संभव नहीं है। पुस्तकालय का आदर्श वातावरण शिक्षार्थियों को अध्ययन हेतु प्रेरित करता है। शिक्षार्थियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों पर पुस्तकालयों की व्यवस्था सुनिश्चित करने की योजना को अन्तिम रूप दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न अंचलों में स्थापित विश्वविद्यालय के अनेकानेक अध्ययन केन्द्रों पर भी छात्रों को पुस्तकालय सुविधा उपलब्ध कराने हेतु विश्वविद्यालय निरन्तर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में स्थित केन्द्रीय याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। विश्वविद्यालय पुस्तकालय की स्थापना सन् 2000 ई0 में मात्र 279 पुस्तकों के साथ हुई थी। वर्तमान सत्र में पुस्तकालय में लगभग 45,779 पुस्तकें, तथा 08 समाचार पत्र–पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय में इंटरनेट सर्चिंग, इलेक्ट्रानिक डाक्यूमेन्ट्स एक्सेस, रिप्रोग्राफिक सेवा तथा सन्दर्भ सेवा इत्यादि शिक्षार्थी को प्रदान की जाती है। पुस्तकालय में इलेक्ट्रानिक लाईब्रेरी (e-Library) की भी सुविधा शिक्षार्थियों एवं प्राध्यापकों के लिए उपलब्ध है। जिसके अन्तर्गत डेलनेट एवं यू.जी.सी. इन्फोनेट के माध्यम से ऑन–लाइन जर्नल्स एवं डाटाबेस सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। पुस्तकालय की अन्य गतिविधियों को पूर्णतया स्वचालित करने हेतु पुस्तकालय एवं सूचना नेटवर्क, अहमदाबाद द्वारा विकसित सोल 2.0 का प्रयोग किया जा रहा है। कुल लगभग 35,000 पुस्तकों का कम्प्यूटराइज्ड डाटाबेस विश्वविद्यालय द्वारा तैयार कराया जा चुका है। पुस्तकालयी सेवाओं को दूरस्थ शिक्षा के शिक्षार्थियों तक पहुँचाने हेतु इसे विश्वविद्यालय वेबसाइट से भी जोड़े जाने की योजना अन्तिम चरण में है। वर्तमान में 61 शोध जर्नल पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।

सेवायोजन

विश्वविद्यालय का सेवा स्थापना प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन (गंगा परिसर) में सुचारू रूप से कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा प्लेसमेण्ट सम्बन्धित सूचनाओं की जानकारी जनमानस तक आसानी से सर्वसुलभ हो इसके लिए अलग से वेबसाइट का निर्माण कराया गया है। प्लेसमेंट सेल के निरन्तर प्रयास के द्वारा कैम्पस साक्षात्कार आयोजित कराकर विश्वविद्यालय अपने शिक्षार्थियों के लिए रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। प्लेसमेंट सेल की सक्रियता के कारण कई शिक्षार्थी इस अवसर से लाभान्वित होकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर व्यवसाय कर रहे हैं।

5. शोध, परामर्श एवं प्रसार

(Research, Consultancy and Extension)

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा के प्रसार एवं शोध गतिविधियों के क्षेत्र में निरन्तर प्रगतिशील है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर समसामयिक एवं गुणवत्तापरक शोध के लिए व्यापक सुविधाओं की व्यवस्था की गयी है। विश्वविद्यालय के याज्ञवल्क्य ग्रंथालय में संदर्भ एवं आधुनिक तथा सर्वमान्य पुस्तकों की भी व्यवस्था शोधार्थियों के लिए की गयी है। विश्वविद्यालय ने यूनिवर्सिटी मैनेजमेण्ट सिस्टम (यू०एम०एस०) को अपनाकर तेजी से विकसित हो रही आधुनिक संचार प्रणाली और ऑनलाईन सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण कार्य करते हुए भारत सरकार की डिजिटल इण्डिया मुहिम को साकार रूप देने का प्रयास किया है। विश्वविद्यालय के केन्द्रिय पुस्तकालय द्वारा ऑनलाईन जर्नल को पढ़ने एवं उपयोग करने के लिए भी शिक्षार्थियों एवं शोधार्थियों को प्रेरित कर सुविधा उपलब्ध कराया गया है। अनुसंधान कार्य को गुणवत्तापूर्ण चिन्तन की गहराइयों से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय में स्थापित माननीय अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन पीठ तथा पं० दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ निरन्तर कार्यरत है। निश्चय ही इन शोध पीठों द्वारा आयोजित विभिन्न अकादमिक गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक, राजनीतिक तथा प्रशासनिक क्षेत्रों में सृजनात्मक चिन्तन और उच्चस्तरीय शोध के अनेक प्रतिमान स्थापित होंगे। यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि वर्ष 2021 से यू० जी० सी० रेग्यूलेशन 2016 के अनुसार विश्वविद्यालय पी–एच० डी० कार्यक्रम को पुनः प्रारम्भ किया जा चुका है। प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी द्वारा अनुमति प्राप्त होने के उपरान्त सत्र 2021 से पुनः प्रत्येक वर्ष पी–एच० डी० कार्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश कार्य सम्पन्न करायी जाती है। गत वर्ष की भांति वर्ष 2024–25 में भी प्रवेश प्रक्रिया के अनेक चरणों का अनुपालन करते हुए शिक्षार्थियों की नामांकन प्रक्रिया सम्पन्न करायी गयी। वर्ष 2024–25 में प्री० पी–एच० डी० में नामांकित शिक्षार्थियों की संख्या विषयवार निम्नलिखित है–

Subject & Code	**No. of Candidates**
Computer Science - 001	03
Nutrition Food and Dietetics - 003	01
Journalism and Mass Communication - 004	01
Medieval and Modern History - 005	02
Commerce - 007	02
Education - 009	06
Sanskrit and Prakrit Language - 010	01
Statistics - 011	01
Hindi and Modern Indian Language - 013	03
Geography - 014	01
Ancient Indian History and Archaeology - 015	01
Mathematics - 016	01
Total	**23**

शोध एवं विकास प्रकोष्ठ

शोध कार्यों के सुचारू संचालन एवं व्यवस्था हेतु विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2003–04 में शोध प्रकोष्ठ की स्थापना की गयी थी। मार्च 2022 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी गाइडलाईन के अनुक्रम में शोध प्रकोष्ठ का नाम शोध एवं विकास प्रकोष्ठ (Research and Development Cell) कर दिया गया। वर्तमान में इस प्रकोष्ठ के निदेशक एवं शिक्षा विद्याशाखा के आचार्य प्रो० पी० के० पाण्डेय के मार्गदर्शन में यह प्रकोष्ठ तत्परता से क्रियाशील है। यू० जी० सी० रेग्यूलेशन 2016 का अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा शोध अध्यादेश में वांक्षित संशोधनोंपरान्त विगत सत्र 2021 से प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न करायी जा रही है। शोधार्थी का नाम, शोध का विषय एवं अन्य शोध कार्यों का एक स्पष्ट डाटाबेस शोध प्रकोष्ठ द्वारा तैयार किया गया है। इसे विश्वविद्यालय की डिजिटल लाईब्रेरी के माध्यम से शोध–गंगा (शोध–ग्रंथों

की रिपाजिटरी) ऐप पर अपलोड कर दिया गया है।

शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के अन्तर्गत गठित उप समितियाँ

विश्वविद्यालय में कुशल एवं पारदर्शी शोधकार्यों को को बढ़ावा देने के लिए निम्न पाँच उप समितियों का गठन किया गया है, जो इस प्रकार है–

1. Finance and Infrastructure
2. Research Programme Policy Development
3. Collaboration and Community
4. Product Development Monitoring and Commercialization
5. IPR, Legal and Ethical Matters

शोध उपाधि समिति का संगठनः–

• कुलपति या उनके द्वारा नामित व्यक्ति	अध्यक्ष
• कुलपति द्वारा नामित एक वाह्य विषय–विशेषज्ञ	सदस्य
• सम्बन्धित विद्याशाखा के निदेशक	सदस्य
• शोध एवं विकास अनुभाग के निदेशक	सदस्य

शोध उपाधि समिति के कार्यः–

शोध उपाधि के निम्नलिखित कार्य निर्धारित किये गये हैं–

- शोध निर्देशकों एवं शोध विषयों का अनुमोदन
- विभिन्न विद्याशाखाओं के प्रासंगिक विषयों पर शोध कार्य हेतु मानकों का निर्माण करना।
- शोध कार्यक्रमों में शिक्षार्थियों के पंजीकरण, निर्देशक एवं अनुश्रवण आदि के लिए शोध नीतियों का निर्माण करना।
- शोध प्राथमिकताओं पर सुझाव देना।
- शोध के मूल्यांकन हेतु संसूचकों का निर्माण करना।
- विश्वविद्यालय के शोध सम्बन्धी प्रयासों का आलेख तैयार करवाना।
- शोध विकास एवं समन्वय सम्बन्धी कार्य करना।

कार्यशाला / व्याख्यान / संगोष्ठी / परिचर्चा / सम्मेलन / प्रशिक्षण

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा के तत्त्वावधान में दिनांक 31 जुलाई, 2024 को 'वर्तमान संदर्भ में प्रेमचंद के कथा साहित्य की प्रासंगिकता' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया । उक्त संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो. रामकिशोर शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहे तथा अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की।
- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बृहस्पतिवार दिनांक 01 अगस्त, 2024 को भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के जन्म दिवस पर सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन स्मृति व्याख्यान माला के 17वें पुष्प का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि आचार्य त्रिभुवन नाथ शुक्ल, पूर्व अध्यक्ष हिंदी एवं भाषा विज्ञान विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर; सारस्वत अतिथि श्री अनंत विजय, वरिष्ठ पत्रकार, नई दिल्ली एवं विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के

माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी ने की।

- दिनांक–09 अगस्त, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के अर्न्तगत एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार विषय 'सरफरोशी की तमन्ना' का आयोजन किया गया। एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार कार्यक्रम के मुख्या वक्ता प्रो. कुमार रत्नम् जी, अतिरिक्त संचालक, ग्वालियर चंबल संभाग उच्च शिक्षा विभाग, म. प्र. रहे तथा अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 12 से 18 अगस्त के बीच एंटी रैगिंग सप्ताह आयोजित करने के निर्णय के अंतर्गत एंटी रैगिंग समिति द्वारा वेबीनार का आयोजन ऑनलाइन दिनांक 16 अगस्त, 2024 को किया गया।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर मंगलवार दिनांक 17 सितम्बर, 2024 को "शिक्षा में कौशल" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की। संगोष्ठी के संयोजक प्रो. छत्रसाल सिंह तथा आयोजन सचिव डॉ. त्रिविक्रम तिवारी रहे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सत्यकाम ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने शिक्षा एवं कौशल को अमृतकाल का महत्वपूर्ण टूल्स माना है। विश्वविद्यालय इसको ध्यान में रखकर कौशल आधारित शिक्षा को प्रमुखता से प्रदान कर रहा है एवं अधिक से अधिक छात्रों को कौशल युक्त शिक्षा देने के लिए प्रयासरत है। संगोष्ठी में प्रो. छत्रसाल सिंह, डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी एवं डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने अपने विचार व्यक्त किए।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं सामाजिक समरसता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान का आयोजन दिनांक 26 सितम्बर, 2024 को किया गया। लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के तत्त्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि एवं व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो. हरेश प्रताप सिंह, सदस्य, लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की।

- उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा के तत्त्वावधान में शुक्रवार दिनांक 04 अक्टूबर, 2024 को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की जयंती पर लोक मंगल की अवधारणा और रामचन्द्र शुक्ल विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आचार्य योगेन्द्र प्रताप सिंह, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी ने की।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 27वें स्थापना दिवस समारोह में दिनांक 05 नवंबर, 2024 को प्रथम स्थापना दिवस व्याख्यान आयोजित हुआ। प्रथम व्याख्यान के मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एम0 पी0 दुबे जी रहे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 स्मिता अग्रवाल ने किया। वाचिक स्वागत प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने तथा विषय प्रवर्तन प्रो. पी0 के0 पाण्डेय ने किया। अतिथि परिचय डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा के तत्त्वावधान में सोमवार दिनांक 11 नवम्बर, 2024 को मौलाना अबुल कलाम आजाद की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो. धनंजय यादव जी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की।

- उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं शुआट्स, प्रयागराज के संयुक्त तत्त्वावधान में 'सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (पी.सी.पी.एस.डी.जी.) का आयोजन गुरुवार दिनांक 14 नवम्बर, 2024 को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर, राजस्थान के माननीय कुलपति प्रो. रमेश चन्द्रा रहे। विशिष्ट अतिथि, यू.जी.सी.–एच.आर.डी.सी., बी.एच.यू., वाराणसी के निदेशक, प्रो. आनन्द वर्धन शर्मा रहे। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो. कुलदीप कुमार, सेन्टर फॉर डाटा एनालिटिक्स, बॉण्ड बिजनेस स्कूल, बॉण्ड विश्वविद्यालय, क्वींसलैण्ड, आस्ट्रेलिया रहे तथा अध्यक्षता उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की। प्रारम्भ में संयोजक प्रो.

श्रुति ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन डॉ. गौरव संकल्प और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. अनूप चतुर्वेदी, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. बेचन शर्मा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहे। समापन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की। संगोष्ठी में आस्ट्रेलिया, सिंगापुर, फ्रांस, श्रीलंका एवं भारत के विभिन्न राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, दिल्ली, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से 150 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग कर शोध पत्र प्रस्तुत किए।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ एवं भारतीय योग परिषद् के संयुक्त तत्त्वाधान में दिनांक 21 नवंबर 2024 को एक दिवसीय कार्यशाला ''यौगिक जीवन से सफलता एवं आर्थिक उत्थान'' का आयोजन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में किया गया

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 27वें स्थापना दिवस और सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती के उपलक्ष्य में ''दूरस्थ शिक्षा में मेरे अनुभव एवं विचार'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन दिनांक 22 नवम्बर, 2024 को आयोजित किया गया। उक्त व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो.ई. वायुनन्दन जी, पूर्व कुलपति, यशवन्तराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, नासिक, महाराष्ट्र रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने की। इस अवसर पर व्याख्यान के संयोजक डॉ0 आनन्दानन्द त्रिपाठी ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं परिचय दिया। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन व्याख्यान के आयोजन सचिव डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में दिनांक 26 नवंबर 2024 को पूर्वाह्न 11:30 बजे संविधान दिवस कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. एम. पी. दुबे, पूर्व कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा मुख्य वक्ता प्रो. बद्री नारायण, निदेशक, गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की। कार्यक्रम में संविधान की प्रस्तावना का पाठ हुआ साथ ही संविधान के प्रति निष्ठावान रहने की सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में प्रो. एम. पी. दुबे द्वारा लिखित पुस्तक 'धर्म निरपेक्ष भारत : संविधान के आईने की नजर से (आजादी से अमृतकाल तक)' का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। तत्पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने सभी को संविधान के प्रति निष्ठावान रहने की सामूहिक शपथ दिलाई। कार्यक्रम संयोजक डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन एवं संचालन आयोजन सचिव डॉ. त्रिविक्रम तिवारी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का आनलाइन प्रसारण प्रयागराज स्थित मुख्यालय सहित सभी 12 क्षेत्रीय केन्द्रों (प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, झांसी, बरेली, मेरठ, गाज़ियाबाद, वाराणसी, आजमगढ़, गोरखपुर एवं आगरा) पर किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के निदेशकों, अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं शिक्षार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा के तत्त्वाधान में हिन्दी साहित्य के महान कवि एवं लेखक हरिवंश राय बच्चन जी की जयंती के अवसर पर दिनांक 27 नवंबर, 2024 को अपराह्न 03:00 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में ''हरिवंश राय बच्चन की काव्य यात्रा एवं जीवन दर्शन'' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हिन्दी साहित्य के प्रतिष्ठित विचारक श्री रविनन्दन सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अटल सुशासन सप्ताह के अंतर्गत अटल बिहारी बाजपेई की सौवीं जयंती के अवसर पर 24 दिसम्बर, 2024 को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'लोकतंत्र में नैतिक मूल्य' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । जिसके मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्री मिथिलेश नारायण, क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख, पूर्वी उत्तर प्रदेश, लखनऊ एवं विशिष्ट अतिथि श्री राधाकांत ओझा, वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज रहे। संगोष्ठी की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत अटल सुशासन पीठ के निदेशक प्रो. पी0 के0 पाण्डेय ने तथा विषय प्रवर्तन समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो.

एस. कुमार ने किया। संचालन डॉ0 आनंदानंद त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी ने किया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा दो दिवसीय निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला का आयोजन 30 दिसम्बर, 2024 सोमवार को किया गया। कार्यशाला के पहले दिन प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज के सहयोग से निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति जी के निर्देशानुसार कुम्भ गाइड प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन दिनांक 03 जनवरी, 2025 को पूर्वाह्न 11:00 बजे विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार आयोजित किया गया। कार्यशाला की मुख्य प्रशिक्षक उषा कुशवाहा, भारत स्काउट एंड गाइड रही। उक्त कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की। कुंभ गाइड हनुमान मंदिर बंधवा, कंट्रोल रूम, ट्रैफिक कंट्रोल, झूंसी पुल, चुंगी बस स्टैंड, सिविल लाइन,रेलवे स्टेशन, संगम, वीआईपी घाट, संगम नोज, प्राथमिक सहायता केंद्र, पूछताछ केंद्र,आपदा राहत आदि प्रमुख स्थानों पर सहायता करने के लिए लगाये जायेंगे।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के महाकुंभ मेला क्षेत्र में अनंत माधव मार्ग सेक्टर 7 महाकुंभनगर स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में शनिवार दिनांक 18 जनवरी, 2025 को 'महाकुंभ में दूरस्थ शिक्षा की प्रासंगिकता' विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह के विशिष्ट अतिथि दूरदर्शन मुख्यालय प्रसार भारती के पूर्व अपर महानिदेशक लीगल श्री एस0 सी0 मिश्रा जी रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा के तत्त्वावधान में बदलते शैक्षिक परिदृश्य में मानवीय मूल्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 22 जनवरी, 2025 को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में पूर्वाह्न 10:30 बजे किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. पी0 के0 साहू, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं बीज वक्ता प्रो. अरविंद कुमार झा, आचार्य, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली रहे। राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में गुरुवार दिनांक 20 मार्च, 2025 को साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्त्वावधान में हिंदी के विकास में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषा का योगदान विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि संस्कृत के प्रकांड विद्वान प्रो. हरिदत्त शर्मा जी रहे। विशिष्ट अतिथि सरस्वती पत्रिका के संपादक रवि नंदन सिंह जी रहे। विषय प्रवर्तन करते हुए काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. प्रभाकर सिंह जी ने की तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने की। समापन सत्र में मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. मुन्ना तिवारी जी एवं विशिष्ट वक्ता सहायक सम्पादक, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली अजय कुमार शर्मा जी रहे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की। सेमिनार के संयोजक प्रो0 सत्यपाल तिवारी एवं प्रो0 एस कुमार, आयोजन सचिव डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, डॉ. अतुल मिश्र एवं अनुपम रहे।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय राजर्षि मुक्त विश्वविद्यालय में दिनांक 22 मार्च, 2025 को विश्वविद्यालय एवं इसके क्षेत्रीय केंद्रों व अध्ययन केन्द्रों में स्वयं–एन.पी.टी.ई.एल. पाठ्यक्रमो का एकीकरण एवं क्रियान्वयन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 25–26 मार्च 2025 को 'महाकुंभ : सनातन मूल्य के माध्यम से मानव जीवन में परिवर्तन' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा जी रहे। विशिष्ट अतिथि प्रो. शिशिर कुमार पांडेय जी, कुलपति, जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट तथा श्री राजेश प्रसाद जी, निदेशक, इलाहाबाद संग्रहालय, प्रयागराज एवं बीज वक्ता प्रो. शिव कुमार द्विवेदी जी, पूर्व कुलपति, बाबासाहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे तथा अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की। बुधवार दिनांक 26 मार्च, 2025 को समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. कृष्ण बिहारी पांडेय, पूर्व अध्यक्ष, लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश तथा पूर्व कुलपति, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर रहे तथा अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की। सम्मेलन के संयोजक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी सह–संयोजक

डॉ. त्रिविक्रम तिवारी एवं डॉ0 सुरेन्द्र कुमार, आयोजन सचिव डॉ. गौरव संकल्प एवं सह–आयोजन सचिव श्रीमती कौमुदी शुक्ला रहे।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार दिनांक 03 अप्रैल, 2025 को सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन के तत्त्वावधान में स्वयंप्रभा के लिए वीडियो सामग्री विकसित करने पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला के रिसोर्स पर्सन एवं मुख्य वक्ता, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से आए डॉ0 निराधर डे जी रहे तथा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की।

- भारत रत्न बोधिसत्व डॉ० भीमराव अम्बेडकर जी 134 वी जयंती की पूर्व सन्ध्या पर दिनांक 13 अप्रैल, 2025 को समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्त्वाधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार 'भारतीय संविधान पर विमर्श' का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता श्री मुकेश मिश्रा (से.नि.) न्यायाधीश एवं पूर्व सदस्य उ०प्र० लोक सेवा आयोग, प्रयागराज रहे, अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की।

- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा सत्र 2024–25 के सापेक्ष प्रथम चरण में प्री–पीएच.डी. कोर्स वर्क के कुछ महत्वपूर्ण प्रकरणों को दृष्टिगत रखते हुए पी–एच.डी. प्रवेश 2024–25 के प्रवेशित अभ्यर्थियों, पूर्व के पंजीकृत शोधार्थियों तथा शोध पर्यवेक्षकों हेतु दिनांक 16 अप्रैल, 2025 को Research and Resesrch Process विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन विश्वविद्यालय के सरस्वती परिषद स्थित तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के नियोजन एवं विकास के पूर्व निदेशक प्रो. पंकज खरे जी रहे।

- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा सत्र 2024–25 के सापेक्ष प्रथम चरण में प्री–पीएच.डी. कोर्स वर्क के कुछ महत्वपूर्ण प्रकरणों को दृष्टिगत रखते हुए पी–एच.डी. प्रवेश 2024–25 के प्रवेशित अभ्यर्थियों, पूर्व के पंजीकृत शोधार्थियों तथा शोध परवेक्षकों को हेतु दिनांक 16 अप्रैल, 2025 को Essentials of Research विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन विश्वविद्यालय के सरस्वती परिषद स्थित तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सुदीप झा जी रहे।

- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा सत्र 2024–25 के सापेक्ष प्रथम चरण में प्री–पीएच.डी. कोर्स वर्क के कुछ महत्वपूर्ण प्रकरणों को दृष्टिगत रखते हुए पी–एच.डी. प्रवेश 2024–25 के प्रवेशित अभ्यर्थियों, पूर्व के पंजीकृत शोधार्थियों तथा शोध परवेक्षकों को हेतु दिनांक 16 अप्रैल, 2025 को Understanding Research & Qualitative Approaches of Research विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन विश्वविद्यालय के सरस्वती परिषद स्थित तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के डॉ0 पूनम भूषण जी रहे।

- विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बुधवार दिनांक 23 अप्रैल, 2025 को भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा 'बीमा सखी' पद पर चयन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारतीय जीवन बीमा निगम के शाखा प्रबंधक सौरभ जैन ने सभी चयनित कैंडिडेट्स को प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने की। कार्यक्रम में कुल 128 छात्रों द्वारा पंजीकरण कराया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र एवं शिक्षक उपस्थित रहे

- उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज और 101 बटालियन, रैपिड एक्शन फोर्स, शान्तिपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज के संयुक्त तत्त्वावधान में बुधवार दिनांक 28 मई, 2025 को अग्नि शमन और रक्षा का अभ्यास किया गया। इसमें आर0ए0एफ0 के जवानों के कुशल मार्गदर्शन में मुक्त विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मियों और कर्मचारियों ने साथ मिलकर आग लगने की आपात स्थिति में आग को बुझाने और आग में फंसे लोगों की सुरक्षा करने और झुलसे व्यक्तियों को अस्पताल तक पहुंचाने का व्यापक अभ्यास किया। इसमें आर.ए.एफ ने एक ऐसे अग्नि शमन गेंद का उपयोग करना सिखाया जो आग पकड़ते ही फट जाता है और वह उस क्षेत्र का पूरा आक्सीजन सोख लेता है जिसमें आग स्वमेव बुझ जाती है।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सोमवार दिनांक 02 जून, 2025 को राज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर 'विरासत से विकास : योग की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। 21 जून 2025 तक योग की विभिन्न विधाओं में श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्त्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार के मुख्य वक्ता

प्रो. ईश्वरशरण विश्वकर्मा, पूर्व आचार्य, प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज रहे । अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एस. कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा एवं आयोजन सचिव डॉ0 सुनील कुमार रहे।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्त्वावधान में सोमवार दिनांक 09 जून, 2025 को 'रोग निवारण में योग, वैज्ञानिक शोध एवं निष्कर्ष' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस वेबीनार में योग के माध्यम से रोग निवारण के वैज्ञानिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 तक योग पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का शृंखलाबद्ध आयोजन किया जा रहा है। एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार की मुख्य वक्ता वैज्ञानिक एफ.आई.सी.एम.आर., नई दिल्ली, डॉ. नीता कुमार जी रही तथा अध्यक्षता कुलपति आचार्य सत्यकाम जी ने की। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एस. कुमार एवं आयोजन सचिव अमित कुमार सिंह रहे।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में दिनांक 10 जून, 2025 को 'वर्तमान वहाँ में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा : संभावनाएं एवं चुनौतियां' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी रहे।

- दिनाँक 19 जून, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के संयुक्त तत्त्वाधान में 'Yoga: Inclusion of Knowledge and Experience' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया।

जागरुकता कार्यक्रम

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के तत्त्वावधान में बुधवार दिनांक 14 अगस्त, 2024 को विश्वविद्यालय परिसर में तिरंगा यात्रा रैली निकाली गई। जिसका नेतृत्व माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने किया। इस अवसर पर रैली में शामिल लोग देशभक्ति से ओत–प्रोत नारे लगाते रहे। मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. सत्यपाल तिवारी कार्यक्रम के संयोजक रहे। इस अवसर पर कुलपति ने कर्मचारियों को राष्ट्रीय ध्वज प्रदान किया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के यमुना परिसर स्थित आवासीय परिसर में आज दिनांक 20 सितम्बर, 2024 को स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत क्षेत्रीय केन्द्र, प्रयागराज द्वारा मा. कुलपति जी के नेतृत्व में सघन साफ सफाई अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आवासीय परिसर के निवासियों एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों,कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने इस अवसर पर स्वच्छता कर्मियों की सराहना की तथा परिसर को हरा भरा एवं साफ सुथरा बनाए रखने के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने इस अवसर पर प्रतीकात्मक सफाई अभियान में हिस्सा लेकर इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी को प्रेरित किया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के गंगा परिसर स्थित कर्मचारी आवास के समीप दिनांक 21 सितंबर, 2024 स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्त्वाधान में माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी की अध्यक्षता में सघन स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर कर्मचारी आवास में रह रहे कर्मचारियों एवं उनके पारिवारिक सदस्यों को सघन साफ सफाई अभियान से जागरुक किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने सफाई अभियान में शामिल होकर परिसर को साफ सुथरा बनायें रखने के लिए जागरुक किया। सफाई अभियान कार्यक्रम में माननीय कुलपति जी के साथ विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षक, कर्मचारी एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी के निदेश पर दिनांक 25 सितम्बर, 2024 को स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा गाँवों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। साथ ही सभी ने गाँव के परिवारों के साथ स्वच्छता अभियान की सार्थकता के बारे में चर्चा की।

- स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत दिनांक 26 सितम्बर, 2024 को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों द्वारा परिसर में साफ–सफाई की गयी।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी के निदेश पर दिनांक 26 सितम्बर, 2024 को स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। साथ ही सभी ने अध्ययन केन्द्रों के साथ स्वच्छता अभियान की सार्थकता के बारे में चर्चा की।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में दिनांक 26 सितंबर 2024 को मध्याह्न 12.00 बजे तिलक शास्त्रार्थ सभागार में कौशल विकास जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी द्वारा की गई। कार्यक्रम में कौशल विकास के परिप्रेक्ष्य में प्रेजेंटेशन देते हुए विश्वविद्यालय कौशल विकास केन्द्र के नोडल अधिकारी डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने कौशल की विभिन्न विधाओं से संबंधित पहलुओं से परिचय कराया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रो. पी.के. पाण्डेय, प्रो. सत्यपाल तिवारी, प्रो. मीरा पाल, डॉ. जी. के. द्विवेदी, डॉ. साधना श्रीवास्तव ने अपने–अपने विचार रखे। अन्त में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कौशल विकास जागरूकता कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी निदेशकगण, प्रोफेसरगण एवं सभी विद्याशाखाओं के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के तत्त्वावधान में विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव गोहरी के 09 भिन्न–भिन्न आँगनबाड़ियों में दिनांक 28 सितम्बर, 2024 को ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान के अन्तर्गत 'स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों एवं महिलाओं को साफ–सफाई आदि के बारे में जागरुक करते हुए बीमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ–सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम में आँगनबाड़ी की कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा के तत्त्वावधान में मंगलवार दिनांक 29 अक्टूबर, 2024 को लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जन्म जयंती 31 अक्टूबर के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दौड़ का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और गंगा परिसर से सरस्वती परिसर तक दौड़ में शामिल हुए। प्रो. सत्यकाम ने दौड़ का नेतृत्व करते हुए शिक्षकों एवं कर्मचारियों में जोश भर दिया। इस अवसर पर सभी लोग भारत माता की जय, सरदार पटेल अमर रहे, कश्मीर से कन्याकुमारी, भारत माता एक हमारी, एक भारत श्रेष्ठ भारत का नारा लगाकर जनमानस को एकता बनाए रखने के लिए अभिप्रेरित कर रहे थे।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सेक्टर 7, अनंत माधव मार्ग, महाकुंभनगर में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का शुक्रवार दिनांक 10 जनवरी, 2025 को माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने सपत्नीक विधिवत मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने महाकुम्भ मेला के सकुशल आयोजन की मां गंगा से कामना की।

- उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा द्वारा माननीया कुलाधिपति श्री राज्यपाल के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम की प्रेरणा से मानविकी विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी के मार्गदर्शन में सामाजिक कुरीतियों के अन्तर्गत 'दहेज मुक्त भारत' एवं 'नशा मुक्त भारत' की प्रतिज्ञा कार्यक्रम के अन्तर्गत मध्याह्न 12:15 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार की उपस्थिति में शपथ दिलाई गयी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं गैरशैक्षणिक कर्मचारी, शोधार्थी एवं छात्र उपस्थिति रहे। इसके साथ ही मानविकी विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव लेहरा तिवारीपुर के कम्पोजिट विद्यालय लेहरा, सोरांव में डॉ. शिवेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. शैलेन्द्र कुमार सिंह एवं श्री राम लखन कुशवाहा की उपस्थिति में 'दहेज मुक्त भारत' एवं 'नशा मुक्त भारत' की प्रतिज्ञा की शपथ विद्यालय के शिक्षकों, अभिभावकों, बच्चों व ग्रामीण लोगों को दिलाई गयी। इसी क्रम में विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिए गाँव गोहरी के अन्तर्गत पी.एम.श्री प्राथमिक विद्यालय, मोहनगंज, सोरांव एवं कोलोकेटेड आँगनवाड़ी केन्द्र पर दहेज मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा एवं नशा मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा की शपथ दिलाई गयी। इसके साथ ही

प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केन्द्रों प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, आजमगढ़, अयोध्या, आगरा, मेरठ, नोएडा, कानपुर एवं झांसी केन्द्रों पर आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में छात्रों ने दहेज मुक्त भारत एवं नशा मुक्त भारत की प्रतिज्ञा की शपथ ली, समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिए गए गांव चांड़ी में दिनांक 7 मार्च 2025 को पूर्वाहन 11 बजे से 12 बजे तक प्राथमिक विद्यालय चांड़ी विकास खंड चाका, प्रयागराज में राज्यपाल सचिवालय द्वारा दिए गए निर्देश के अनुपालन में विद्यालय के छात्र–छात्राओं, अभिभावकों, अध्यापकों कर्मचारियों के साथ समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने के लिए दहेज मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा एवं नशा मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा कार्यक्रम संपन्न कराया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. दीपशिखा श्रीवास्तव, डॉ. सोहिनी देवी, कामना यादव, प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक राम अंजोर पाल, श्रीमती लक्ष्मी सिंह, श्रीमती सुचि मिश्रा, श्रीमती प्रतिमा यादव एवं श्री प्रभात तिवारी आदि उपस्थित रहे।

- राज्यपाल सचिवालय द्वारा दिए गए निर्देश के अनुपालन में विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्याशाखा के तत्त्वाधान में पढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े विश्वविद्यालय कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 7 मार्च, 2025 को पूर्वाह्न 11 बजे से मध्यान्ह 12 बजे तक आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय कैंपस समस्त क्षेत्रीय केंद्र एवं समस्त विद्याशाखों द्वारा गोद लिए गए गांव के विद्यालय में कार्यरत समस्त शैक्षणिक/गैर शैक्षणिक कर्मचारीगण, छात्र–छात्राओं एवं उनके अभिभावकगण एक साथ यथा स्थान (केंद्रीय पुस्तकालय, सरस्वती परिसर, समस्त क्षेत्रीय केंद्र एवं गोद लिए गए गांव के विद्यालय) पर पुस्तक पठन किया गया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने–पानी की व्यवस्था की गई। पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन) से शुरू होकर सरस्वती परिसर (शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई। रैली में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रो. सन्तोषा कुमार, प्रो. सत्यपाल तिवारी, प्रो. पी के स्टालिन, प्रो0 रुचि बाजपेयी, प्रो. श्रुति, प्रोफेसर संजय कुमार सिंह, समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, संयोजक प्रो. श्रुति, प्रभारी निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, आयोजन सचिव डॉ. धर्मवीर सिंह, विज्ञान विद्याशाखा तथा सह–आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, कृषि विज्ञान विद्याशाखा रहे।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार दिनांक 19 जून, 2025 को राज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर 'योग मैराथन : स्वस्थ समाज की ओर बढ़ते कदम' का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने गंगा परिसर से योग मैराथन में प्रतिभाग कर रहे विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मैराथन विभिन्न मार्गों से होते हुए विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में समाप्त हुई।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्त्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग' के अनुपालन में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन (गंगा परिसर) में योग से स्वास्थ्य की प्रेरणा हेतु साइकिल यात्रा का आयोजन किया गया। साइकिल यात्रा को प्रातः 8:00 बजे विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन साइकिल चलाने से रक्तसंचार दुरुस्त रहता है। साइकिल यात्रा गंगा परिसर से प्रारंभ हुई। साइकिल यात्रा योग का संदेश देते हुए शांतिपुरम के विभिन्न मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में समाप्त हुई।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शुक्रवार दिनांक 20 जून, 2025 को राज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर 'प्रकृति का महत्व : एक ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी' का आयोजन विज्ञान विद्याशाखा के तत्त्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की थीम पेड़ों की उपयोगिता रही। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा ने विषय–वस्तु पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण को हरा भरा रखने के लिए पेड़ लगाना अत्यंत आवश्यक है।

समझौता/सहमति पत्र पर हस्ताक्षर

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन, शोध एवं नवाचार हेतु स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज के प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक श्री राजेंद्र प्रताप के मध्य दिनांक 14 अगस्त, 2024 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया। इस समझौता ज्ञाप (एमओयू) का उद्देश्य परस्पर सहमति से दोनों शैक्षणिक संस्थानों के मध्य पारस्परिक साहचार्य से शोध एवं शैक्षिक क्रिया–कलापों एवं विचारों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भो में आदान–प्रदान, संकाय सदस्यों के शोध कौशल विकास हेतु विभिन्न प्रशिक्षणों, शिक्षण अधिगम की विधाओं का आदान–प्रदान, शिक्षण अधिगम की सामग्रियों का आदान प्रदान, प्रशिक्षण साहित्य का आदान–प्रदान तथा क्रियात्मक शोध बिन्दुओं, बालिका शिक्षा संवर्धन, गुणवत्ता पूर्ण सतत एवं समावेशी शिक्षा का सृजन इत्यादि है।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं विनीता हॉस्पिटल के मध्य स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर दिनांक 14 अगस्त, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम की उपस्थिति में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा विनीता हॉस्पिटल के निदेशक डॉ0 बिंदु विश्वकर्मा ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया। इस समझौता ज्ञाप (एमओयू) का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके लोगों को बीमारियों के मकड़जाल से बचाना है। विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के द्वारा समय–समय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। अब दोनों संस्थानों में अनुबंध होने से विशेषज्ञ चिकित्सकों का लाभ जन सामान्य को मिल सकेगा। इसके साथ ही अस्पताल के निदेशक डॉ. बिंदु विश्वकर्मा ने पहल की कि अब विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों को सीजीएचएस की दर पर अस्पताल में इलाज की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रबंधन विश्वविद्यालय के साथ मिलकर सामाजिक सरोकार को आगे बढ़ाएगा। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने अस्पताल प्रबंधन के इस पहल की सराहना की।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बुधवार दिनांक 25 दिसम्बर, 2024 को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी बाजपेई के सौवें जन्मोत्सव के अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के स्वास्थ्य कल्याणार्थ प्राची अस्पताल से समझौता ज्ञापन पत्र पर कुलपति प्रो. सत्यकाम की मौजूदगी में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने एवं अस्पताल प्रबंधन ने हस्ताक्षर किया।

- भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), रूट्स 2 रूट्स और उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यू.पी.आर.टी.ओ.यू.) ने 30 अप्रैल, 2025 को आईसीसीआर मुख्यालय, आज़ाद भवन, नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर हस्ताक्षर आईसीसीआर की कार्यक्रम निदेशक, श्रीमती अर्चना शर्मा; रूट्स 2 रूट्स के संस्थापक, श्री राकेश गुप्ता और यू.पी.आर.टी.ओ.यू. के कुलसचिव, कर्नल विनय कुमार द्वारा किए गए। इस समारोह में यू.पी.आर.टी.ओ.यू. के कुलपति प्रो. सत्यकाम, प्रभारी व्यवसायिक अध्ययन, प्रो0 संजय कुमार सिंह, आईसीसीआर और रूट्स 2 रूट्स के अन्य अधिकारी उपस्थिति रहे। इस ऐतिहासिक सहयोग का उद्देश्य भारत की महान संस्कृति का प्रचार–प्रसार करना है, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय छात्रों और दुनिया भर के भारतीय प्रवासियों के लिए भारतीय प्रदर्शन अथवा निष्पादन कलाओं की लाइव, इंटरएक्टिव ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। यह समझौता भारत के नवाचार और रचनात्मकता के माध्यम से वैश्विक सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। प्रस्तावित कला विधाएँ हैं : कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी, तबला, हारमोनियम, हिंदुस्तानी वोकल, कठपुतली निर्माण, रंगोली, मधुबनी कला, मेंहदी और बॉलीवुड (लोकप्रिय) नृत्य।

परामर्श एवं प्रसार

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र के संयुक्त तत्त्वाधान में भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जी के जन्म दिवस के अवसर पर माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम जी के आवाह्न पर मुक्त विश्वविद्यालय की मानविकी विद्याशाखा द्वारा गोद लिए लिए गए गांव लहरा प्रयागराज में दिनांक 15 जुलाई, 2024 को आंगनबाड़ी संबंधी प्रतियोगिता के आयोजन के संदर्भ में मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. सत्यपाल तिवारी के निर्देशन में विद्याशाखा की टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी में उपस्थित महिलाओं, बच्चों, कार्यकत्रियों से मानविकी विद्याशाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र के उपस्थित शिक्षकों द्वारा चर्चा–परिचर्चा की गई। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र की सफाई व्यवस्था, बच्चों की सफाई, बाल, नाखून, कपड़े, बैग, जूते, स्वास्थ्य एवं पोषक आहार के बारे में विस्तृत जानकारी ली गई।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शुक्रवार दिनांक 26 जुलाई, 2024 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान करने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में उत्साह बरकरार रहा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम के निर्देशन में मुक्त विश्वविद्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा एवं तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय, प्रयागराज के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित किया गया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा एवं विनीता अस्पताल, फाफामऊ के संयुक्त तत्त्वावधान में शनिवार दिनांक 27 जुलाई, 2024 को सरस्वती परिसर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने कहा कि स्वस्थ जीवन शैली से ही बीमारी को दूर भगाया जा सकता है। स्वस्थ जीवन शैली ही खुशहाल जीवन का महत्वपूर्ण सूत्र है। स्वस्थ जीवन के लिए नियमित व्यायाम के साथ ही संतुलित आहार और स्वस्थ वातावरण जरूरी है । प्रो. सत्यकाम जी ने कहा कि कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर विश्वविद्यालय विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ मिलकर विश्वविद्यालय परिसर में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि आज के भाग दौड़ के समय में स्वास्थ्य परीक्षण करना अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। हर व्यक्ति को वर्ष में दो बार स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य करवाना चाहिए, जिससे हमें अपने स्वास्थ्य के बारे में सही जानकारी प्राप्त हो सके।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति जी के निदेश पर क्षेत्रीय केंद्र बरेली में स्वामी विवेकानन्द शिक्षण संस्थान के सहयोग से दिनांक 13 अगस्त, 2024 को आयोजित किसान संगोष्ठी में कृषि वैज्ञानिक डॉ0 एम0 पी0 सिंह, संस्थान के निदेशक कौशल कुमार मिश्रा के साथ ग्राम प्रधान शिवलाल व क्षेत्रीय गणमान्य लोग व किसान उपस्थित रहे।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार दिनांक 04 सितम्बर, 2024 को विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर 'साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी के निदेश पर दिनांक 25 सितम्बर, 2024 को स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा गाँवों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। साथ ही सभी ने गाँव के परिवारों के साथ स्वच्छता अभियान की सार्थकता के बारे में चर्चा की।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी के निदेश पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँवों में दिनांक 27 सितम्बर, 2024 को स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं ने स्वच्छता अभियान चलाया गया। साथ ही सभी ने स्वच्छता अभियान की सार्थकता के बारे में चर्चा की।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के तत्त्वावधान में विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव गोहरी के 09 भिन्न–भिन्न आँगनबाड़ियों में दिनांक 28 सितम्बर, 2024 को ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान के अन्तर्गत 'स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों एवं महिलाओं को साफ–सफाई आदि के बारे में जागरुक करते हुए बीमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ–सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम में आँगनबाड़ी की कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की।

- स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत दिनांक 29 सितम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के निदेश पर समस्त शिक्षक एवं कर्मचारियों ने अपने आवासीय परिसर के आस–पास परिवार के साथ धार्मिक स्थान की सफाई की।

- 'स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान' के अंतर्गत दिनांक 30 सितम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के निदेश पर शिक्षा विद्याशाखा एवं समस्त

क्षेत्रीय केन्द्र अपने निकटस्त किसी एक विद्यालय में जाकर वहाँ के बच्चों को जागरुक करते हुए सफाई की।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा एवं विनीता अस्पताल, प्राची हास्पिटल, लाल बहादुर शास्त्री होम्योपैथिक चिकित्सालय, के.के. एक्यूप्रेशर, आशा दंत चिकित्सालय, आरोग्य भारती, प्रयागराज महानगर, काशी प्रांत एवं यश फिजियोथेरेपी सेन्टर, राजापुर के संयुक्त तत्त्वावधान में शुक्रवार को मध्याह्न 12.00 बजे निःशुल्क स्वास्थ्य मेला का आयोजन सरस्वती परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. ई.वायुनन्दन, पूर्व कुलपति, यशवन्त राव चव्हाण मुक्त विश्वविद्यालय, नासिक, महाराष्ट्र थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन गुरुवार दिनांक 28 नवम्बर, 2024 को मुख्य अतिथि श्री सुनीत कुमार राय, डी. आई. जी. सीआरपीएफ, प्रयागराज, रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम, विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रो. सत्यकाम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, श्री अनुभव सिंह ने किया। प्रारंभ में स्वागत भाषण रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम ने दिया। संचालन डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. श्रुति ने किया। शिल्प प्रदर्शनी में 32 स्टाल लगाए गए। जिसमें खान–पान से लेकर विभिन्न स्थानीय कारीगरी जैसे मूंज के समान, लाख से बने घरेलू उत्पाद, हस्तशिल्प ज्वेलरी, गोबर से बने उत्पाद, सेरेमिक आर्ट, पेंटिंग्स, बंदनवार, तोरण, बैग, बटुआ, अचार, मुरब्बा, जैविक खाद से बनी सामग्री, शहद, साज–सज्जा, परिधान एवं केले के डंठल से बने डलिया आदि को लोगों ने खूब सराहा और जमकर खरीददारी की। इलाहाबाद संग्रहालय के स्टॉल से लोगों ने जहां पुस्तकें खरीदीं वहीं महिलाओं ने मेहंदी भी लगवाई।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन में विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के निर्देश पर शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक प्रो. पी0 के0 स्टालिन के निर्देशन में दिनांक 03 दिसम्बर, 2024 को शिक्षा विद्याशाखा एवं बचपन डे केयर सेंटर प्रयागराज के तत्त्वाधान में विश्व दिव्यांग दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिव्यांग बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें नृत्य, नाटक, खेल प्रतियोगिता इत्यादि थे।

- 21 जनवरी, 2025 मुविवि के कुम्भ शिविर में चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर का उद्देश्य मेले में आए हुए लोगों को निशुल्क चिकित्सा की असुविधा उपलब्ध कराना था। बड़ी संख्या में लोग इससे लाभान्वित हुए।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर में शुक्रवार दिनांक 25 अप्रैल, 2025 को क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, प्रयागराज के सहयोग से रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में विभिन्न क्षेत्रों की 13 कंपनियों ने प्रतिभाग किया। उक्त मेले में निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा विभिन्न रिक्त पदों पर चयन की कार्यवाही की गयी। रोजगार मेले में आए हुए अभ्यर्थियों ने मौके पर ही रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण कराया। जिसके पश्चात वे साक्षात्कार में प्रतिभाग कर सके। रोजगार मेले में कुल 445 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। सभी कंपनियों में कुल 249 अभ्यर्थी चयनित हुए।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के परिप्रेक्ष्य में माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के निर्देश पर दिनांक 15 मई, 2025 को योग कार्यक्रम के अंतर्गत विद्या भारती के ज्वाला देवी विद्या मंदिर, गंगापुरी में छात्र–छात्राओं एवं शिक्षक बंधुओं को योग की प्राचीनता के विषय में जानकारी प्रदान करने के साथ–साथ, सूक्ष्म व्यायाम, ओमकार प्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी प्राणायाम एवं कपालभाति का अभ्यास विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य, श्री अनुराग शक्ला द्वारा कराया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य जुगल किशोर जी के साथ–साथ विद्या भारती के ज्वाला देवी विद्या मंदिर के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं की भी उपस्थित रही।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के परिप्रेक्ष्य में माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के निर्देश पर दिनांक 15 मई, 2025 को आयोजित किया गया। उपरोक्त पत्रांक के माध्यम से 2 (ब) के अंतर्गत निर्देशित किये गये कार्यक्रम 'Yoga for One Earth One Health' कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव तिवारीपुर, लेहरा के कम्पोजिट विद्यालय लेहारा, सोरांव में कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि के संयुक्त तत्त्वावधान से किया गया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के परिप्रेक्ष्य में माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के निर्देश पर दिनांक 17 मई, 2025 को योग कार्यक्रम के अंतर्गत प्रयागराज पब्लिक स्कूल, शांतिपुरम् में छात्र–छात्राओं एवं शिक्षक बंधुओ को योग की प्राचीनता के विषय में जानकारी प्रदान करने के साथ–साथ, सूक्ष्म व्यायाम, ओमकार प्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी प्राणायाम एवं कपालभाति का अभ्यास विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य श्री अनुराग शक्ला द्वारा कराया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ0 मदन मोहन पाण्डेय जी के साथ–साथ स्कूल के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं की भी उपस्थित रही।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के परिप्रेक्ष्य में माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के निर्देश पर दिनांक 17 मई, 2025 को योग कार्यक्रम के अंतर्गत "Yoga for One Earth and One Health" थीम पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व योग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शांतिपुरम् स्थित शिव गंगा विद्या मंदिर में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं समस्त कर्मचारियों को योग के प्रति जागरूक किया गया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के परिप्रेक्ष्य में माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के निर्देश पर विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा ने दिनांक 18 मई, 2025 को योग कार्यक्रम के अंतर्गत "Yoga for One Earth and One Health" थीम पर ऑनलाइन मोड में ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षक बंधुओ एवं समाज की बंधुओ ने भी योग के प्रशिक्षण एवं अभ्यास कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य योग श्री निकेत सिंह द्वारा सूक्ष्म व्यायाम, ओमकार प्राणायाम, कपालभाति विभिन्न आसनों आदि का अभ्यास कराया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियाएं संचालित की जा रही हैं। इसी कम में मंगलवार दिनांक 20 मई, 2025 को 101 बटालियन, रैपिड एक्शन फोर्स (आर.ए.एफ) प्रयागराज के परिसर में योग का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में आर.ए.एफ. के कमान्डेन्ट श्री मनोज कुमार गौतम एवं आर.ए.एफ. के जवान आदि शामिल हुए। लोगों ने विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। जिससे उनका तनाव कम हुआ। योग विशेषज्ञ श्री अनुराग शुक्ला ने लोगों को समूह में सूक्ष्म व्यायाम, ओमकार प्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, कपालभाति, ताड़ासन एवं त्रिकोणासन का अभ्यास कराया। योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया। योग ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और सामाजिक संबंध बनाने में मदद की।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियाएं संचालित की जा रही हैं। इसी कम में दिनांक 31 मई, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग कार्यक्रम के अंतर्गत उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज और 101 बटालियन, रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) शान्तिपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज (रैपिड एक्शन फोर्स के ग्राउन्ड में) के संयुक्त तत्त्वावधान में योग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर RAF प्रयागराज के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम जी एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी, श्रीमती सीमा सत्यकाम जी की विशेष उपस्थिति रही। साथ ही वाहिनी के अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण, जवान, महिला कार्मिकों एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव, विद्याशाखा के निदेशक, शिक्षक व कर्मचारीगण एवं महिला कार्मिकों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य योग श्री अमित सिंह जी एवं श्री अनुराग शुक्ला जी द्वारा प्रतिभाग करने वाले सभी बंधुओं को योग का प्रशिक्षण एवं अभ्यास कराया गया।

स्वच्छता / पौधारोपण कार्यक्रम

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने रविवार को गोरखपुर में विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र के लिए अधिकृत भूखंड पर वृक्षारोपण जन अभियान–2024 के अंतर्गत प्रदेश में पौधरोपण महाभियान में अपना योगदान देते हुए एक पेड़ राजर्षि के नाम पर रोपित किया। इससे पूर्व शनिवार को प्रयागराज स्थित विश्वविद्यालय मुख्यालय में इस महा अभियान की शुरुआत की गई। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि पर्यावरण को हरा भरा रखने के लिए यह अभियान सतत रूप से जारी रहेगा। विश्वविद्यालय से बाहर भी हम वृक्षारोपण अभियान चलाते रहेंगे। जिससे मानवता की सेवा हो सके। उन्होंने समाज के नागरिकों से अपील की कि सभी को मानवता की सेवा करते हुए पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प लेना चाहिए। इस

अभियान में जो भी पौधा लगाया जाए उसकी परवरिश का जिम्मा जरूर उठाना चाहिए। जिससे वह बड़ा होकर लोगों को छांव दे सके। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में वृक्ष ही हमें जीवन दायिनी शक्ति प्रदान कर सकते हैं।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने दिनांक 21 जुलाई, 2024 को अयोध्या में विश्वविद्यालय के अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र पर वृक्षारोपण जन अभियान–2024 के अंतर्गत प्रदेश में पौधरोपण महाभियान में अपना योगदान देते हुए एक पेड़ राजर्षि के नाम पर रोपित किया। माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि पर्यावरण को हरा भरा रखने के लिए यह अभियान सतत रूप से जारी रहेगा। विश्वविद्यालय से बाहर भी हम वृक्षारोपण अभियान चलाते रहेंगे। जिससे मानवता की सेवा हो सके। उन्होंने समाज के नागरिकों से अपील की कि सभी को मानवता की सेवा करते हुए पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प लेना चाहिए। इस अभियान में जो भी पौधा लगाया जाए उसकी परवरिश का जिम्मा जरूर उठाना चाहिए। जिससे वह बड़ा होकर लोगों को छांव दे सके। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में वृक्ष ही हमें जीवन दायिनी शक्ति प्रदान कर सकते हैं।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के यमुना परिसर में शनिवार दिनांक 27 जुलाई, 2024 को रोटरी इलाहाबाद साउथ के सहयोग से एक वृक्ष राजर्षि के नाम अभियान के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने वृक्षारोपण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर यमुना परिसर में आंवला, नींबू, नीम और शहतूत के 50 पौधे रोपित किए गए।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के यमुना परिसर में सोमवार दिनांक 31 जुलाई, 2024 को रोटरी क्लब प्रयागराज संगम के सहयोग से एक वृक्ष राजर्षि के नाम अभियान के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम ने वृक्षारोपण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी ने प्रत्येक पौधे का संरक्षक नियुक्त करने का निर्देश दिया एवं अपेक्षा किया कि सभी व्यक्ति अपने–अपने पेड़ का ध्यान रखेंगे।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी ने गुरुवार दिनांक 08 अगस्त, 2024 को विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र बरेली में वृक्षारोपण जन अभियान–2024 के अंतर्गत प्रदेश में पौधरोपण महाभियान में अपना योगदान देते हुए एक वृक्ष राजर्षि के नाम पर रोपित किया। माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी ने कहा कि पर्यावरण को हरा भरा रखने के लिए यह अभियान सतत रूप से जारी रहेगा। विश्वविद्यालय से बाहर भी हम वृक्षारोपण अभियान चलाते रहेंगे। जिससे मानवता की सेवा हो सके।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी ने दिनांक 09 अगस्त, 2024 को माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी ने समाज के नागरिकों से अपील की कि सभी को मानवता की सेवा करते हुए पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प लेना चाहिए। इस अभियान में जो भी पौधा लगाया जाए उसकी परवरिश का जिम्मा जरूर उठाना चाहिए। जिससे वह बड़ा होकर लोगों को छांव दे सके। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में वृक्ष ही हमें जीवन दायिनी शक्ति प्रदान कर सकते हैं। क्षेत्रीय केन्द्र आगरा एवं नोएडा के सहयोग से इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने एक पेड़ राजर्षि के नाम पर लगाया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी के निर्देश पर दिनांक 24 सितंबर, 2024 को स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं एवं क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा पौधारोपण किया गया। जिसमें समस्त विद्याशाखाओं एवं क्षेत्रीय केन्द्रों के कर्मचारियों, शिक्षकों, छात्र–छात्रायें एवं स्कूल के बच्चों आदि ने पौधा रोपण में सहभागिता की। साथ ही सभी ने यह संकल्प भी लिया की हम इन पौधों की देखभाल नियमित रूप से करेंगे।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में रविवार 22 जून, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित पंचतत्त्व सिंदूर यात्रा के पहुंचने पर सिंदूर वाटिका बनाने का कार्य प्रारंभ किया गया। पंचतत्त्व संस्था की सस्थापक वाटर वूमेन शिप्रा पाठक ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी के साथ विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृक्षारोपण किया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कृषि विद्याशाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र के तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में 27 जून, 2025 को वृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने महोगनी का पौधा लगा कर की।

जयन्ती समारोह/श्रद्धा सुमन कार्यक्रम

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारतरत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की पुण्यतिथि पर दिनांक 01 जुलाई, 2024 को विश्वविद्यालय के गंगा एवं सरस्वती परिसर में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी एवं विश्वविद्यालय के सदस्यों ने राजर्षि टण्डन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राजर्षि टंडन जी की पुण्यतिथि पर कुलपति प्रो. सत्यकाम ने विश्वविद्यालय के 36 कर्मयोगियों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा विश्वविद्यालय के ये कुशल एवं अकुशल कर्मचारी अपने कठिन श्रम के माध्यम से विश्वविद्यालय में अपना योगदान देते हैं। राजर्षि टंडन के स्मृति दिवस पर विश्वविद्यालय इन कर्मचारियों का सम्मान करके राजर्षि टंडन जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि व्यक्त करता है।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बृहस्पतिवार दिनांक 01 अगस्त, 2024 को भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के जन्म दिवस पर सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन स्मृति व्याख्यान माला के 17वें पुष्प का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि आचार्य त्रिभुवन नाथ शुक्ला जी, पूर्व अध्यक्ष हिंदी एवं भाषा विज्ञान विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, सारस्वत अतिथि श्री अनंत विजय जी, वरिष्ठ पत्रकार, नई दिल्ली एवं विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी ने की। इस अवसर पर कुलपति एवं अन्य अतिथियों द्वारा अटल प्रेक्षागृह में राजर्षि टंडन पर आधारित पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही राजर्षि टंडन के जीवन वृत्तांत पर निर्मित वृत्त–चित्र का प्रदर्शन किया गया। जन्म दिवस समारोह में हिंदुस्तानी एकेडमी के सहयोग से ख्यातिलब्ध कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर मंगलवार दिनांक 17 सितम्बर, 2024 को स्वच्छता पखवाड़ा समारोह का शुभारंभ कुलपति प्रो. सत्यकाम ने किया। प्रारंभ में कुलपति का स्वागत समारोह के संयोजक प्रो. छत्रसाल सिंह ने किया। डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी ने विषय प्रवर्तन किया। समारोह का संचालन डॉ. दीपशिखा श्रीवास्तव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने किया। इस अवसर पर समारोह स्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व से जुड़े वृत्त–चित्र का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि साफ–सफाई हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह हमारे जीवन की प्राथमिकता है। सफाई से रहने से जहां शरीर स्वच्छ रहता है वहीं स्वच्छता तन और मन दोनों की खुशी के लिए आवश्यक है। हमें अपनी दिनचर्या में स्वच्छता को अवश्य शामिल करना चाहिए। प्रो. सत्यकाम ने कहा कि स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाती है। उन्होंने विश्वविद्यालय कर्मियों से कार्यालय, घर एवं आसपास प्रतिदिन श्रमदान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ भारत अभियान 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की 145 में जयंती पर चलाया गया एक महत्वपूर्ण अभियान है। विश्वविद्यालय में यह स्वच्छता अभियान आगामी 2 अक्टूबर 2024 तक चलेगा। इस अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर को हरा भरा एवं साफ सुथरा रखने के लिए कुलपति प्रो. सत्यकाम ने शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों को स्वच्छता की शपथ दिलाई।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 27 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार दिनांक 12 नवम्बर, 2024 को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र परिषद ने लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती की श्रृंखला में अटल प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सुशासन सप्ताह के अंतर्गत अटल जन्मोत्सव पर सोमवार दिनांक 23 दिसम्बर, 2024 को हिंदुस्तानी एकेडमी के सहयोग से काव्य संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर कवियों को मुख्य अतिथि श्री सुनीत राय, डीआईजी रेंज, सीआरपीएफ, प्रयागराज, प्रो. सत्यकाम, माननीय कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा श्री मनोज गौतम कमांडेंट आर.ए.एफ. ने स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र से सम्मानित किया। अतिथियों का स्वागत संयोजक प्रो. सत्यपाल तिवारी ने किया। समारोह का संचालन डॉ0 साधना श्रीवास्तव ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर आमंत्रित कवियों ने अपनी रचनाओं से जमकर तालियां बटोरी और माहौल को गुंजायमान कर दिया।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अटल बिहारी बाजपेई सुशासन पीठ के तत्त्वावधान में

बुधवार दिनांक 25 दिसम्बर, 2024 को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी बाजपेई का सौवां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सरस्वती परिसर में अटल प्रेक्षागृह के समीप अटल बिहारी बाजपेई की प्रतिमा की स्थापना की गई। जिसका अनावरण राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के संरक्षकत्व में कुलपति प्रो. सत्यकाम ने किया। इस अवसर पर अटल जी को याद करते हुए उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। अटल जन्मोत्सव पर अटल प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन से ऑनलाइन संदेश देते हुए कहा कि अटल जी ने राष्ट्र के विकास में अमूल्य योगदान दिया। वह बहुमुखी प्रतिभा के धनी महापुरुष थे। वे अच्छे कवि व पत्रकार के साथ ही लोकतंत्र के प्रहरी थे। वह सामाजिक समरसता पर जोर देते थे और महिला सशक्तिकरण के प्रबल समर्थक थे। श्रीमती पटेल ने कहा कि अटल जी के प्रेरक नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था ने स्थिर वृद्धि प्राप्त की और देश के सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बनने का मार्ग प्रशस्त किया। अटल बिहारी बाजपेई का व्यक्तित्व विद्यार्थियों के लिए प्रेरक है। उनकी बहुत सी बातें ऐसी हैं जिन पर विद्यार्थियों को मनन करना चाहिए। शिक्षा द्वारा ही युवाओं में राष्ट्र प्रेम का भाव जागृत किया जा सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में अटल जी की प्रतिमा स्थापित होने पर हर्ष व्यक्त किया। इसके साथ ही कुलपति प्रो. सत्यकाम ने प्रवेश सत्र जनवरी 2025 से कुम्भ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम के संचालन संबंधी घोषणा की तथा विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन तथा नववर्ष के कैलेंडर का लोकार्पण किया। कार्यक्रम की रूपरेखा अटल बिहारी बाजपेई सुशासन पीठ के निदेशक प्रो. पी0 के0 पाण्डेय ने प्रस्तुत की। समारोह का संचालन डॉ. त्रिविक्रम तिवारी और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, कर्मचारी, शोध छात्र एवं लाल बहादुर शास्त्री राजकीय होम्योपैथी कॉलेज के छात्र–छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में दिनांक 14 अप्रैल, 2025 को भारत रत्न बोधिसत्व डॉ0 भीमराव अंबेडकर जी की 134वीं जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय के गंगा परिसर में स्थित प्रशासनिक भवन में पुष्प अर्पण एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी ने माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात वहां उपस्थित सभी लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पण किया।

6. प्रशासन संचालन

(Governance)

प्रशासन संचालन किसी भी संस्था की वह धुरी है, जिसपर सुशासन अवलम्बित रहता है। यह सुशासन स्थापित करने में आधारशिला का काम करता है। जिस संस्था में समयबद्ध कार्यसंस्कृति विकसित होती है, वहाँ सुशासन फला–फूला करता है। यह तभी संभव है जब सम्बन्धित संस्था की प्रशासनिक कार्यप्रणाली सुव्यवस्थित हो। इस दृष्टि से सतत्वाहिनी गंगा के तट पर अवस्थित ज्ञानगंगा को प्रदेश के कोने–कोने में सतत सर्वजनसुलभ बनाता हुआ उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज; कुलपति आचार्य सत्यकाम के मार्गदर्शन में खरा उतरता है। दूरस्थ शिक्षा के केन्द्र बिन्दु के रुप में विश्वविद्यालय की अकादमिक, शैक्षिक एवं भौतिक सीमा को विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध मा0 कुलपति जी की प्रशासकीय क्षमता के कारण स्वयं प्रभा चैनल हेतु विभिन्न पाठ्यक्रमों की स्वीकृति, समस्त कार्यक्रमों की अध्ययन सामग्री का लेखन, शिक्षार्थी हित में अनेक नियम आदि उत्तरोत्तर नये कीर्तिमान अर्जित कर रहा है। समय–समय पर कुलपति महोदय सुशासन प्रतिस्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय के निदेशकों एवं शिक्षकों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक कर प्राप्त सुझावों के क्रियान्वयन का प्रयास करते हैं। साथ ही प्राध्यापकों को उनकी अकादमिक एवं शोध–क्षमता–सम्वर्धन, महिला सशक्तीकरण हेतु संगोष्ठियों, सम्मेलनों आदि के आयोजनों के लिए उन्हें प्रोत्साहित करते रहते हैं। शिक्षकों एवं कर्मचारियों के हितसंवर्धन के संदर्भ में भी सतत चिन्तनशील रहते हैं। यही कारण है कि यहाँ के शिक्षक सीमित संसाधनों के अधिकतम उपायोग को ध्यान में रखकर अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं। इन सबका ही परिणाम है अकादमिक रूप से विश्वविद्यालय की पहचान एवं स्वअध्ययन सामग्री की दृष्टि से आत्मनिर्भरता। विश्वविद्यालय से जुड़े हुए प्रत्येक अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी आपके नेतृत्व में पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रहे हैं। आप शिक्षार्थियों के हित को सर्वोपरि रखकर ही विश्वविद्यालय की गतिविधियों को संचालित कर रहें हैं।

प्रशासन–संचालन की दृष्टि से विश्वविद्यालय अपने परिनियमों का पूर्णतः पालन करता है। राज्य के मा0 राज्यपाल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। कुलपति की नियुक्ति मा0 कुलाधिपति द्वारा परिनियम 2.02 या परिनियम 3.05 द्वारा यथा उपबन्धित के सिवाय, उन व्यक्तियों में से की जाती है, जिनके नाम परिनियम 3.02 के अनुसार गठित समिति द्वारा उन्हें प्रस्तुत किया जाता है। कुलपति विश्वविद्यालय का प्रधान कार्यपालक होता है। वह विश्वविद्यालय के सभी प्राधिकरणों का पदेन सदस्य और अध्यक्ष होता है। कुलपति यदि चाहे तो विश्वविद्यालय की विद्याशाखाओं के आचार्यों या निदेशकों में से किसी एक को प्रतिकुलपति नियुक्त कर सकता है। ।

विश्वविद्यालय की नीतियों को निर्धारित करने के लिए प्रशासनिक निकायों (Governing Bodies) का गठन किया जाता है, जिसके अन्तर्गत निम्न परिषद्/बोर्ड आते हैं–

1. **कार्यपरिषद**– विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय पाँच के परिनियम 5.01 के अनुसार कार्यपरिषद के सदस्यों का चयन किया जाता है। कार्यपरिषद विश्वविद्यालय का मुख्य कार्यपालक निकाय है। परिनियमों एवं अध्यादेशों को बनाना, संशोधित करना एवं निरस्त करना; कार्यपरिषद् के कार्य हैं। (परिशिष्ट–01)
2. **विद्यापरिषद**– विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय पाँच के परिनियम 5.09 के अनुसार विद्यापरिषद् के सदस्यों का चयन किया जाता है। विश्वविद्यालय की शैक्षिक नीतियों का सामान्य पर्यवेक्षण करना, शैक्षणिक मानकों में सुधारात्मक निर्देश देना, सभी विद्या सम्बन्धी मामलों में कार्यपरिषद को परामर्श देना; विद्यापरिषद् के कार्य हैं। (परिशिष्ट–01)
3. **योजना बोर्ड**– विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय पाँच के परिनियम 5.11 के अनुसार योजना बोर्ड के सदस्यों का चयन किया जाता है। योजना बोर्ड विश्वविद्यालय हेतु समुचित कार्यक्रम एवं क्रियाकलापों को अभिकल्पित और तैयार करता है। साथ ही विश्वविद्यालय के उद्देश्य की पूर्ति में सहायक सभी विषयों पर कार्यपरिषद् को परामर्श देने का भी कार्य करता है। (परिशिष्ट –01)
4. **मान्यता बोर्ड**– विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय पाँच के परिनियम 5.15 के अनुसार मान्यता बोर्ड के सदस्यों का चयन किया जाता है। विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद के अनुमोदन से संस्थाओं की मान्यता के लिए मानक निर्धारित करना तथा कुलपति द्वारा निर्दिष्ट किये गये संस्थाओं की मान्यता हेतु आवेदनों का परीक्षण करना और अपनी संस्तुति विद्यापरिषद् को प्रस्तुत करना आदि मान्यता बोर्ड के कार्य हैं। (परिशिष्ट –01)
5. **वित्त समिति**– विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय पॉच के परिनियम 5.32 के अनुसार वित्त समिति का गठन किया जाता है। इसके प्रमुख कार्यों में कार्यपरिषद् को विश्वविद्यालय की सम्पत्तियों तथा निधियों के प्रशासन से सम्बद्ध विषयों पर सुझाव देना है। यह विश्वविद्यालय की आय तथा साधनों को ध्यान में रखते हुए आगामी

वित्तीय वर्ष के लिए कुल आवर्ती तथा अनावर्ती व्यय की सीमा नियत करती है एवं किसी विशेष कारण से वित्तीय वर्ष के दौरान इस प्रकार की नियत व्यय की सीमा को पुनरीक्षित करती है और यह नियत सीमा कार्यपरिषद् पर आबद्धकारी होगी। (परिशिष्ट –01)

6. **परीक्षा समिति**– विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय पाँच के परिनियम 5.40 के अनुसार परीक्षा समिति का गठन किया जाता है, जो विश्वविद्यालय की सभी परीक्षाओं का, जिसके अन्तर्गत अनुसीमन तथा सारणीकरण भी है, का पर्यवेक्षण करती है। (परिशिष्ट –01)

त्रिस्तरीय विकेन्द्रीकृत प्रशासनिक व्यवस्था

विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान समय में 1496 अध्ययन केन्द्र एवं 12 क्षेत्रीय केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त एन.सी.टी.ई. द्वारा मान्यता प्राप्त बी.एड. पाठ्यक्रम का संचालन 11 अध्ययन केन्द्रों तथा आर.सी.आई. द्वारा मान्यता प्राप्त बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा) का संचालन अध्ययन केन्द्रों पर किया जा रहा है। शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं एवं सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सुदूर क्षेत्रों में अध्ययन केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किये जा रहे 1496 अध्ययन केन्द्रों का विवरण परिशिष्ट–09 में देखा जा सकता है। प्रारम्भ से विश्वविद्यालय में शिक्षार्थियों की संख्या उत्तरोत्तर बढ़ रही है, जिससे विश्वविद्यालय की बढ़ती लोकप्रियता एवं उपयोगिता का पता चलता है।

विश्वविद्यालय में शिक्षार्थियों के प्रवेश का विकास दर

सत्र	कार्यक्रमों की संख्या	अध्ययन केन्द्रों की संख्या	नामांकित शिक्षार्थी	संचयी योग
1999–2000	20	15	3343	3343
2000–2001	30	28	3207	6550
2001–2002	41	27	3063	9615
2002–2003	38	47	4244	13857
2003–2004	39	63	8315	22172
2004–2005	42	81	8777	30949
2005–2006	50	102	10962	41911
2006–2007	61	198	16050	57961
2007–2008	76	279	14784	72745
2008–2009	81	252	17801	90546
2009–2010	82	430	22500	113046
2010–2011	90	449	25914	138960
2011–2012	96	399	30840	169800
2012–2013	73	531	24355	194155
2013–2014	73	578	71825	265980
2014–2015	83	564	31567	297547
2015–2016	73	670	21103	318650
2016–2017	96	707	46027	364677
2017–2018	96	800	50102	414779
2018–2019	107	1018	69903	464881
2019–2020	110	1133	48125	464881
2020–2021	105	1212	51056	515937
2021.2022	125	1281	60332	576269
2022–23	128 + पी.एच.डी. (नियमित पद्धति) 13 विषयों में	1358	69307	645576

2023–24	110+ पी.एच.डी. (नियमित पद्धति) 14 विषयों में	1425	80608	7271546
2024–25	96+ पी.एच.डी.(नियमित पद्धति) 15 विषयों में	1496	80977	7352386

प्रदेश के कोने–कोने तक उच्च शिक्षा की अभिगम्यता को सुनिश्चित करते हुए लोगों के बीच लोकप्रियता को प्राप्त मुक्त विश्वविद्यालय के प्रशासन को सुचारु एवं प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए इसकी प्रशासनिक व्यवस्था एवं प्रबन्धन को तीन स्तरों में विभाजित कर देखा जा सकता है– मुख्यालय, क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्र/शिक्षार्थी सहायता केन्द्र।

1. विश्वविद्यालय मुख्यालय

विश्वविद्यालय का मुख्यालय शान्तिपुरम्, सेक्टर–F, गोहरी रोड, फाफामऊ, प्रयागराज में स्थित है। मुख्यालय में कुलपति, विद्याशाखा के निदेशकों, कुलसचिव, उपकुलसचिव, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय हैं, जो तीन परिसरों में बँटा हुआ है–गंगा परिसर, सरस्वती परिसर एवं यमुना परिसर। गंगा परिसर में कुलपति, कुलसचिव, उपकुलसचिव, वित्त अधिकारी के कार्यालयों के अतिरिक्त मीडिया सेन्टर, अतिथि गृह, बैंक भवन, डाकघर एवं कर्मचारियों के आवास भी स्थित हैं। सरस्वती परिसर, में शैक्षणिक भवन है, जिसमें विद्याशाखाओं के निदेशकों के कार्यालय स्थित हैं, जहाँ इन विद्याशाखाओं की परामर्शकक्षाओं सहित अन्य शैक्षणिक एवं अकादमिक गतिविधियाँ संचालित की जाती है। विश्वविद्यालय का केन्द्रीय पुस्तकालय भवन भी इसी परिसर में स्थित है। इसी परिसर में अटल प्रेक्षागृह भी स्थित है, जिसमें दीक्षान्त समारोह एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। यमुना परिसर विश्वविद्यालय का तीसरा परिसर है, जहाँ प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र का कार्यालय एवं अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लिए आवासीय परिसर, त्रिवेणी सामुदायिक केन्द्र तथा ओपेन एअर जिम भी है।

2. क्षेत्रीय केन्द्र–

सम्पूर्ण प्रदेश में फैले हुए 1496 अध्ययन केन्द्रों में प्रवेश, पाठ्य–सामग्री वितरण एवं शिक्षार्थियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण, शिक्षार्थी सहायता सेवा एवं परीक्षा की गुणवत्ता के सुनिश्चितीकरण हेतु प्रदेश के सभी अध्ययन केन्द्रों को 12 क्षेत्रीय केन्द्रों से सम्बद्ध कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के अभिलेखानुसार बारह क्षेत्रीय केन्द्र निम्न रूप में हैं–

(i) **क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज**– यमुना परिसर, सेक्टर–बी, मातादीन का पुरा के बगल में, निकट काशीराम आवास योजना, शान्तिपुरम्, फाफामऊ, प्रयागराज।

(ii) **क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी**– बौद्ध भवन, मानविकी संकाय, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी–221002।

(iii) **क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर**– नहर रोड़, मकान नं. 549बी, मोहद्दीपुर (पावर हाउस वाली गली) गोरखपुर 273008।

(iv) **क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ**– सेक्टर–10ए/आई एन एस–04, वृन्दावन योजना, लखनऊ।

(v) **क्षेत्रीय केन्द्र, बरेली**– रामगंगा नगर योजना, सेक्टर–3, दोहरा रोड, बरेली–243006।

(vi) **क्षेत्रीय केन्द्र, गाजियाबाद**–प्रेरणा जनसंचार एवं शोध संस्थान, सी–56/20 सेक्टर 62, नोएडा (उ0प्र0) 201301।

(vii) **क्षेत्रीय केन्द्र, मेरठ**– स्माइल नेशनल महिला पी0जी0 कालेज, बिल्डिग (प्रथम तल), बुढ़ाना गेट, मेरठ (उ0प्र0)।

(viii) **क्षेत्रीय केन्द्र, आगरा**– लायर्स कॉलोनी, हाउस न0 N–9, रामकृष्ण पब्लिक स्कूल के सामने, खन्दारी आगरा–282005।

(ix) **क्षेत्रीय केन्द्र, झॉसी**– डी0–17, एम0–02, वीरांगना नगर, पिछौर, झॉसी–248128।

(x) **क्षेत्रीय केन्द्र, कानपुर नगर**– भूखण्ड नं0–04 wब्लॉक, गुलमोहर विहार जूही, कानपुर–208014 (ईश्वर प्रेम आश्रम के सामने)।

(xi) **क्षेत्रीय केन्द्र, अयोध्या**– बी.एन.एस. गर्ल्स डिग्री कालेज, बाई पास परिक्रमा मार्ग, जनोरा, अयोध्या–224001।

(xii) **क्षेत्रीय केन्द्र, आजमगढ़**– छतवाड़ा रोड, बलेशिया चौराहा, आजमगढ–276001।

उक्त समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों के कार्य निम्नवत हैं–

1. अध्ययन केन्द्रों की व्यवस्था एवं नियंत्रण।
2. अध्ययन केन्द्रों का निरीक्षण।
3. अध्ययन केन्द्रों से शैक्षिक गतिविधियों का आदान–प्रदान।
4. अध्ययन केन्द्रों को समय–सारणी, परिचय पत्र उपलब्ध कराना।
5. अध्ययन केन्द्रों से परामर्श कक्षाओं का विवरण प्राप्त करना एवं निरीक्षण करना।
6. नये अध्ययन केन्द्र स्थापित करने हेतु जानकारी एवं सुविधा प्रदान करना।
7. समय–समय पर सम्बन्धित अध्ययन केन्द्रों हेतु कार्यशाला का आयोजन कराना।
8. अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों और शिक्षार्थियों की समस्याओं का समाधान एवं उन्हें सहायता उपलब्ध कराना।
9. अधिन्यास उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन।
10. अध्ययन केन्द्रों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु विश्वविद्यालय मुख्यालय को अवगत कराना।

3. अध्ययन केन्द्र

विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था का तीसरा अंग है– अध्ययन केन्द्र। विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम, पाठ्य–सामग्री, प्रवेश आदि के सन्दर्भ में शिक्षार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करने के लिए प्रत्येक अध्ययन केन्द्र पर समन्वयक, सह समन्वयक एवं सहायक शिक्षणेतर आदि की नियुक्ति करता है। इन अध्ययन केन्द्रों पर छात्र अपनी शैक्षिक समस्याओं एवं जिज्ञासाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रायः प्रदेश के शासकीय एवं अर्द्धशासकीय महाविद्यालयों में अध्ययन केन्द्र खोले गये हैं। अपनी सेवायें लेने के लिए विश्वविद्यालय; महाविद्यालय के प्राचार्य, अध्ययन केन्द्र के समन्वयकों एवं कर्मचारियों को एक निश्चित मानदेय का भुगतान मासिक आधार पर करता है।

शिक्षार्थियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु क्षेत्रीय केन्द्रों को उत्तरोत्तर सशक्त बनाया जा रहा है, जिसके अनुश्रवण एवं समस्याओं के समाधान के लिये क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रभारी नियुक्त किये गये हैं–

1. **क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज** :– प्रभारी, डॉ. दिनेश सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा
2. **क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी** :– प्रभारी, डॉ. सतीश चन्द्र जैसल, असिस्टेंट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा
3. **क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर** :– प्रभारी, प्रोफेसर, पी.के.स्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा।
4. **क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ** :– प्रभारी, प्रोफेसर संजय कुमार सिंह, आचार्य, भूगोल, समाज विज्ञान विद्याशाखा
5. **क्षेत्रीय केन्द्र बरेली** :– प्रभारी, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा
6. **क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ** :– प्रभारी, प्रोफेसर, अजेन्द्र कुमार मलिक, आचार्य गणित, विज्ञान विद्याशाखा
7. **क्षेत्रीय केन्द्र आगरा** :– प्रभारी, प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्त, आचार्य (संस्कृत)/उपनिदेशक मानविकी विद्याशाखा
8. **क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा/गाजियाबाद** :– प्रभारी, डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा
9. **क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी** :– प्रभारी, प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डेय, आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा
10. **क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर** :– प्रभारी, डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा
11. **क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या** :– प्रभारी, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा
12. **क्षेत्रीय केन्द्र आजमगढ़**:– प्रभारी, प्रोफेसर, संतोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा

प्रदेश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक शिक्षार्थियों के द्वार तक उच्च शिक्षा सुलभ कराने के लिए अध्ययन केन्द्रों की संख्या में वृद्धि की गयी है। शिक्षार्थी पाठ्य–सामग्री, अधिन्यास, प्रवेश एवं अन्य समस्त वांछित

सूचनायें अध्ययन केन्द्र से ही प्राप्त करते हैं। अध्ययन केन्द्र के समन्वयक सम्बन्धित कर्मचारियों पर नियंत्रण रखते हैं। सभी सूचनायें एकत्रित करना, क्षेत्रीय केन्द्रों से सूचनाओं का आदान–प्रदान करना, परामर्श कक्षाओं का आयोजन, परामर्शदाताओं चयन, शिक्षार्थियों की समस्याओं का निराकरण करना आदि अध्ययन केन्द्र–समन्वयकों के प्रमुख कार्य हैं।

उक्त के अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा सामान्य प्रशासन संचालन एवं शिक्षणेतर क्रिया–कलापों के सम्पादनार्थ समय–समय पर आवश्यकतानुसार मुख्यालय स्तर पर विभिन्न केन्द्रों एवं प्रमुख प्रकोष्ठों, समितियों की स्थापना एवं उनका गठन किया जाता है, जिनका विवरण निम्नवत है–

1. अध्ययन केन्द्र स्थापना एवं अनुश्रवण प्रकोष्ठ

अध्ययन केन्द्र स्थापित किये जाने के इच्छुक महाविद्यालयों द्वारा अपने–अपने आवेदन इसी प्रकोष्ठ को प्रेषित किये जाते हैं। तत्पश्चात् यह प्रकोष्ठ मा0 कुलपति जी के अनुमोदन के पश्चात् महाविद्यालयों/संस्थाओं में भौतिक संसाधनों की उपलब्धता के निरीक्षण हेतु निरीक्षण–मण्डल नियुक्त करता है और तत्सम्बन्धी आख्या प्राप्त करता है। प्राप्त प्रस्तावों का परीक्षण एक समिति द्वारा किया जाता है। उसके बाद इन प्रस्तावों को मान्यता बोर्ड, विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद के अनुमोदनार्थ भेज दिया जाता है। अनुमोदनोपरान्त विश्वविद्यालय तथा नव संस्थापित अध्ययन केन्द्रों के बीच एक अनुबन्ध हस्ताक्षरित किया जाता है। साथ ही महाविद्यालय के अध्यक्ष/प्राचार्य द्वारा भेजे गये तीन नामों की सूची में से किसी एक को मा0 कुलपति जी के द्वारा समन्वयक नियुक्त किये जाने के साथ अध्ययन केन्द्र अपना कार्य करने लगता है। अध्ययन केन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा यथा निर्धारित मानकों को ध्यान में रखकर कार्य कर रहा है, इसका अनुश्रवण भी यही प्रकोष्ठ करता है। 26.05.2025 तक इस प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो. विनोद कुमार गुप्त, आचार्य संस्कृत, मानविकी विद्याशाखा थे।

2. सूचना प्रकोष्ठ

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अन्तर्गत देश के हर नागरिक को यह अधिकार मिला हुआ है कि वह कुछ मामलों को छोड़कर किसी भी विषय पर सूचना मांग सकता है। अतः इस विश्वविद्यालय में तदनुसार सूचना उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय की अधिसूचना संख्या ओ.यू./सूचना/809/2007 दिनॉक 24.09.2007 एवं ओ.यू./1127/2009 दिनांक 09.01.2009 के क्रम में निम्नलिखित को जन सूचना अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है, जो सम्बन्धित सूचना उपलब्ध करायेंगे तथा समयान्तर्गत सूचना न उपलब्ध कराने की दशा में सूचना आयोग द्वारा निर्धारित अर्थ दण्ड हेतु स्वयं उत्तरदायी होंगे। जनसूचना अधिकारी डॉ. सुनील कुमार 24.02.2025 तक एवं वर्तमान में डॉ. दिनेश सिंह तथा डॉ. सुरेन्द्र कुमार समन्वयक जन सूचना अधिकारी हैं। विश्वविद्यालय में कुलसचिव प्रथम अपीलीय अधिकारी होंगे, जिनके समक्ष जन सूचना अधिकारी के निर्णय या अनिर्णय पर अपील की जा सकती है।

पाठ्य सामग्री अनुभाग

यह अनुभाग विश्वविद्यालय में संचालित विविध शैक्षणिक कार्यक्रमों हेतु दूरस्थ शिक्षा प्रणाली की स्व अध्ययन सामग्री (S.L.M.) उपलब्ध कराने का कार्य करता है। इसका मुख्य कार्य विश्वविद्यालय में प्रवेश प्राप्त शिक्षार्थियों को उनके द्वारा चयनित पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना है। वर्तमान में इसके प्रभारी प्रोफेसर संतोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा हैं।

प्रवेश अनुभाग

विश्वविद्यालय का प्रवेश अनुभाग; विश्वविद्यालय के गंगा परिसर के प्रशासनिक भवन में स्थित है। प्रवेश अनुभाग के माध्यम से सभी कार्यक्रमों में प्रवेश सम्बन्धी समस्त क्रिया–कलाप सम्पन्न किये जाते हैं। प्रवेश सूचना विवरणिका का निर्माण प्रवेश अनुभाग के माध्यम से कराकर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करा दिया जाता है ताकि आवश्यकता पड़ने पर शिक्षार्थी प्रवेश के सन्दर्भ में आवश्यक जानकारी प्राप्त सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया पूर्णतः आनलाइन सम्पादित की जाती है। आनलाइन ई–प्रवेश आवेदन पत्र को पूरित कर तथा आन लाइन शुल्क जमा करने के पश्चात् शिक्षार्थी अपने आवेदन पत्र का प्रिन्ट आउट अध्ययन केन्द्र पर जमा करता है। अध्ययन केन्द्र के द्वारा प्रक्रिया पूर्ण करने पर नामांकन संख्या प्राप्त हो जाती है। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया पर प्रवेश अनुभाग का नियंत्रण रहता है। इस अनुभाग के माध्यम से कुल शिक्षार्थियों की यथार्थ संख्या कार्यक्रमवार प्राप्त की जा सकती है। शिक्षार्थियों की प्रवेश सम्बन्धी समस्त समस्याओं का निराकरण इसी अनुभाग के द्वारा किया जाता है। प्रवेश के पश्चात् अध्ययन केन्द्र परिवर्तन, विषय परिवर्तन, कार्यक्रम परिवर्तन आदि महत्त्वपूर्ण कार्य यह अनुभाग करता है। वर्तमान में प्रवेश प्रभारी प्रो. जे.पी. यादव, आचार्य, जन्तु विज्ञान, विज्ञान विद्याशाखा है।

शोध एवं विकास प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय में नियमित पद्धति पर पी.एच.डी. कार्यक्रम सुचारु रुप से संचालन के लिये शोध अनुभाग का गठन किया गया है, जिसके प्रभारी प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, आचार्य शिक्षा विद्याशाखा है।

प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ

शिक्षार्थियों को उनके कैरियर सम्बन्धी मार्गदर्शन देने, रोजगार उपलब्ध कराने हेतु विश्वविद्यालय में पृथक सेवा स्थापना प्रकोष्ठ की स्थापना की गयी है। इसके माध्यम से शिक्षार्थियों के लिए कम्पनियों द्वारा कैम्पस साक्षात्कार का आयोजन किया जाता है, जिसके फलस्वरूप योग्य, अभ्यर्थियों का चयन कर अपनी कम्पनियों में रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। डॉ. त्रिविक्रम तिवारी इस प्रकोष्ठ के प्रभारी हैं।

शिक्षार्थी सहायता सेवा प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय में शिक्षार्थियों की समस्याओं के समाधान में उनकी सहायता के लिए इस प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। शिक्षार्थियों को अंकपत्र में अधिन्यास के अंक चढ़वाने, अंकपत्र में नाम शुद्धि करण आदि परेशानियों से बचाने के लिए भी इस प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी, सह–आचार्य शिक्षा विद्याशाखा इस प्रकोष्ठ के प्रभारी हैं।

दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक कार्यक्रम से जन मानस को अवगत कराने के लिये इस प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। यह प्रकोष्ठ ग्रामीण क्षेत्रों एवं ऐतिहासिक स्थानों पर शिविर लगाकर कार्यक्रमों का प्रचार–प्रसार करता है। प्रो. विनोद कुमार गुप्त, इसके प्रभारी है।

सूचना एवं जनसम्पर्क प्रकोष्ठ

शिक्षार्थियों को प्रवेश आदि से सम्बन्धित जानकारी देने एवं विश्वविद्यालय की वर्ष भर की दैनन्दिन गतिविधियों का विवरण रखने एवं समाचार पत्रों तथा टेलीवीजन आदि के माध्यम से महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के कवरेज आदि की व्यवस्था के लिए जन सम्पर्क प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। डॉ. साधना श्रीवास्तव, सहायक आचार्य, मानविकी विद्याशाखा इस प्रकोष्ठ की प्रभारी हैं।

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन केन्द्र

यह केन्द्र विश्वविद्यालय में सीका (Centre for Internal Quality Assurance) के नाम से गठित किया गया है। प्रकृत केन्द्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य है–विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली शिक्षार्थियों की सुविधाओं में सतत सुधार सुनिश्चित करना, गुणवत्ता संवर्धन के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सुधारात्मक सुझाव देना, दूरस्थ शिक्षा परिषद् के दिशा–निर्देशों के क्रियान्वयन का नियमित अन्वीक्षण करना, विश्वविद्यालय में शोध आदि को प्रोत्साहित करना, गुणात्मक सुधार की प्रक्रिया में अभिभावकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, नियोक्ताओं आदि से सम्बन्धित पक्षों की सहभागिता को सुनिश्चित करना है। इस केन्द्र के निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा हैं।

पर्यावरण जागरूकता एवं ग्रीन ऑडिट समिति

आज पर्यावरण के जितने भी घटक हैं, वे सभी प्रदूषण से ग्रस्त है, जिस कारण मानव जीवन के लिए अनेक समस्यायें उत्पन्न होती जा रही हैं। अतः पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रत्येक व्यक्ति, संस्था आदि को उत्तरदायित्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करना चाहिये। इसी को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय में पर्यावरण जागरूकता एवं ग्रीन ऑडिट समिति का गठन किया गया है। वृक्षारोपण, स्वच्छता आदि की व्यवस्था एवं उसकी देखभाल इस समिति के कार्य हैं, जिसके संयोजक प्रो. पी.के. पाण्डेय, आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा हैं।

एन्टी रैगिंग समिति

विश्वविद्यालय में पंजीकृत शिक्षार्थियों के साथ रैगिंग न हो एवं विश्वविद्यालय में शिक्षार्थियों के बीच मित्रता का भाव विकसित हो, परस्पर ईर्ष्या द्वैष समाप्त हो, इसके लिए एन्टी रैगिंग समिति का गठन किया गया है, जिसके संयोजक प्रो. विनोद कुमार गुप्त, आचार्य संस्कृत/उपनिदेशक, मानविकी विद्याशाखा है।

वित्तीय प्रशासन

वित्तीय प्रशासन एवं प्रबन्धन को संचालित करने के लिए विश्वविद्यालय में वित्त अनुभाग कार्यरत है। आय–व्यय से सम्बन्धित समस्त वित्तीय लेन–देन को सुचारु रूप से सम्पादित करने के लिए उ.प्र. शासन द्वारा वित्त अधिकारी की नियुक्ति की जाती है। वित्त अधिकारी के कुशल प्रबन्धन में विश्वविद्यालय का बजट समय से तैयार कर लिया जाता है। आय–व्यय के परीक्षण के लिये मा0 कुलपति जी द्वारा चार्टर्ड एकाउन्टेंट की नियुक्ति की जाती है, जो विश्वविद्यालय के आंतरिक संप्रेक्षक के रुप में माने जाते हैं। इस समय वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा हैं।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की आय के तीन मुख्य स्रोत हैं, जिनका विवरण परिशिष्ट 07 में उपलब्ध है–

इस प्रकार हम देखते हैं कि तीन स्तरों पर विभक्त विश्वविद्यालय का प्रशासन; मुख्यालय एवं पूरे प्रदेश में फैले हुए अपने 12 क्षेत्रीय केन्द्रों तथा अध्ययन केन्द्रों आदि का नियमन एवं संचालन करता है।

7. नवाचारी व्यवहार

(Innovative Practices)

नवाचारी व्यवहार के अंतर्गत किसी भी काम को करने के लिए नवीन, रचनात्मक और बेहतर तरीका अपनाना है। यह सिर्फ कुछ नया करना नहीं है, बल्कि पुरानी चीज़ों को भी नए ढंग से करना है ताकि वह आर्थिक प्रभावी, कुशल और उपयोगी हो जाए। संक्षेप में नवाचारी व्यवहार उस सोच और काम करने के तरीके को कहते हैं जो हमें लगातार बेहतर और नए समाधान खोजने के लिए प्रेरित करता है। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारी व्यवहार के अंतर्गत हम शिक्षार्थी को रचनात्मकता, अनुकूलनशीलता और लचीलेपन जैसे व्यवहार को अपनाकर अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करने तथा कौशल विकास करने के अवसर उपलब्ध कराते हैं। समय के साथ ही समस्त चराचर जगत परिवर्तित होता रहता है। इस परिवर्तन के साथ–साथ परिवर्तित स्वरुप को स्वीकार करना आवश्यक होता है। इनमें जब कुछ व्यवहार या प्रक्रिया प्रगति के लिए आवश्यक होती है तो उसे हम नवाचारी व्यवहार मान कर प्रयोग में ले आते हैं। वस्तुतः में शैक्षिक नवाचारों हेतु किसी नूतन आविष्कार की आवश्यकता नहीं होती है बल्कि रचनात्मकता तथा विशिष्ट कौशल के द्वारा किसी कार्य को प्रभावी एवं उपयोगी बनाने के लिए किये जाने वाले प्रयास नवाचार ही कहे जा सकते या विश्वविद्यालय हित में जिन अभिनव प्रयोगों द्वारा गुणवत्ता उन्नयन, शैक्षिक सुधार, संगठनात्मक संवर्द्धन किए जाने का प्रयास किया जाता है, उन्हें ही नवाचारी व्यवहार मानना अनुचित नहीं होगा। मात्र रचनात्मकता तथा विशिष्ट कौशल के द्वारा उसे अपने कार्यो को बेहतर बनाने के लिए अपनाया जा सकता है, यही है नवाचार। इस नवाचारी व्यवस्था के लिए उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय सदैव समयानुकूल प्रासंगिक एवं उपयोगी व्याख्यानों को तथा नवाचारी व्यवहारों को प्रारंभ करने में तत्परता दिखाता है। विश्वविद्यालय की गत वर्ष नवाचारी व्यवहार (Innovative Practices) निम्नवत रहा है–

भारत की महान विभूतियों के योगदानों के सम्मानार्थ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन–

महापुरुषों की स्मृति एवं उनके सनातन चरित्र का अनुकरण शिक्षार्थियों को नैतिकता और सनातन परम्पराओं का अनुपालन करने की प्रेरणा देता है। विश्वविद्यालय परिवार समय–समय पर महापुरुषों की जयन्तियों एवं पुण्यतिथियों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है। जिससे शैक्षिक वातावरण के सृजन के साथ–साथ गुणवत्ता संवर्धन एवं चारित्रिक विकास भी संभव होता है। प्रत्येक वर्ष राजर्षि व्याख्यानमाला का भव्य आयोजन इस विश्वविद्यालय की गौरवशाली परम्परा रही है। इसी के क्रम में सत्र 2024–25 में राजर्षि टण्डन जी की पुण्यतिथि से जयन्ती पर्यन्त सम्पूर्ण मास विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं यथा निबंध, भाषण, टण्डन जी पर आधारित पेंटिग प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। टण्डन जी की जयन्ती समारोह में हिंदुस्तानी एकेडमी के सहयोग से ख्यातिलब्ध कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इसके साथ ही अटल प्रेक्षागृह में राजर्षि टंडन पर आधारित पुस्तक प्रदर्शनी और राजर्षि टंडन के जीवन वृत्तांत पर निर्मित वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया।

सरस्वती परिसर के प्रांगण में अटल बिहारी बाजपेयी जी की प्रतिमा की स्थापना

भारत में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई की जन्मशताब्दी के अवसर पर 23 से 25 दिसंबर 2024 तक त्रिदिवसीय समारोह का बृहद आयोजन किया गया जिसमें काव्यपाठ के साथ ही अटल जी की चुनिंदा कविताओं के प्रकाशित संकलन का वितरण छात्रों में साहित्यिक अभिरुचि के उन्नयन के लिए किया गया। इस अवसर पर अटल जी की प्रतिमा की स्थापना की गई।

समर्थ पोर्टल

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने सत्र 2024–25 की प्रवेश प्रक्रिया का दिनांक 04 जुलाई, 2024 को समर्थ पोर्टल पर प्रवेश प्रारम्भ कर दिया गया

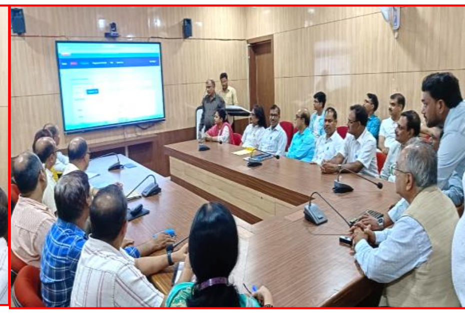
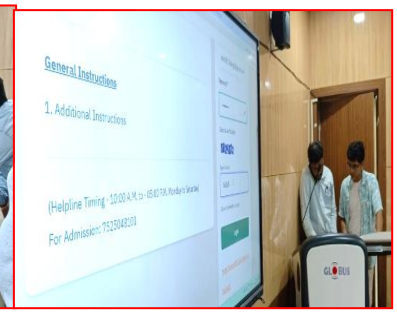

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (UPRTOU) ने वर्ष 2024–25 के पर्यावरणीय नवाचार गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं। इनका उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर में हरित वातावरण को बढ़ावा देना और पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ाना है। अपने परिसर को हरा–भरा तथा वातावरण को शुद्ध बनाने के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

प्रकाशन, डिजिटल लर्निंग और आई0 सी0 टी0 से जुड़े नवाचार

विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों और नवाचारों के बारे में जानकारी के व्यापक प्रसार के लिए विश्वविद्यालय ई–न्यूज लेटर मुक्त चिंतन का प्रकाशन नियमित रूप से किया जाता रहा है। वर्ष 2024–25 में राजर्षि टंडन जी पर वृतचित्र का निर्माण किया गया। जिससे उनके जीवन मूल्यों का प्रचार प्रसार किया जा सके और शिक्षार्थी हिन्दी समर्थन और देश प्रेम की भावना को आत्मसात कर सके।

डिजीटल नवाचारों के क्रम में एकलव्य ऐप से शिक्षार्थियों का मार्गदर्शन विश्वविद्यालय द्वारा एकलव्य आप

शिक्षार्थी सहायता सेवा के लिए डिजाइन किया गया। इस ऐप के माध्यम से प्रत्येक शिक्षार्थी को अकादमी को और व्यक्तिगत रूप से सफल होने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं संसाधन उपलब्ध कराए जाते हैं।

स्वयं प्रभा कार्यक्रम

वर्तमान में, ऑनलाइन एजुकेशन के क्षेत्र में स्वयंप्रभा चैनल संख्या 14 का महत्वपूर्ण योगदान है क्योंकि इस प्लेटफार्म द्वारा सुदूरवर्ती शिक्षार्थियों तक सुगमता एवं सक्षमता से शिक्षा पहुंचाई जा सकती है स्वयंप्रभा चैनल 14 के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली ने विश्वविद्यालय ने के 12 कार्यक्रमों का अनुमोदन किया है। इन 12 कार्यक्रमों के वीडियो लेक्चर का निर्माण किया जाना है। जिसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है ।

इसी दिशा में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में दिनांक 4 अप्रैल 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन द्वारा डेवलपिंग वीडियो कंटेंट फॉर स्वयंप्रभा विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भी किया गया जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को डिजिटल शिक्षा और प्रशिक्षण सामग्री तैयार करने में दक्ष बनाना था।

विस्तार गतिविधियों में नवाचारी प्रयोग

ग्रामीण महिलाओं के हस्तशिल्प को बढ़ावा देने तथा महिलाओं के आत्म विश्वास व आर्थिक उन्नयन के मार्ग रुप में विश्वविद्यालय ने महिला अध्ययन केन्द्र को पुर्नगठित करते हुए 'महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र' के रूप में नवाचार गतिविधियों को अपनाते हुए उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने 101वीं वाहिनी द्रुत कार्य बल के संयुक्त तत्त्वावधान में शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया।

विश्वाविद्यालय द्वारा गोद लिये गाँव में युवतियों एवं बालिकाओं में छिपी प्रतिभा को उभारने तथा उन्हें मुखर

बनाने के उद्देश्य से नवाचारी व्यवहार को अपनाया गया। इसके अन्तर्गत राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोहरी, सोरांव प्रयागराज जनपद में खेल, भाषण, कहानी कथन और निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बालक–बालिकाओं ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ आत्मविश्वास तथा आत्मनिर्भरता की भावनाओं को विकसित करने का सशक्त माध्यम होती हैं जिन्हें कालान्तर में कौशल प्राप्त कर अर्थ प्राप्त करने का माध्यम भी बनाया जा सकता है। प्रत्येक विद्याशाखा द्वारा भी गोद लिये गाँवों में जाकर अनेक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहें हैं।

'उन्नत भारत अभियान' गतिविधियों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा मुख्यालय के परिक्षेत्र में स्थित सात गांव ग्राम लेहरा, ग्राम मातादीन का पूरा, ग्राम जैतवार डीह, ग्राम गोहरी, ग्राम चांटी, ग्राम बारी एवं ग्राम को गोद लिया गया। इन गोद लिए हुए गाँवों में विश्वविद्यालय की विद्याशाखाओं तथा विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित 'महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र' के माध्यम से गाँव में स्वच्छता, स्वास्थ्य और महिला सुरक्षा, संरक्षण, स्वच्छ पेयजल और प्राथमिक स्वास्थ्य में जागरूकता, प्रशिक्षण और ग्रामीण विकास में आईसीटी के प्रयोग पर समय–समय पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से कार्य किये गये जो निरन्तर जारी है। मुक्तविश्वविद्यालय द्वारा आंगनबाड़ी संबंधी प्रतियोगिता का आयोजन इन प्रयासों में गांव में स्थित आँगनबाड़ी केन्द्रों को सक्षम बनाते हुए उनका सहयोग लिया गया।

साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में नवाचार

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल हिन्दी भाषी प्रदेश में हिन्दी के प्रबल समर्थक राजर्षि टण्डन जी के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय ने हिन्दी के प्रचार प्रसार तथा हिन्दी के प्रख्यात कवियों एवं गद्यकारों के योगदान से शिक्षार्थियों परिचित कराने के लिए इस वर्ष से कवियों एवं गद्यकारों की जयन्ती पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करना प्रारंभ किया है।

कौशल विकास केन्द्र की स्थापना

विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में समाज के उच्च शिक्षा से वंचित वर्गो तथा कारीगरों को प्रशिक्षित एवं उनकी दक्षता प्रमाणित करने के लिए ''कौशल विकास केन्द्र'' की स्थापना की गई है। इस केन्द्र के द्वारा कारीगरों तथा अन्य लघु कार्यो में लगे लोगों में छिपी विभिन्न प्रतिभाओं को पहचान कर विशिष्ट प्रशिक्षण द्वारा उन्हें कुशल बनाकर स्वावलम्बी बनाने का कार्य किया जा रहा है।

शैक्षिक नवाचार (Educational Innovation)

अनुसंधान और शोध गतिविधि के लिए प्रोत्साहन नीति को अपनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सत्र 2024–25 में डिजिटल पाठ्य सामग्री लेने वाले छात्रों का प्रवेश शुल्कमें 15 प्रतिशत की एक मुश्त छूट प्रदान की जाएगी।

'नई पद्धतियों और शिक्षण विधियों का परिचय' आधुनिक और समावेशी शिक्षण पद्धतियाँ जैसे कि प्रोजेक्ट–बेस्ड लर्निंग, फ्लिप्ड क्लासरूम, और ई–लर्निंग को बढ़ावा देना। सीयूजी मोबाइल के माध्यम से परामर्श, व्हाट्सएप ग्रुप बनाना, चौट, ईमेल, लाइव ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित करना।

सामाजिक नवाचार

विश्वविद्यालय परिवार सामाजिक सरोकार के कार्यो के लिए भी निरन्तर प्रयत्नशील है। इसी श्रृंखला में विश्वविद्यालय परिवार विभिन्न गतिविधियों के माध्यम आस–पास के लोगों को सामाजिक और आर्थिक रुप से जागरूक करता है। मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा 'विश्व दिव्यांग दिवस' का आयोजन किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन में

विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं बचपन डे केयर सेंटर प्रयागराज के संयुक्त तत्त्वावधान में के दिनांक 03 दिसम्बर, 2024 को विश्व दिव्यांग दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिव्यांग बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दिव्यांग जनों के प्रति समाज में सद्भावना बढ़ाने तथा दिव्यांगों को समाज की मुख्या धारा से जोड़ने के क्रम में विश्वविद्यालय का प्रयास निरन्तर चल रहा है।

ऊर्जा दक्षता एवं सोलर पैनल–

विद्युत ऊर्जा की खपत कम करने के लिए विश्वविद्यालय में सौर ऊर्जा पैनल स्थापित किए गए। इससे न केवल बिजली की बचत होती है, बल्कि नवकिरणीय ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा मिलता है। परिसर की इमारतें ऊर्जा कुशल और सौर ऊर्जा जैसे नवकिरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग कर रही है ।

स्वास्थ्य देखभाल एवं स्वास्थ्य चेतना क्षेत्र में नवाचारी प्रयास –

इस सत्र में नवाचार व्यवहार को अपनाते हुए स्वास्थ्य शिविर और आस–पास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने के लिए विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य मेला का अयोजन किया गया। इस कड़ी में योग दिवस के उपलक्ष्य में मासपर्यन्त योगाभ्यास और योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
एवं
विनीता अस्पताल प्रयागराज

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
एवं
विनीता अस्पताल प्रयागराज

परिशिष्ट-1

(जुलाई, 2024 से जून 2025 तक)

विद्या परिषद्

1.	प्रो. सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
2.	प्रो. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
3.	प्रो. सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
4.	प्रो. प्रशान्त कुमार स्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
5.	प्रो. संतोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
6.	प्रो. हरीशंकर सिंह, आचार्य एवं संकायाध्यक्ष, शिक्षा विद्याशाखा, शिक्षा शास्त्र विभाग, बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।	**(दिनाँक 09–11–2024 तक)**
7.	प्रो. अनुराधा अग्रवाल, राजनीति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 09–11–2024 तक)**
8.	प्रो. सुनील कुमार सिंह, आचार्य, शिक्षा शास्त्र, शिक्षा संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।	**(दिनाँक 09–11–2024 तक)**
9.	प्रो. विवेक कुमार सिंह, संकायाध्यक्ष, छात्रा कल्याण प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 09–11–2024 तक)**
10.	प्रो. राजशरण शाही, शिक्षा शास्त्र विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ – 226025	
11.	प्रो. सुदीप रंजन झा, प्रोफेसर, भौतिकी, विज्ञान संकाय, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।	**(दिनाँक 03–12–2024 से)**
12.	डॉ. पंकज खरे, पूर्व निदेशक, नियोजन एवं विकास, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।	**(दिनाँक 03–12–2024 से)**
13.	प्रो. किरण हजारिका, प्रति कुलपति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब, भटिंडा।	**(दिनाँक 03–12–2024 से)**
14.	प्रो.मानुका खन्ना, प्रति कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।	**(दिनाँक 03–12–2024 से)**
15.	प्रो. छत्रसाल सिंह, आचार्य, (शिक्षा शास्त्र) शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
16.	प्रो. श्रुति, आचार्य, (सांख्यिकी) विज्ञान विज्ञान शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 29–03–2025 से)**
17.	प्रो. विनोद कुमार गुप्ता, आचार्य (संस्कृत), मानविकी विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 14–03–2025 तक)**
18.	डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 14–03–2025**

		तक)
19.	डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 14–03–2025 तक)**
20.	डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी, एसोसिएट प्रोफेसर, (शिक्षा शास्त्र) शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 29–03–2025 से)**
21.	डॉ. दिनेश सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 29–03–2025 से)**
22.	डॉ. साधना श्रीवास्तव, सहायक आचार्य (पत्राकारिता एवं जनसंचार), मानविकी विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 09–11–2024 तक)**
23.	डॉ. सुरेन्द्र कुमार, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 03–12–2024 से)**
24.	डॉ. सी.के. सिंह, सहायक आचार्य, (कम्प्यूटर विज्ञान) विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	**(दिनाँक 23–08–2024 से)**
25.	श्री विनय कुमार, कुलसचिव, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	

(जुलाई, 2024 से जून 2025 तक)

कार्य परिषद्

1.	प्रो. सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
2.	माननीय न्यायमूर्ति श्री मनोज कुमार गुप्ता, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद (38–ए, थार्नहिल रोड, प्रयागराज)।	**(दिनाँक 02–10–2024 तक)**
3.	प्रो. उमा काँजीलाल, कुलपति, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–100068	**(दिनाँक 03–01–2025 से)**
4.	डॉ. के.के. तिवारी, अवकाश प्राप्त प्राचार्य, वी.एस.एस.डी. कालेज, कानपुर। (पता–12–डी ब्लाक–बी दिग्विजय कान्हा श्याम, इन्दिरा नगर, कानपुर–208026)	**(दिनाँक 24–04–2025 तक)**
5.	प्रो. अखिलेश कुमार सिंह, कुलपति, प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भृया विश्वविंद्यालय प्रयागराज।	**(दिनाँक 24–04–2025 तक)**
6.	मा. न्यायमूर्ति श्री शेखर बी. सर्राफ, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद (बंगला नं.–26, ड्रमण्ड रोड, प्रयागराज)।	**(दिनाँक 03–10–2024 से)**
7.	प्रो. प्रशान्त कुमार स्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 28–03–2025 तक)**
8.	प्रो. संतोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
9.	प्रो. रुचि बाजपेई, आचार्य (हिन्दी), मानविकी विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 27–03–2025 तक)**
10.	प्रो. विनोद कुमार गुप्ता, आचार्य (संस्कृत), मानविकी विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 16–06–2025 से)**
11.	डॉ. सुनील कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (प्राचीन इतिहास), समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
12.	डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी, सह आचार्य, (शिक्षा शास्त्र), शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
13.	प्रो. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 16–06–2025 से)**

जुलाई, 2024 से जून 2025 तक

योजना बोर्ड

1.	प्रो. सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
2.	प्रो. एस.पी. माथुर, प्रबन्ध शास्त्र संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी–221005	
3.	प्रो. हरिकेश सिंह, (पूर्व कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय,छपरा, बिहार) ग्राम–पत्रालय : घरिहा, जनपद–गाजीपुर–233226 (उत्तर प्रदेश)	
4.	डॉ. राकेश कुमार तिवारी, अर्थशास्त्र विभाग, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी	
5.	श्री बनमाली सिंह, उप कुलसचिव, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068	
6.	डॉ. परमार्थ प्रकाश,	**(दिनाँक 25–08–2024 तक)**
7.	श्री कुमार कुन्तल, वरिष्ठ मण्डल प्रबन्धक, प्रभारी, भारतीय जीवन बीमा निगम, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज।	**(दिनाँक 29–03–2025 से)**
8.	प्रो. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 29–10–2024 से)**
9.	डॉ. आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, (राजनीति विज्ञान) समाज विज्ञान विज्ञान शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 29–03–2025 से)**
10.	प्रो. छत्रसाल सिंह, आचार्य (शिक्षा शास्त्र) शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
11.	प्रो. मीरा पाल, आचार्य, (फूड न्यूट्रिशन एवं डाइटेक्सि) स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
12.	श्री मनोज कुमार बलवन्त, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (कम्प्यूटर विज्ञान) विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 29–10–2024 से)**

जुलाई, 2024 से जून 2025 तक

परीक्षा समिति

1.	प्रो. सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
2.	प्रो. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	
3.	प्रो. सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	
4.	प्रो. प्रशान्त कुमार स्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
5.	प्रो. संतोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
6.	डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 14–03–2025 तक)**
7.	डॉ. जी. के. द्विवेदी, एसोसिएट प्रोफेसर (शिक्षा शास्त्र), शिक्षा विद्याशाखा), उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 25.07.2024 से)**
8.	डॉ. सुनील कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (प्राचीन इतिहास), समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 25.07.2024 से)**
9.	प्रो. विनोद कुमार गुप्ता, आचार्य (संस्कृत), उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 16–06–2025 से)**
10.	प्रो. श्रुति, आचार्य (सांख्यिकी), विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 16–06–2025 से)**
11.	श्री विनय कुमार, परीक्षा नियंत्राक, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	

जुलाई, 2024 से जून 2025 तक
मान्यता बोर्ड

1.	प्रो. सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
2.	प्रो. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	
3.	प्रो. सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	
4.	प्रो. प्रशान्त कुमार स्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
5.	प्रो. संतोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	
6.	प्रो. विनोद कुमार गुप्ता, आचार्य (संस्कृत), मानविकी विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 14–03–2025 तक)**
7.	डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 14–03–2025 तक)**
8.	प्रो. छत्रसाल सिंह, आचार्य (शिक्षा शास्त्र) शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 30–01–2025 तक)**
9.	प्रो. श्रुति, आचार्य (सांख्यिकी), विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 26.06.2025 से)**
10.	डॉ. जी. के. द्विवेदी, एसोसिएट प्रोफेसर (शिक्षा शास्त्र), शिक्षा विद्याशाखा), उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 26.06.2025 से)**
11.	डॉ. आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, (राजनीति विज्ञान) समाज विज्ञान विज्ञान शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 26.06.2025 से)**
12.	डॉ. सुनील कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (प्राचीन इतिहास), समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	**(दिनाँक 26.06.2025 से)**
13.	श्री विनय कुमार कुलसचिव, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।	

परिशिष्ट-2
विद्याशाखाओं की इकाईयाँ
Units of School of Studies

विद्याशाखायें (School)	अध्ययन इकाईयाँ (Study Units)
मानविकी **(Humanities)**	संस्कृत और प्राकृत भाषा, हिन्दी और आधुनिक भारतीय भाषाएँ, अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, भाषा विज्ञान, ओरियेन्टल अध्ययन, पत्रकारिता एवं जनसंचार, उर्दू, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान।
समाज विज्ञान **(Social Sciences)**	राजनीतिशास्त्र, मानव विज्ञान, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्त्व विज्ञान, मध्ययुगीन और आधुनिक इतिहास, समाज विज्ञान, समाज कार्य, लोक प्रशासन।
विज्ञान **(Sciences)**	भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, गणित, कम्प्यूटर विज्ञान, माइक्रो बायोलॉजी, सांख्यिकी, बोयोकेमिस्ट्री, फूड– टेक्नालॉजी, गृह विज्ञान।
शिक्षा **(Education)**	शिक्षा , प्रौढ़ एवं सतत् शिक्षा ।
प्रबन्धन अध्ययन **(Management Studies)**	वाणिज्य, विशुद्ध एवं अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र, व्यवसाय प्रशासन और व्यवसाय प्रबन्धन, वित्तीय विश्लेषण एवं लेखा।
स्वास्थ्य विज्ञान **(Health Science)**	स्वास्थ्य शिक्षा, न्यूट्रिशन, फूड एवं डाइट्रेटिक्स, परिचर्या एवं अर्थ–चिकित्सकीय सेवाएं।
कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान **(Computer & Information Science)**	कम्प्यूटर एप्लिकेशन एवं कम्प्यूटर अभियन्त्रण, सूचना प्रौद्योगिकी
व्यावसायिक अध्ययन **(Vocational Studies)**	फैशन डिजाइनिंग, टैक्सटाइल डिजाइनिंग, इन्टीरियर डिजाइनिंग, इन्टीरियर डेकोरेशन, वाणिज्यक कला, फोटोग्राफी
कृषि विज्ञान **(Agricultural Science)**	कृषि उत्पादन प्रणाली एवं प्रबन्धन, पशुधन उत्पादन प्रणाली, पोस्ट हार्वेस्ट तकनीकी एवं मूल्य संवर्धन, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन, प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन, प्रसार एवं सामुदायिक विकास
अभियंत्रण एवं प्राविधि विद्याशाखा	सिविल अभियंत्रण, यांत्रिक अभियंत्रण, विद्युत अभियंत्रण, इलेक्ट्रानिक्स, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियंत्रण, अनुप्रयुक्त विज्ञान और मानविकी

परिशिष्ट 3

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं अन्य शैक्षणिक संवर्ग

	Prof. Ashutosh Gupta Director School of Sciences
	Prof. Satyapal Tiwari Director, School of Humanities
	Prof. Prasant Kumar Astalin Director, School of Education
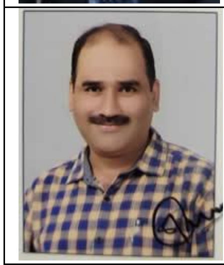	**Prof. Santosha Kumar** Director School of Social Sciences
	Prof. P.K. Pandey Professor School of Education
	Prof. Ruchi Bajpai Professor (Hindi) School of Humanities
	Prof. Vinod Kumar Gupta Deputy Director/Professor School of Humanities

	Prof. Chahatrasal Singh Professor School of Education
	Prof. Shruti Professor (Statistics) School of Sciences
	Prof. Ajendra Kumar Malik Professor School of Sciences
	Prof. Jay Prakash Yadav Professor School of Sciences
	Prof. Meera Pal Professor (Food and Nutrition), School of Health Science
	Prof. Sanjay Kumar Singh Professor (Geography) School of Social Studies
	Dr. Ananda Nand Tripathi Associate Professor (Political Science) School of Social Studies

	Dr. Gyan Prakash Yadav Associate Professor School of Management Studies Assistant Director
	Dr. Devesh Ranjan Tripathi Associate Professor School of Management Studies
	Dr. Girish Kumar Dwivedi Associate Professor, School of Education
	Dr. Dinesh Singh Associate Professor School of Education
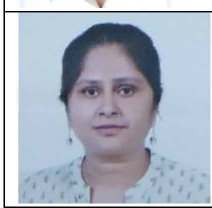	**Dr. Sadhana Srivastava** Assistant Professor (Journalism & Mass Communication), School of Humanities
	Dr. Sunil Kumar Assistant Professor (Ancient History) School of Social Sciences

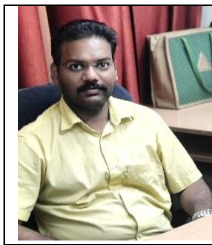	**Sri Manoj Kumar Balwant** Assistant Professor (Computer Sciences) School of Sciences
	Dr. Satish Chandra Jaisal Assistant Professor (Journalism & Mass Communication) School of Humanities
	Dr. Trivikram Tiwari Assistant Professor (Political Science), School of Social Studies
	Dr. Chandrakant Singh Assistant Professor (Computer Science) School of Sciences
	Dr. Surendra Kumar Assistant Professor (Education) School of Sciences

संविदा पर कार्यरत शिक्षक

Dr. Upendra Nath Tiwari
Lecturer (Education),
School of Education

Dr. Smita Agrawal
Asst. Professor (Sanskrit),
School of Humanities

Dr. Deepshikha Srivastava
Asst. Professor (Political Science),
School of Social Science

Dr. Atul Kumar Mishra
Asst. Professor, Philosophy
School of Humanities

Dr.Gaurav Sankalp
Asst. Professor (Commerce),
School of Management Studies

Dr. Dinesh Kumar Gupta
Asst. Professor (Chemistry),
School of Sciences

Dr. Neeta Mishra
Asst. Professor [Bed. SPL (HI)]
School of Special Education

Dr. Ravindra Pratap Singh
Asst. Professor (Biochemistry)
School of Sciences

Dr. Dharmveer Singh
Asst. Professor (Biochemistry)
School of Sciences

Dr. Shivendra Pratap Singh
Asst. Professor (English)
School of Humanities

Dr. Abdul Rahman
Asst. Professor (Urdu)
School of Humanities

Sri. Rajesh Kumar Gautam
Asst. Professor (Library and Information Science)
School of Humanities

Dr. Abhishek Singh
Asst. Professor (Geography)
School of Social Studies

Dr. Praveen Kumar
Asst. Professor (Education)
School of Education

Dr. Niranjali Shinha
Asst. Professor (History)
School of Social Science

Dr. Alka Verma
Asst. Professor (Social Work),
School of Social Sciences

Dr. Santosh Kumar Singh
Asst. Professor (History)

Dr. Rekha Tripathi
Asst. Professor (Sanskrit)
School of Humanities

Dr. Shashi Bhushan Ram Tripathi
Asst. Professor (Geography)
School of Humanities

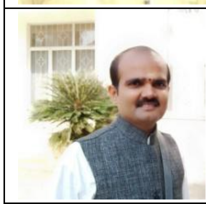

Sri Amit Kumar Singh
Asst. Professor (Yoga)
School of Health Science

Sri Pavind Kumar Verma
Asst. Professor (B.Ed. Special Edu. VI)
School of Education

Dr. Dipa Chaubey
Asst. Professor (Zoology)
School of Sciences

Dr. Amrendra Kumar Yadava
Asst. Professor (Commerce)
School of Management Studies

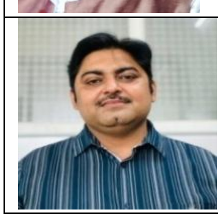

Dr. Arvind Kumar Mishra
Asst. Professor (Physics)
School of Sciences

Dr. Rekha Singh
Asst. Professor, (Physics)

Dr. Shayam Datt Dubey
Asst. Professor, (Geography)
School of Social Studies

Dr. Ravindra Nath Singh
Asst. Professor, (B.Ed.)
School of Education

Dr. Anil Kumar Yadav
Asst. Professor, (Economics)
School of Humanities

Dr. Satendra Babu
Asst. Professor (Agriculture)
School of Agricultural Sciences

Dr. Sushama Singh
Asst. Professor [Bed. SPL (MR)],
School of Education

Dr. Raghvendra Singh
Assistant Professor (Mathematics)
School of Sciences

Dr. Sanjay Kumar Singh
Asst. Professor [Bed. SPL (HI)],
School of Education

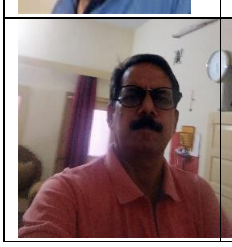

Dr Bal Govind Singh
Assistant Professor
Doctrate
School of Education

Dr. Deepmala Gupta
Assistant Professor
School of Sciences

Kamna Yadav
Assistant Professor
School of Social Sciences

Dr. Dayanand Upadhyay
Assistant Professor, (MAJMC)
School of Humanities

Dr. Shailendra Kumar Singh
Assistant Professor, Economics
School of Humanities

Dr. Anuradha Singh
Assistant professor, Botany
School of Sciences

Rajesh Singh
Assistant professor history
School of Social Sciences

Pramod Kumar Singh
Assistant professor
School of Agriculture Sciences

Dr. Sanjeev Bhaat
Assistant Professor
School Of Humanities

Dr. Yogesh Kumar Yadav
Assistant Professor, History
School of Social Sciences

Anurag Shukla
Assistant Professor
School of Health Science

Saumya Tiwari
Assistant Professor, Commerce
School Of Management Studies

Anupam
Assistant Professor, Hindi
School Of Humanities

Dr. Subas Chand Pal
Assistant Professor, Ancient History
School of Social Sciences

Dr. Gopal Krishna Singh
Assistant Professor, Maths
School Of Sciences

Dr. Suman Singh
Assistant Professor, Library Science
School Of Humanities

Reetu Sharma
Assistant Professor
School Of Education

Dr. Amit Kumar Singh
Asst. Prof., English
School Of Humanities

Dr. Chandreshvar Prasad Yadav
Assistant Professor
School Of Sciences

Dr. Manoj Kumar
Assistant Professor Sociology
School Of Social Sciences

Sohinee Devi
Assistant Professor (Public Administration)
School Of Social Sciences

Dr. Mukesh Kumar Maurya
Assistant Professor, English
School Of Humanities

Dr. Abhay Kumar Yadav
Assistant Professor, Philosophy
School of Humanities

Dr. Santosh Kumar Bharati
Assistant Professor
School of Humanities

Zoomi Singh
Assistant Professor
School of Health Science

Dr. Abdurrahman
Assistant Professor
School of Humanities

Dr. Pushpendra Kumar Verma
Assistant Professor (B.Ed.)
School of Education

Niket Singh
Assistant Professor
School of Health Science

Dr. Satendra Kumar
Assistant Professor, Economics
School of Humanities

Dr. Safina Samavi
Assistant Professor
School of Humanities

Dr. Shailendra Kumar
Assistant Professor
School of Education

Dr Anuj Kumar Singh
Assistant Professor, Statisics
School of Sciences

Dr Sadhana Singh
Assistant professor - Biochemistry
School of Sciences

	Kaumudi Shukla Assistant Professor School of Education

	Dr. Prem Prakash Kushawaha Assistant Professor, Library Science School of Humanities

पुस्तकालय संवर्ग

	Dr. Ram Janam Maurya Dupty Librarian,

परिशिष्ट–4

विश्वविद्यालय में शिक्षणेत्तर पदों की स्थिति 01 जुलाई, 2024 से 30 जून, 2025 तक (शासनादेशानुसार सृजित पदों का विवरण)

1. शासनादेश संख्या–1300/70–4–99–9(1)/99, उच्च शिक्षा अनुभाग–4, दिनांक 16 सितम्बर, 99
2. शासनादेश संख्या–314/70–4/2006–9(1)/99, उच्च शिक्षा अनुभाग–4, दिनांक 03 फरवरी, 2006
3. शासनादेश संख्या–494/सत्तर–4–2008–9(1)99, उच्च शिक्षा अनुभाग–4, दिनांक 14 फरवरी, 2008
4. शासनादेश संख्या–360/सत्तर–4–2017, उच्च शिक्षा अनुभाग–4, दिनांक 11 मई, 2017
5. शासनादेश संख्या–05/सत्तर–4–2017, उच्च शिक्षा अनुभाग–4, दिनांक 29 जून, 2017
6. शासनादेश संख्या–933/सत्तर–4–2018, उच्च शिक्षा अनुभाग–4, दिनांक 06 नवम्बर, 2018
7. * शासनादेश संख्या–1039/सत्तर–4–2020–1544(4)/16 दिनांक 17 सितम्बर, 2020 के द्वारा कनिष्ठ लिपिक (कनिष्ठ सहायक) के एक (01) पद को चतुर्थ श्रेणी के पद के रूप में डाउनग्रेड किया गया।

क्र.सं.	उपरोक्त शासनादेश बिन्दु संख्या–01, 02 व 03 के अन्तर्गत सृजित पदनाम	सृजित पदों की संख्या	उपरोक्त शासनादेश बिन्दु संख्या–04, 05 व 06 के अन्तर्गत पुनर्गठन के फलस्वरूप पदनाम	सृजित पदों की संख्या	भरे हुए पदों की संख्या	रिक्त पद.	अधियाचित पद
1.	वरिष्ठ आशुलिपिक	02	आशुलिपिक	02	01	01	01
2.	निजी सचिव	01	वैयक्तिक सहायक ग्रेड–2	01	01	----	
3.	----	----	वैयक्तिक सहायक ग्रेड–1	01	----	01	
4.	कम्प्यूटर आपरेटर ग्रेड–1/ग्रेड–ए (15+01)	16	कम्प्यूटर आपरेटर ग्रेड–ए	14	14*	----	
5.	डाटा इन्ट्री आपरेटर	03					
6.	कम्प्यूटर आपरेटर ग्रेड बी	03	कम्प्यूटर आपरेटर ग्रेड–बी	06	06	----	
7.	कम्प्यूटर आपरेटर	01	कम्प्यूटर आपरेटर ग्रेड–सी	03	03	----	
8.	प्रोग्रामर	01	प्रोग्रामर ग्रेड–1	01	01	----	
9.	कार्यालय अधीक्षक	03	प्रधान सहायक	03	03	----	
10.	वरिष्ठ लिपिक	02	वरिष्ठ सहायक	02	02	----	
11.	कनिष्ठ लिपिक	13	कनिष्ठ सहायक	33–1*=32	13 (02 पद समायोजन के माध्यम से एवं 02 पद पदोन्नति द्वारा)	19	12
12.	कनिष्ठ लिपिक	20					
13.	शोध सहायक	01	----	----	01	----	
14.	लेखाकार	01	----	----	01	----	
15.	सहायक लेखाकार	03	----	----	01	02 (01 पद पर कनिष्ठ लेखा लिपिक की कार्यवाही प्रक्रियाधीन)	01
16.	कैशियर/कनिष्ठ लेखा लिपिक	01	----	----	01	----	
17.	पुस्तकालय लिपिक	01	----	----	01	----	
18.	पुस्तकालय सहायक/कैटलागर	02	----	----	02	----	
19.	ड्राइवर	03	----	----	02	01	01
20.	अनुचर (अर्दली 01 पद कुलपति के लिए)	04+1*05	----	----	05	----	

* शासनादेश संख्या–05/सत्तर–4–2017, उच्च शिक्षा अनुभाग–4, दिनांक 29 जून, 2017 के अन्तर्गत कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड–ए के पद कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड–बी में समायोजित किये गये।

(दीपान्शु कुमार)
कनिष्ठ सहायक

श्रवण कुमार दूबे
कार्यालय अधीक्षक

परिशिष्ट–5

(Data Regarding in the last years 1999-2024)

ID	Prog.	99-00	00-01	01-02	02-03	03-04	04-05	05-06	06-07	07-08	08-09	09-10	10-11	11-12	12-13	13-14	14-15	15-16	16-17	17-18	18-19	19-20	20-21	21-22	22-23	23-24	24-25	Total
1	APCO-19																							2	20	2	94	118
2	APCCN											1	2	4	0	1	0	0	0	1		2	5	11	14	13	30	84
3	APGG																				1	4	2	11	4	16	0	38
4	APDF								12	9	12	1	9	137	0	48	82	71	12	95	60	63	29	47	37	20	39	783
5	APHFE											1	8	1	3	6	10	2	3	2	3	1	3				0	43
6	APNF											2	11	3	1	3	3	1	0	1	3			43	30	4	47	152
7	APPR					71	54	9	46	34	21	25	52	14	2	17	13	9	13	9	16	14	6	15	30	30	73	573
8	APVAP									2					0	1	0	0	0								0	3
9	APY							1	3		21	4	12	19	2	32	2	6	15	17	27	4	5	11	4		0	185
10	APAM																							1	6	14	0	21
11	APKD																							1	4	6	8	19
12	APSSS																									2	2	4
13	APIBS																									20	25	45
14	APJ&K																							1	3	17	0	21
15	APSM&FM																								2	18	60	80
16	CAA																								23	29	115	167
17	APAY																							2	1	1	0	4
18	B.Com (NEP)																									796	1601	2397
19	B.Com	233	82	102	81	73	84	87	259	327	489	684	605	854	825	2375	871	444	1310	1023	989	1050	1201	1248	1344	879	486	18005
20	B.Sc. (NEP)																									2092	4202	6294
21	B.Sc		64	72	46	88	112	102	270	169	153	296	628	810	908	3521	2232	1587	4224	3280	3176	3058	3563	3841	3999	2615	1311	40125
22	B.Sc. (Job)																			1							0	1
23	BA(NEP)																									8520	14592	23112
24	BA	1701	471	525	377	468	539	598	2509	2754	3371	5348	6612	9227	7135	26712	9697	5992	18177	14667	14576	14271	15663	17042	18274	12827	6747	216280
25	BBA										6	101	51	59	33	73	16	19	33	47	39	53	83	125	170	238	300	1446
26	BC ART													42	0		0	0	0								0	42

27	**BC COMMERCE**													3	0		0	0	0								0	3
28	**BCA**		23	25	41	146	309	79	729	1448	1805	1183	563	481	311	931	198	151	345	266	241	238	241	288	510	390	247	11189
29	**BC SCIENCE**													18	0		0	0	0								0	18
30	**BED**					500	500	500	500	500	500	500	482	455	455		484	484	159	514	651	971	717	1092	1038	542	1051	12595
31	**BEDSE**								400	400	400	480	468	477	424		395	395	355	655	896	1274	734	1108	715	862	1000	11438
32	**BLIS**	375	407	307	540	704	861	927	1075	1000	1139	1699	1874	1589	953	1233	1160	894	991	922	1089	1093	882	604	877	1302	1564	26061
33	**BSW**													3	0		0	0	0								0	3
34	**BTS**	160	69	37	27	39	28	23	38	48	35	17	24	14	13	32	10	7	11					94	111	74	35	946
35	**CAC**										1	11	5	5	9	15	8	9	4	7	6	14		19	24	17	9	163
36	**CASC**																2	1	1	3	7			8	9	9	8	48
37	**CCSS(BA)**																				807		4260	8184	13841	19523	16825	63440
38	**CCSS(B.Sc)**																				29		129	278	667	815	992	2910
39	**CCC**	30	75	42	40	50	50	39	84	131	99	115	58	37	34	66	39	18	12	15	6	10	11	6	7	8	15	1097
40	**CCC IT**												4	2	0		0	0	0								0	6
41	**CCCN**	85	70	38	37	53	67	52	79	39	54	67	22	21	9	41	14	30	19	14	28	20	20	13	10	30	25	957
42	**CCDTP**	7	8												0		0	0	0								0	15
43	**CCMAP**								11	24	42	26	31	1	5	7	9	15	4	2	6	9	6	11	3	5	9	226
44	**CCP**				8	8	9	25	25	7	13	13	7	4	3	4	2	1	0	2							0	131
45	**CCRE**													1	0		0	0	0								0	1
46	**CCTT**									69	32	1	1	2	0	0	0	1	0		1		1	2	4	1	5	120
47	**CCY**							78	120	153	74	114	127	108	28	95	125	583	3152	886	155	39	27	36	42	4	25	5971
48	**CDM**				4	7	21	61	38	102	45	26	18	12	6	12	7	13	7	18							3	400
49	**CES**				21	21	75	44	131	84	25				0		0	0	0			3	3	1		1	3	412
50	**CFD**												1	17	2	4	8	0	0	0	5	8	6	36	9	7	11	114
51	**CFS**																0	0	2	1	6	4	8	3	9	3	8	44
52	**CGST**																				31	43	39	31	11	20	24	199
53	**CHFE**						81	90	85	100	76	31	20	22	7	13	27	9	6	13							0	580
54	**CHHM**																				1	1	1				0	3
55	**CHR**				47	70	158	139	140	222	112	129	55	40	18	45	41	44	23	10	21	25	23	47	17	18	36	1480
56	**CIB**									2	2				0		0	0	0								0	4
57	**CIC**									2					0		0	0	0								0	2

58	CIEB													3	0		0	0	0								0	3
59	CIET													5	0		0	0	0			2					0	7
60	CIJV												2	5			0	0	0								0	7
61	CILT									2					0		0	0	0								0	2
62	CIP												3	2	0		0	0	0								0	5
63	CIRM												9	12	0		0	0	0								0	21
64	CIS													2	0		0	0	0								0	2
65	CLD				13	12	22	11	6	8	5				0		0	0	0								0	77
66	CLPS								7	3	15	7	2	2	0	7	23	7	6	3	4	16	12	22	22	13	35	206
67	CNSD																									5	0	5
68	CNF	16	16	11	14	23	34	25	30	38	27	48	22	37	12	55	38	31	24	7	17	19	24	24	25	31	28	676
69	CNGOM									22	22				0		0	0	0								0	44
70	COF													1	0		0	0	0			3	8	3			0	15
71	CPHE								2		2				0		0	0	0								0	4
72	CPT																									4	0	4
73	CPLT																				4	11	19	8	111	41	15	209
74	CPIG																			1		11	9	5	1	3	0	30
75	CPHT&VA								1	1		1	1		0	10	1	5	0			1	2		1	1		25
76	CRJMC											7	9	63	38	41	33	34	32	26	39	38	60	62	92	84	149	807
77	CTD											1			0	0	1	0	0	1		1	2	27			1	34
78	CTEIM								7	5	10	3	5	5	1	6	1	5	1	3							0	52
79	CTM																	0	0								0	0
80	CVM																				5	1	1	2	1	1	0	11
81	CTS	26	21	2	13	19	11	12	19	10	9		2		2	3	1	0	0								0	150
82	CCWD																							1			2	3
83	CWWT																							2	6		0	8
84	CWED						3	5	8	5	10	4	3	7	5	9	16	0	5	2	7	5	9	10	6	5	9	133
85	DAC	40	26	4											0		0	0	0								564	564
86	DAG																				8	9	18	15	31	64	0	70
87	DABM																				1	22	41	22	42	20	104	249
88	DASC													5	0		0	1	1	2	2	5	8	6	5	12	10	158

89	**DAVPFV**													15			0	0	0		1		3	1		2	6	53
90	**DCA**		2												0		0	0	0								0	22
91	**DCDN**		18	19	31	40	80	66	49	74	49	32	31	61	16	39	44	41	59	32	36	34	83	33	42	78	0	2
92	**DCILU**		1												0		0	0	0								73	1160
93	**DCMT**		138	214	398										0		0	0	0								0	1
94	**DCOM**	87	67	16	22	31	26	29	48	33	30	44	14	8	7	9	6	3	8	1							0	750
95	**DCWE**	4	7	1	4	5	2	8							0		0	0	0								0	489
96	**DCWH**	23	19	2	2	7	7	8							0		0	0	0								0	31
97	**DDT**													19	2		0	0	0	6	12	10	11	12	14	13	0	68
98	**DDTP**	10	6												0		0	0	0								0	99
99	**DECE**						5	9	16	10	13	25	20	20	7	21	15	10	7	5	12	20	83	32	32	63	0	16
100	**DFD**		11	7	6		5	10	13	19	15	22	16	30	12	54	47	49	68	45	85	90	41	54	22	31	63	488
101	**DHA**									1	4	1	2		0	2	8	0	2	1		3	1			1	25	777
102	**DHEN**	197	245	65	103	117	169	169	171	225	152	159	88	96	56	107	102	70	61	80	72	43	65	58	51	61	1	27
103	**DHRM**																									1	65	2847
104	**DHHM**																				2	6	3				33	34
105	**DIC**		20	22	13	8	12	7	13	16	11	11	49	48	35	9	14	8	11	5							0	11
106	**DID**		4												0		0	0	0								0	312
107	**DIEB**													4			0	0	0								0	4
108	**DIHT**									3	1	1	3	7	6	5	2	0	0	2							0	4
109	**DIIH**												1	3	0		0	0	0								0	30
110	**DIJV**												13	46	0		0	0	0								0	4
111	**DIP**									2	24	23	27	32	16	51	42	23	53	36	47	77	150	64	90	90	0	59
112	**DIWDM**	32	83	3		1		1	4	2					0		0	0	0								15	862
113	**DJD**																	0	0		2						0	126
114	**DPHCN**																									2	0	2
115	**DPC**																	0	3	3	1	1	2				8	10
116	**DRD**		51	30	36	41	34	40	80	68	46	59	40	194	20	34	29	14	22	14	23	21	17	23	10	32	0	10
117	**DTD**		16	17	9		3	5	11	21	7	16	13	20	7	27	14	7	7	3	6	9		2	13	10	32	1010
118	**DTS**	96	45	11	31	48	31	18	34	30	21	8	30	9	1	4	13	3	5	4							5	248
119	**DUJMC**																	0	1		1	2	1		10	2	0	442

120	DUR																0	1					1		2	0	17
121	DUNRA																		1	1				1	1	0	4
122	DVGCC										4				0		0	0	0								0	4
123	DVM																				7	8	3	5	5	11	0	4
124	DWT																				3	1	2		1	5	2	41
125	DMM																									1	2	14
126	DDM																									14	8	9
127	DKK																									21	10	24
128	DYO																			4256	7563	1643	561	206	2		32	53
129	M.Com (NEP)																									781	294	14525
130	M.Com							16	32	39	42	58	165	303	327	1020	738	567	1021	965	995	958	953	956	1151	599	5	5
131	M.Sc. (NEP)																									1094	12	12
132	M.Sc																							1535	1517	695	3	3
133	M.Sc.(Com.Sc) (NEP)																									62	5	5
134	M.Sc.(Com.Sc)										5		1	5	3	7	6	7	15	13	1066	46	64	66		36	1330	2111
135	MA (NEP)																									12349	3	10908
136	MA		284	470	415	539	403	634	1026	1660	3172	4241	5587	7196	7248	20677	12052	7600	12928	11132	10,717	14,136	18,263	18,957	22,167	11249	3	1097
137	MBA					119	104	197	316	218	356	202	101	83	50	241	90	85	169	153	186	202	399	433	318	348		3747
138	MCA					62	79	105	185	202	237	191	125	134	44	215	14	14	48	42	39	39	77	87	99	78	497	497
139	MJMC(NEP)																									246	245	245
140	MJMC/MJ								146	277	217	310	491	344	239	519	310	234	406	465	484	470		407	355	154	98	160
141	MLIS				108	254	270	313	317	362	476	488	790	748	345	613	522	412	352	367	376	378	292	285	200	353	98	1438
142	MPHIL									7	277				0		0	0	0								22081	34430
143	PGBCH/MSC										74	128	303	442	445	1258	857	618	1180								0	192753
144	PGDCA		11	26	20	16	56	57	194	300	311	431	622	433	171	98	104	70	58	31	9	57	74	51	115		1021	5391
145	PGDCP																		1	2							184	2300
146	PGDCWE								4	2	5				0		0	0	0	2							498	744
147	PGDCWH								4	4	6	6	3	3	0	0	3	2	4	2	5	5	8	14	6		5	5833
148	PGDDE											1	2	2	0	2	2	2	0	2				1	2		366	8987
149	PGDDTN																			6	23	28	30	29	25		0	284

150	**PGDAE**																				2	6	5	6	2		1282	6587
151	**PGDBSPS**																				1	2	1		2		0	3315
152	**PGDEA**										16	21	46	31	10	24	31	23	38	29	39	30	27	29	34		0	3
153	**PGDEM**		6	11	4	19	16	111	15	13					0		0	0	0								0	13
154	**PGDEM&FP**								11	18	30	21	24	17	5	23	15	4	7	13	8	2	8	6	5		0	75
155	**PGD-ESD**							21	11	8	7	10	3	4	1	7	9	4	9	7	7	7	14	6	6		0	16
156	**PGDFSQM**																				1	11	19	13	2		0	141
157	**PGDFH**										1	5	2		0	0	2	1	1		1	1	3	3	1		0	21
158	**PGDFM**	25	92	49	64	83	71	119	115	173	108	77	44	29	15	18	31	19	25	20	21	30	29	22	19		0	6
159	**PGDGTS**																		3	1			4	3	7		0	428
160	**PGDGSW**																	6	5	4	4	4	14	18	11		0	195
161	**PGDHRD**								62	91	83	35	40	21	13	23	15	10	14	11	13	21	29	24	27		0	217
162	**PGDHHM**																		1	27	49	59	63	30	3		0	141
163	**PGDIMB**		81	27	20	30	33	37	40	22	15	17	5	4	2	7	1	2	3	4	1	4	6	2	4		0	46
164	**PGDIPCH**									2	1				0		0	0	0								0	21
165	**PGDJMC**	149	380	256	437	686	884	1000	1080	1205	1110	1003	654	444	218	306	268	157	176	150	219	233	323	255	277	1	0	1298
166	**PGDMM**								39	45	47	26	13	5	2	6	4	4	6	6	21	13	15	10	7		0	18
167	**PGDPM**								17	8	6	8	2	3	3	4	1	3	2	2	2	2	7	7	2		0	66
168	**PGDRJMC**											11	11	17	9	18	12	9	8	15	10	24	36	24	21		0	532
169	**PGDRP**								26	14	2				0		0	0	0								0	232
170	**PGDSW**												22	30	0		0	0	0					1			0	367
171	**PGDT**	47	64	22	26	25	23	23	30	19	13	20	24	18	26	80	63	38	97	86	60	87	144	89	156		0	3
172	**PGDTM**																		3	3	1	1					0	11871
173	**PGDRS**																				12	11	18	32	62		0	269
174	**PGDST**																				6	3	4	10	9		0	79
175	**PGDVGCC**										39	39	54	67	24	109	115	115	152	148	176	210	232	170	366		0	225
176	**PGPD**												101	314	436		397	0	0								0	42
177	**PGDBSD**																							2			0	53
178	**PGDYO**																			9574	25146	7576	2190	785	794	3	0	1280
179	**PHD**					1	2		54	36					0		0	0	0							45	0	8
180	**UGSS**		224	630	1186	3831	3444	5052	5253	1835	2130	3780	4489	4866	3262	10681	0	0	32	18	4	2213		2			0	135

181	**UGSS-Sc.**										11	24	35	34	28	89	0	0	1			70					0	32
182	**PGDVGCC**										39	39	54	67	24	109	115	115	152	148	176	210	232	170	366		0	2016
183	**PGPD**												101	314	436		397	0	0								0	1248
184	**PGDBSD**																							2			0	2
185	**PGDYO**																			9574	25146	7576	2190	785	794	3	0	46068
186	**PHD**					1	2		54	36					0		0	0	0							45	23	161
187	**UGSS**		224	630	1186	3831	3444	5052	5253	1835	2130	3780	4489	4866	3262	10681	0	0	32	18	4	2213		2			0	52932
188	**UGSS-Sc.**										11	24	35	34	28	89	0	0	1			70					0	292
Total	**Total**	**3343**	**3207**	**3063**	**4244**	**8315**	**8777**	**10962**	**16050**	**14784**	**17801**	**22500**	**25914**	**30840**	**24355**	**71825**	**31567**	**21103**	**46020**	**50310**	**70541**	**51323**	**52258**	**59329**	**70277**	**80608**	**80977**	**880296**

परिशिष्ट- 6

नवदश दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त शिक्षार्थी

List of Degree/P.G. Diploma Recipients 19th Convocation

S.No.	Program	Total
1.	BA	4841
2.	BBA	54
3.	BCA	107
4.	B.COM	445
5.	BED	517
6.	BEDSE	353
7.	BLIS	833
8.	BSC	1295
9.	BTS	33
10.	MA	12124
11.	MAJMC	153
12.	MBA	199
13.	MCA	35
14.	MCOM	679
15.	MJ	24
16.	MLIS	313
17.	M.Sc.	850
18.	PGDAE	1
19.	PGDCA	42
20.	PGDCCP	3
21.	PGDCWH	2
22.	PGDDE	1
23.	PGDDTN	2
24.	PGDEA	10
25.	PGDEM&FP	2
26.	PGD-ESD	2
27.	PGDFM	5
28.	PGDFSQM	1
29.	PGDGSW	1
30.	PGDHHM	1
31.	PGDHRD	4
32.	PGDIMB	2
33.	PGDJMC	122
34.	PGDM	6
35.	PGDMM	1
36.	PGDPM	1
37.	PGDRJMC	4
38.	PGDRS	24
39.	PGDST	5
40.	PGDT	33
41.	PGDVGCC	61
42.	PGDYO	380
TOTAL		**23571**

नवदश दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त शिक्षार्थी

List of Certificate/Diploma Recipients 19th Convocation

S. No.	Program	Total
1.	CAC	11
2.	CASC	1
3.	CCC	7
4.	CCCN	25
5.	CCMAP	3
6.	CCSS	7700
7.	CCSS_SC	111
8.	CCTT	2
9.	CCY	7
10.	CES	1
11.	CFD	4
12.	CFS	3
13.	CGST	16
14.	CHR	9
15.	CLPS	10
16.	CNF	21
17.	CNSD	4
18.	CPIG	2
19.	CPHT&VA	1
20.	CPLT	20
21.	CPT	1
22.	CRJMC	78
23.	CVM	2
24.	CWED	1
25.	DABM	10
26.	DAG	44
27.	DASC	3
28.	DCDN	43
29.	DDM	2
30.	DDT	13
31.	DECE	35
32.	DFD	13
33.	DHEN	38
34.	DIP	58
35.	DKK	4
36.	DPHCN	1
37.	DRD	22
38.	DTD	4
39.	DUR	1
40.	DVM	3
41.	DYO	35
Total		**8369**

परिशिष्ट–07

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU,PRAYAGRAJ

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2025.

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
To OPENING BALANCE	35,105,017	**By Salary to Officer & Staffs**	
		By Pay	34,581,281
To Grant in Aid From State Govt.	5,907,300	By Dearness Allowances	19,240,106
To UGC/DEB Grant	10,000,000	By Other Allowances	2,644,763
To Fellowship Grant	130,000		
To Course Fees	561,915,477	**By Salary to Contractual Staffs**	44,066,232
To New Study Centre Processing Fees	275,000		
To Other Income	3,545,525	**By Salary to Teachers Staffs**	
To Interest on FDR	219,634,447	By Pay	43,394,729
To Interest on Saving Bank A/c	1,160,180	By Dearness Allowances	20,840,435
To TEWF Receipts	1,906,242	By Other Allowances	3,701,840
To Income From Canteen	153,315		
To Income From Seminar/Workshop Fees	777,721	**By NPS Contribution from Employer**	11,630,691
To RTI Fees	320		
To UPPSC Examination Receipts	71,000	**By Travelling Expenses**	
To Combined B. Ed. Test Receipts	79,300	Travelling Allowances (Office Staff)	331,772
To Interest on Income Tax Refund	59,788	Statutory Committee	186,154
To New Centre Security Money	782,500	Other Committee	183,637
To Earnest Money Received	10,275,000		
To FDR Matured	1,089,791,713	**By Office Expenses**	
To Gold Medal Fund Received	100,000	Postage	20,000
To Cheque issued in previous year	1,350,985	Maintenance of furniture	0
F Y 2023-24 but not presented for		Misc. Expenses	3,874,829
payment -As per (Annx-C)			
		By Electricity Expenses	4,090,077
		By Stationery	2,272,659
		By Printing & Publication Expenses	1,612,358
		By Office Equipment & Furniture	
		By Purchase of Office Equipment	1,080,611
		By Purchase of Furniture	0
		By Telephone	866,865
		By Maintenance & Petrol of Vehicle	894,833
		By Professional Charges	522,651
		By Building Rent	674,264
		By Advertisement Expenses	22,571
		By Petty Construction Expenses	175,000
		By Tools & Machinery	1,585,552
		By Maintenance of Building	993,662
		By Vehicle Rent	174,019
		By Other Expenses	
		By Guest Expenses	0
		By Subscription to AIU & Others	881,050
		By Other Expenditure(Ignou / RCI Fees)	3,773,200
		By Refund of Fees	798,520
		By Refund of Earnest Money	7,665,000
Total C/F	1,943,020,830	Total C/F	212,779,361

As per our Report of even date

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

FINANCE OFFICER

FOR K. U. SIDDIQUI AND COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

PROPRIETOR
(KALIM ULLAH SIDDIQUI)
M No. 401616

- 1 -

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU, PRAYAGRAJ

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2025.

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
Total B/F	1,943,020,830	Total B/F	212,779,361
		By Training/Seminar & Other Programme Expenses	
		By Training Programme	0
		By Conference/Seminar Expenses	1,953,274
		By Convocation Expenses	1,035,279
		By Maintenance of Computer Lab	920,750
		By Medical Expenses	121,000
		By Study Material Expenses	
		By Preparation of Study Material	5,821,068
		By Printing of Study Materials	75,325,512
		By Purchase of Study Materials	7,365,549
		By Dispatch of Study Material	9,020,049
		By Study Centre Expenses	
		By Counselling Expenses	6,897,845
		By Administrative Exp. on Study Canters	49,673,400
		By Contingencies For Study Canters	2,352,150
		By Library Expenses	
		By Books & Periodicals	20,243
		By Examination Expenses	
		By Travelling Expenses	504,901
		By Postage Expenses	1,470,457
		By Exam Exp. Other	325,116
		By Printing of Answer Book	1,200,000
		By Confidential Printing	30,652,396
		By Printing of Envelope Etc (Exam)	1,196,500
		By Rem. Of Paper Setting & Others	13,183,183
		By Examination Centre Expenses	13,689,032
		By Dispatch of Exam Material	2,178,648
		By DEB Expenses	
		By Computerization Expenses	494,910
		By Development of Course Material	9,456,137
		By ICT & Quality Assurance Measures	70,800
		By Other Payments	
		By Bank Charges	49,939
		By FDR Made	1,275,254,659
Total C/F	1,943,020,830	Total C/F	1,723,012,158

As per our Report of even date

FOR K. U. SIDDIQUI AND COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

PROPRIETOR
(KALIM ULLAH SIDDIQUI)
M No. 401616

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI
TANDON OPEN UNIVERSITY

FINANCE OFFICER

-2-

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU, PRAYAGRAJ

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2025.

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
Total B/F	1,943,020,830	Total B/F	1,723,012,158
		By Land & Building	2,818,800
		By Rooftop Solar System	11,641,047
		By TEWF Expenses	2,162,730
		By Combined B. Ed. Test Expenses	79,300
		By Expenditure against ICSSR Grant	598,500
		By Expenditure against Research Grant	19,871
		By Expenditure against Fellowship Grant	130,000
		By UPPSC Exam Expenses	72,309
		By Skill Development Expenses	195,903
		By Payment to Outsourcing Agency	43,728,788
		By Canteen Expenses	87,000
		By TDS For A Y 2025-26	2,081,431
		By Payment made against Cancelled Cheque - (Annx-D)	132,926
		By Closing Balance	
		Cash At Bank (As Per Annexure - B)	156,260,067
Total	1,943,020,830	Total	1,943,020,830

As per our Report of even date

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

FOR K. U. SIDDIQUI AND COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

K. U. SIDDIQUI & Co. M No. 401616 CHARTERED ACCOUNTANTS

PROPRIETOR
(KALIM ULLAH SIDDIQUI)
M No. 401616
UDIN:25401616BMJMWS7847

PLACE: PRAYAGRAJ
DATE: 26-08-2025

FINANCE OFFICER

-3-

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU, PRAYAGRAJ

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2025.

EXPENDITURES	AMOUNT	INCOMES	AMOUNT
To Salary to Officer & Staffs		By Grant in Aid From State Govt.	5,907,300
To Pay	34,581,281	By UGC/DEB Grant	10,000,000
To Dearness Allowances	19,240,106	By Fellowship Grant	130,000
To Other Allowances	2,644,763	By Course Fees	561,915,477
		By New Study Centre Processing Fees	275,000
To Salary to Contractual Staffs	44,066,232	By Other Income	3,545,525
		By Interest on FDR	219,634,447
To Salary to Teachers Staffs		By Interest on Saving Bank A/c	1,160,180
To Pay	43,394,729	By TEWF Receipts	1,906,242
To Dearness Allowances	20,840,435	By Income From Canteen	153,315
To Other Allowances	3,701,840	By Income From Seminar/Workshop Fees	777,721
		By RTI Fees	320
To NPS Contribution from Employer	11,630,691	By UPPSC Examination Receipts	71,000
		By Combined B. Ed. Test Receipts	79,300
To Travelling Expenses		By Interest on Income Tax Refund	59,788
Travelling Allowances	331,772		
Statutory Committees	186,154		
Other Committees	183,637		
To Office Expenses			
Postage	20,000		
Maintenance of furniture	0		
Misc. Expenses	3,874,829		
To Electricity Expenses	4,090,077		
To Stationery	2,272,659		
To Printing & Publication Expenses	1,612,358		
To Telephone	866,865		
To Maintenance & Petrol of Vehicle	894,833		
To Professional Charges	522,651		
To Building Rent	674,264		
To Advertisement Expenses	22,571		
To Petty Construction Expenses	175,000		
To Maintenance of Building	993,662		
To Vehicle Rent	174,019		
To Training Prog/ Seminar & Other Programme Expenses			
To Training Programme	0		
To Conference/Seminar Expenses	1,953,274		
To Convocation Expenses	1,035,279		
To Maintenance of Computer Lab	920,750		
To Medical Expenses	121,000		
Total C/F	201,025,731	Total C/F	805,615,615

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

FINANCE OFFICER

As per our Report of even date
FOR K. U. SIDDIQUI AND COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

PROPRIETOR
(KALIM ULLAH SIDDIQUI)
M.No. 401616

-4-

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU, PRAYAGRAJ

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2025.

EXPENDITURES	AMOUNT	INCOMES	AMOUNT
Total B/F	201,025,731	Total B/F	805,615,615
To Study Material Expenses			
To Preparation of Study Material	5,821,068		
To Printing of Study Materials	75,325,512		
To Purchase of Study Materials	7,365,549		
To Dispatch of Study Material	9,020,049		
To Study Centre Expenses			
To Counselling Expenses	6,897,845		
To Administrative Exp. on Study Centers	49,673,400		
To Contingencies For Study Centers	2,352,150		
To Library Expenses			
To Books & Periodicals	20,243		
To Examination Expenses			
To Travelling Expenses	504,901		
To Postage Expenses	1,470,457		
To Exam Exp. Other	325,116		
To Printing of Answer Book	1,200,000		
To Confidential Printing	30,652,396		
To Printing of Envelope Etc (Exam)	1,196,500		
To Rem. of Paper Setting & Others	13,183,183		
To Examination Centre Expenses	13,689,032		
To Dispatch of Exam Material	2,178,648		
To DEB Expenses			
To Computerization Expenses	494,910		
To Development of Course Material	9,456,137		
To ICT & Quality Assurance Measures	70,800		
To Other Expenses			
To Guest Expenses	0		
To Subscription to AIU & Others	881,050		
To Other Expenditure(Ignou / RCI Fees)	3,773,200		
To Refund of Fees	798,520		
To Bank Charges	49,939		
To TEWF Expenses	2,162,730		
To Combined B. Ed. Test Expenses	79,300		
To Expenditure against ICSSR Grant	598,500		
To Expenditure against Research Grant	19,871		
To Expenditure against Fellowship Grant	130,000		
To UPPSC Exam Expenses	72,309		
To Skill Development Expenses	195,903		
To Payment to Outsourcing Agency	43,728,788		
To Canteen Expenses	87,000		
To Depreciation	5,770,405		
To Excess of Income Over Expenditure (Transferred to Balance Sheet)	315,344,473		
Total	805,615,615	Total	805,615,615

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

FINANCE OFFICER

As per our Report of even date
FOR K. U. SIDDIQUI AND COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

PROPRIETOR
(KALIM ULLAH SIDDIQUI)
M No. 401616
UDIN:25401616BMJMWS7847

PLACE: PRAYAGRAJ
DATE: 26-08-2025

-5-

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU,PRAYAGRAJ

BALANCE SHEET AS ON 31st MARCH 2025.

LIABILITIES	Amount (Rs.)	
GENERAL FUND		
Opening Balance	3,100,041,249	
Add: Excess of Income over Expitr during the yr	315,344,473	
	3,415,385,722	
Add: As Per Annexure-C	1,350,985	
Less: As Per Annexure-D	-132,926	3,416,603,781
CAPITAL RESERVE A/c		
Opening Balance	45,823,881	
Add: During the Year	0	
	45,823,881	
Less: Depreciation C/Yr	0	45,823,881
GOLD MEDAL RESERVE		
Gold Medal Distribution-C	326,000	
Add: Receipt during C/yr	100,000	426,000
EARNEST MONEY		
Earnest Money-Op	1,895,940	
Add: Receipt during C/yr	10,275,000	
Less: Paid during the yr	-7,665,000	4,505,940
SECURITY MONEY		
New Centre Security-Op	18,944,100	
Add: Receipt during C/yr	782,500	19,726,600
TOTAL		3,487,086,202

ASSETS	Amount (Rs.)	
FIXED ASSETS:		
Land & Building		
Opening Balance	873,640,198	
Add: Purchase During The Year	2,818,800	876,458,998
Furniture & Fixture		
Opening Balance	7,347,589	
Add: Purchase During The Year	0	
	7,347,589	
Less: Depreciation @ 10%	734,759	6,612,830
Equipment,Fan,Cooler ,Etc.		
Opening Balance	17,546,275	
Add: Purchase During The Year	2,666,163	
	20,212,438	
Less: Depreciation @ 10%	3,031,866	17,180,572
Motor Vehicle		
Opening Balance	1,717,490	
Less: Depreciation @ 15%	257,623	1,459,867
Books		
Opening Balance	532,622	
Add: Purchase During The Year	Nil	532,622
Rooftop Solar System		
Opening Balance	0	
Add: Purchase During The Year	11,641,047	
	11,641,047	
Less: Depreciation @ 15%	1,746,157	9,894,890
INVESTMENT		
FDR With Bank (As Per Annexure - A)		2,416,604,925
TDS for A Y 2024-25	1,195,742	
Less: Income Tax Refund	1,255,530	
Interest credited to In-Ex A/c	59,788	0
TDS for A Y 2025-26		2,081,431
Cash At Bank (As Per Annexure - B)		156,260,067
TOTAL		3,487,086,202

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

FINANCE OFFICER

As per our Report of even date
FOR K. U. SIDDIQUI AND COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

PROPRIETOR
(KALIM ULLAH SIDDIQUI)
M.No. 401616
UDIN:25401616BMJMWS7847

PLACE: PRAYAGRAJ
DATE: 26-08-2025

- 6 -

परिशिष्ट 8

शैक्षिक कार्यक्रमों का विवरण
(Academic Programmes)
(2024-25)

1.स्नातक कार्यक्रम

(i)	स्नातक कला (B.A.)
(ii)	स्नातक वाणिज्य (B.Com.)
(iii)	बी.ए. (पर्यटन) B.A.(Tourism)
(iv)	स्नातक विज्ञान (B.Sc.)
(v)	कम्प्यूटर एप्लीकेशन में स्नातक (B.C.A.)
(vi)	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (BLIS)
(vii)	व्यवसाय प्रशासन में स्नातक (BBA)
(viii)	बी0एड0 (B.Ed.)
(ix)	बी0एड0 (विशिष्ट शिक्षा) (B.Ed. (SE))
(X)	स्नातक विज्ञान B.Sc. (Human Nutrition)

2. स्नातकोत्तर कार्यक्रम

(i) स्नातकोत्तर कला (M.A.) हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, दर्शनशास्त्र, संस्कृत, समाज कार्य, उर्दू, गृह विज्ञान, भूगोल,योग, प्राचीन इतिहास

(ii) पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (MLIS)

(iii) परास्नातक वाणिज्य (M.Com.)

(iv) पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (MJ)

(v) कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर M.Sc. (Computer Science)

(vi) एम.एस.सी. (जैव रसायन, सांख्यिकी एवं फूड एण्ड न्यूट्रीशन) M.Sc. (Bio Chemistry, Statistics and Food & Nutrition)

(vii) Master of Computer Application (MCA)

(viii) Master in Business Administration (MBA)

3. डिप्लोमा कार्यक्रम

(i) Diploma in Agri Business Management (DABM)
(ii) Diploma in Agriculture (DAG)
(iii) Diploma in Applied Statistics and Computer (DASC)
(iv) Diploma in Dietetics and Nutrition (DCDN)
(v) Diploma in Early Childhood Care and Education (DECE)
(vi) Diploma in Fashion Designing (DFD)
(vii) Diploma in Home Arts (DHA)
(viii) DHEN-Diploma in Health Education and Nutrition (DHEN)
(ix) Diploma in Photography (DIP)

(x) Diploma in Disaster Management (DDM)
(xi) Diploma in Financial Management (DFM)
(xii) Diploma in Human Resource Management (DHRM)
(xiii) Diploma in Information Technology Management (DITM)
(xiv) Diploma in Marketing Management (DMM)
(xv) Diploma in Production and Operations Management (DPOM)
(xvi) Diploma in Public Health and Community Nutrition (DPHCM)
(xvii) Diploma in Strategic & Entrepreneurial Business Management (DSEBM)
(xviii) Diploma in Rural Development (DRD)
(xix) Diploma in Textile Designing (DTD)
(xx) Diploma in Vaidik Mathematics(DVM)
(xxi) Diploma in Web Technology (DWT)
(xxii) Diploma in Yoga (DYO)
(xxiii) Diploma in Karm Kand (DKK)

4. प्रमाण–पत्र कार्यक्रम

(i) Certificate in Applied Criminology (CAC)
(ii) Certificate in Applied Statistics and Computer (CASC)
(iii) Certificate in Computer Course (CCC)
(iv) Certificate in Child Care and Nutrition (CCCN)
(v) Certificate in Cultivation of Medicinal and Aromatic Plants (CCMAP)
(vi) Certificate in Single Subject of Arts (CSS(BA))
(vii) Certificate in Single Subject of Science (CCSS(Bsc))
(viii) Certificate in Carpet and Textile Technology (CCTT)
(ix) Certificate Course in Yoga(CCY)
(x) Certificate Course In Web Designing and Development (CWD)
(xi) Certificate In Disaster Management (CDM)
(xii) Certificate In Kumbh Studies (CKS)
(xiii) Certificate in Environmental Studies (CES)
(xiv) Certificate in Fashion Designing (CFD)
(xv) Certificate in Forensic Science (CFS)
(xvi) Certificate in Goods & Services Tax (CGST)
xvii) Certificate in Human Rights (CHR)
‹viii) Certificate in Livestock Production System (CLPS)
(xix) Certificate in Nutrition and Food (CNF)
(xx) Certificate Programme in Gardening (CPIG)
(xxi) Certificate Programme in Laboratory Technique (CPLT)
xxii) Certificate in Rural Journalism and Mass Communication (CRJMC)
‹xiii) Certificate in Textile Designing (CTD)
‹xiv) Certificate in Women Empowerment and Development (CWED)

5. व्यावसायिक कार्यक्रम

(i) फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा (DFD)
(ii) टेक्सटाइल डिजाइनिंग में डिप्लोमा (DTD)
(iii) फोटोग्राफी में डिप्लोमा (DIP)

(iv) होम आर्ट्स में डिप्लोमा (DHA)
(v) फैशन डिजाइनिंग में प्रमाण–पत्र (CFD)
(vi) टेक्सटाइल डिजाइनिंग में प्रमाण–पत्र (CTD)

6. संव्यावसायिक कार्यक्रम

(i) बी.एड. (B.Ed.)
(ii) बी.एड. विशिष्ट शिक्षा (BE.d. SE)
(iii) व्यावसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (MBA)
(iv) कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर (MCA)

7. जागरूकता कार्यक्रम

(i) Awareness Programmes in Child Care and Nutrition (APCCN)
(ii) Awareness Programmes in Dairy Farming (APDF)
(iii) Awareness Program on Insurance and Banking Services (APIBS)
(iv) Awareness Programme in Kumbh Darshan (APKD)
(v) Awareness Programmes in Child Nutrition and Food (APNF)
(vi) Awareness Programmes on Panchayti Raj (APPR)
(vii) Awareness Program on share market and mutual Funds (APSM&FM)
(viii) Awareness Programme in Citienship Amendment Act
(ix) Awareness Programme in Saral Sanskrit Shikshan (APSSS)
(x) Awarneness programme on covid (APCO-19)
(xi) Awareness Programme on Anatyoday (APAY)
(xii) Awareness Programme on Ekatam Manavwad (APAM)
(xiii) Awareness Programme on J&K (APJK)
(xiv) Awareness Programme in Good Governance in New India (APPGNI)

वार्षिक आधार पर संचालित कार्यक्रम

स्नातक कार्यक्रम	डिप्लोमा कार्यक्रम
B.A. (Tourism)	DHEN, DTD, DRD, DCDN, DECE, DFD, DIP, DHA, DASC

सेमेस्टर प्रणाली पर संचालित कार्यक्रम

स्नातक कार्यक्रम	स्नातकोत्तर कार्यक्रम	डिप्लोमा कार्यक्रम	प्रमाण पत्र–कार्यक्रम	नॉन क्रेडिट जागरूकता कार्यक्रम
BA B.Com. B.Sc. BCA BBA BLIS B.Ed. B.Ed.(SE) B.Sc. (Human	M.Com. MLIS MJ MBA MCA M.S.c (CS) M.S.c (FN) M.Sc. (Bio- Chemistry)	DWT DAG DABM DDM DFM DHRM DITM DMM DPOM DPHCM	CAC CASC CCC CCCN CCMAP CSS(BA) CSS(B.Sc) CCTT CCY CWD	APPR APDF APCCN APNF APPGNI APKD APAY APAM APSM&MF API&BS

Nutrition)	M.Sc. (Statistics) M.A. (Hindi, English, History, Sociology, Pol. Science, Economics, Education, Statistics, Philosophy, Sanskrit, Social Work, Yoga, Geography, Urdu, Ancient History, Home Science)	DSEBM DVM DYO DKK	CDM CKS CES CFD CFS CGST CHR CLPS CNF CPIG CRJMC CTD CWED CPLT	APJ&K CAA APCO-19 APSSS

परिशिष्ट–9

विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र का नाम देखने के लिए क्यू.आर.कोड को स्कैन करें

To Know the Name of Study Centres Scan QR Code

राष्ट्रगीत

वन्दे मातरम्।।
सुजलां सुफलाम्
मलयजशीतलाम्
शस्यश्यामलां मातरम्
वन्दे मातरम्।।
शुभ्रज्योत्स्नापुलकितयामिनीम्
फुल्लकुसुमितद्रुमदलशोभिनीम्
सुहासिनीं सुमधुरभाषिणीम्
सुखदां वरदां मातरम् ।
वन्दे मातरम्।।
कोटि-कोटि-कण्ठ-कल-कल-निनाद-कराले
कोटि-कोटि-भुजैर्धृत-खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले
बहुबलधारिणीं
नमामि तारिणीं
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।।
तुमि विद्या, तुमि धर्म
तुमि हृदि, तुमि मर्म
त्वम् हि प्राणाः शरीरे
बाहुते तुमि मा शक्ति,
हृदये तुमि मा भक्ति,
तोमारि प्रतिमा गड़ी मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्।।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी
कमला कमलदलविहारिणी
वाणी विद्यादायिनी,
नमामि त्वाम्
नमामि कमलाम्
अमलां अतुलाम्
सुजलां सुफलाम् मातरम्।
वन्दे मातरम्।।
वन्दे मातरम्
श्यामलां सरलाम्
सुस्मितां भूषिताम्
धरणीं भरणीं मातरम् ।
वन्दे मातरम् ।
वन्दे मातरम्।।

–बंकिम चन्द्र चटर्जी

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता!
पंजाब-सिन्ध-गुजरात-मराठा,
द्राविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा,
उच्छल जलधि तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष माँगे;
गाहे तव जय गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता!
जय हे! जय हे! जय हे!
जय जय जय जय हे!

–रबीन्द्रनाथ टैगोर

UPRTOU

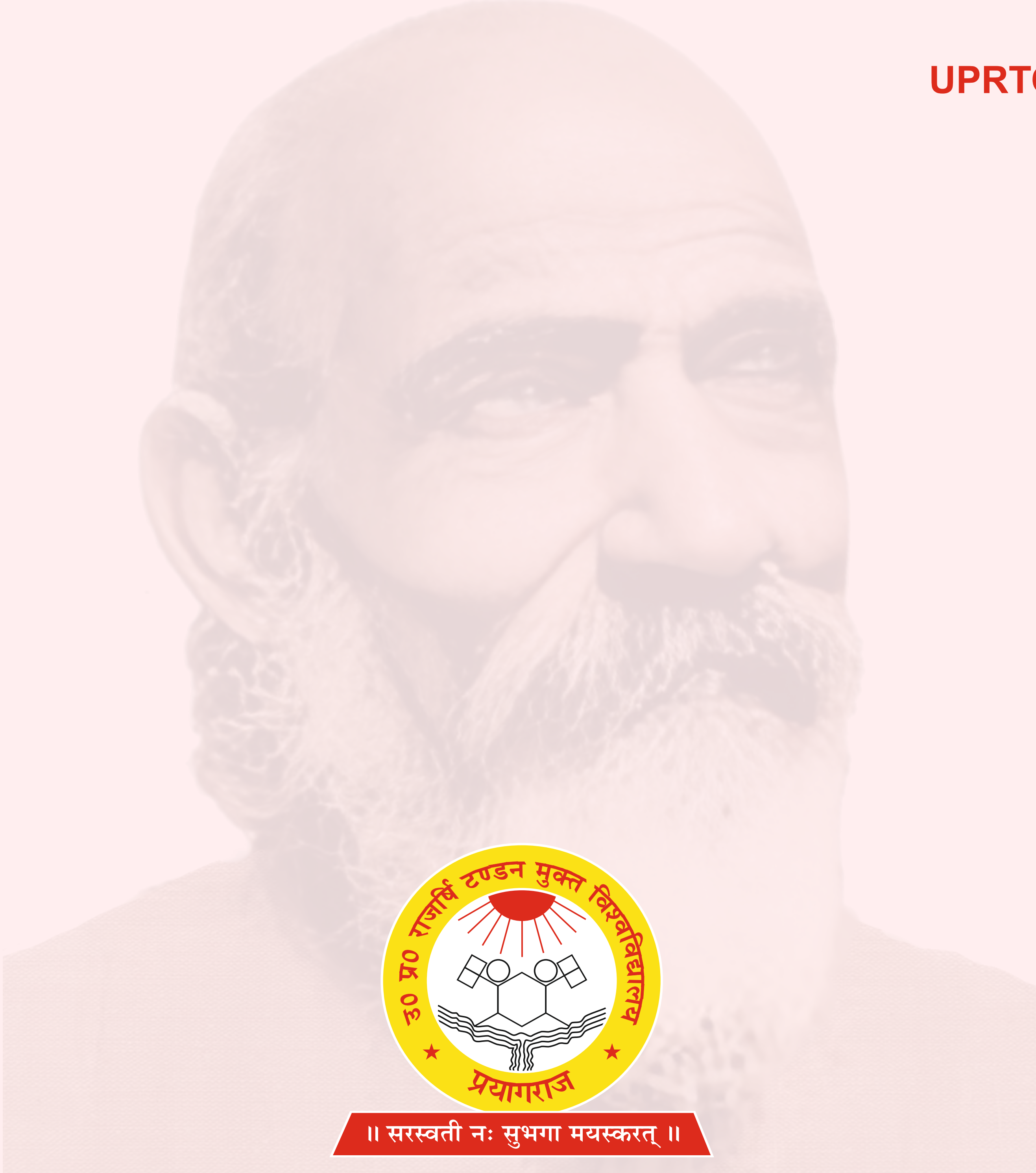

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
U. P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

प्रकाशक

कुल सचिव

सेक्टर-एफ, शान्तिपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज
पिन कोड- 211021, उत्तर प्रदेश
वेबसाईट : www.uprtou.ac.in